फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 242 प्रभात जयपुर, सोमवार 6 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

A Grandson's Search Of Grandpa — A grandson retraces adventurer Francis K.I. Baird's mysterious trek to a remote village near the India-Tibet border

From Oil Tycoon to Philanthropist — At 53, Rockefeller was suffering from severe health problems, which included chronic insomnia, gastritis, and a variety of stress-related ailments

'मंगलवार को ईरान के पावर प्लांट व पुलों को निशाना बनायेंगे'

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने होर्मुज़ नहीं खोलने पर बड़े हमले की चेतावनी दी

- सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने बहुत आक्रामक शब्दों का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि मंगलवार को पावर प्लांट डे तथा ब्रिज्र डे बनाया जाएगा।

वॉशिंगटन डीसी, 05 अप्रैल। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहद तीखी भाषा में पोस्ट करते हुए ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ खोलने की चेतावनी दी है और कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो बड़े हमले किए जाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने 6 अप्रैल की तय समय सीमा से एक दिन पहले ही ईरान पर दबाव बढ़ ा दिया है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को ईरान में पावर प्लांट और पुलों को निशाना बनाया जा सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा कि ऐसा हमला होगा, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया।

इससे पहले 21 मार्च को भी ट्रंप ने धमकी दी थी कि अगर ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ नहीं खोला तो उसके पावर प्लांट्स को नष्ट कर दिया जाएगा, जिसकी शुरुआत देश के सबसे बड़े बिजली संयंत्र से होगी।

अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने बेहद आक्रामक शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि मंगलवार पावर प्लांट डे और ब्रिज डे होगा और ईरान को तुरंत होर्मुज़ खोलने को कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो हालात बेहद खराब हो जाएंगे।

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पहले ही उन्होंने ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर इस समय सीमा में समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका की ओर से कड़ी सैन्य कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शनिवार को भी कहा था कि समय खत्म हो रहा है और अगर ईरान ने कदम नहीं उठाया तो भयंकर हमला किया जाएगा।

अमेरिका और ईरान के बीच यह तनाव लगातार बढ़ ता जा रहा है, खासकर स्ट्रेट ऑ होर्मुज़ को लेकर। यह दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है और इसके बंद होने से वैश्विक स्तर पर असर पड़ रहा है।

रूस ने यूक्रेन पर रात भर में 286 ड्रोन दागे

- इन हमलों में 5 लोगों की मौत हुई व 30 घायल हुए।

कीव, 05 अप्रैल। यूक्रेन पर रूसी हमलों ने एक बार फिर हालात को तनावपूर्ण बना दिया है। रात भर चले ड्रोन हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की तुर्की यात्रा के दौरान हुए इन हमलों में कई शहरों को निशाना बनाया गया, जिनमें निकोपोल और सूमी शामिल हैं। हमलों से रिहायशी इलाकों, बाज़ारों और इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति और गंभीर हो गई है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया एनबीसी के अनुसार, यूक्रेनी वायु सेना ने एक ऑनलाइन बयान में बताया कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 286 ड्रोन दागे, जिनमें से 260 को मार गिराया गया। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेक्जेंडर हंझा ने बताया कि निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र के निकोपोल शहर में तीन महिलाओं और दो पुरुषों की मौत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वाइट हाउस के पास रात एक बजे गोलियाँ चली

सुरक्षा बलों ने आस-पास के इलाके की सघन तलाशी ली व वाइट हाउस की सुरक्षा बढ़ाई

- अमेरिकी सीक्रेट सर्विस को वाइट हाउस के उत्तर में स्थित लाफायेट के पास गोलियाँ चलने की सूचना मिली। अभी तक कोई संदिग्ध व्यक्ति या सामान नहीं मिला।

वॉशिंगटन, 05 अप्रैल। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में वाइट हाउस के पास रविवार तड़के गोलीबारी की घटना हुई। इससे इलाके में हड़कंप मच गया और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों को आधी रात के बाद लाफायेट पार्क के पास गोलियां चलने की सूचना मिली थी। यह पार्क वाइट हाउस के ठीक उत्तर में स्थित है।

सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों ने पूरे पार्क और आसपास के इलाके की तलाशी ली। सीक्रेट सर्विस ने एक बयान में कहा कि पार्क और उसके आसपास के क्षेत्र की पूरी जांच की गई, लेकिन फिलहाल कोई संदिग्ध नहीं मिला है। राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि सीक्रेट सर्विस की यूनिफॉर्म डिवीजन, मेट्रोपॉलिटन पुलिस और पार्क पुलिस के साथ मिलकर एक संदिग्ध व्यक्ति और एक संभावित गाड़ी की तलाश कर रही है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना रात करीब एक बजे हुई। इसके बाद कई सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके को घेर लिया और वाइट हाउस के उत्तर की सड़कों को सुरक्षित किया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, अधिकारी रात भर इलाके की छानबीन करते रहे।

वाइट हाउस के बेहद करीब गोलीबारी होने के बावजूद वहां का कामकाज सामान्य रहा। सीक्रेट सर्विस ने साफ किया कि राष्ट्रपति आवास के संचालन में कोई बाधा नहीं आई है। हालांकि, एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था को पहले से ज्यादा कड़ा कर दिया गया है। जांच के दौरान सुरक्षा घेरा बनाए रखने के लिए कई सड़कों को बंद कर दिया गया। इनमें एच स्ट्रीट एनडब्ल्यू, आई स्ट्रीट एनडब्ल्यू और 16वीं स्ट्रीट एनडब्ल्यू के कुछ हिस्से शामिल हैं। मौके पर मौजूद पत्रकारों और गवाहों ने बताया कि वहां भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था।

असम के मुख्यमंत्री की पत्नी के पास तीन देशों के पासपोर्ट- पवन खेड़ा

कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष ने हिमंत सरमा की पत्नी पर विदेशों में सम्पत्ति छुपाने का भी आरोप लगाया

- पवन खेड़ा ने कहा कि रिंकी भइयां सरमा के नाम पर दुबई में दो सम्पत्तियाँ हैं, जिनका पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध है, लेकिन मुख्यमंत्री के चुनावी हलफनामे में इनका कोई उल्लेख नहीं है। चुनाव लड़ने वालों के लिए अनिवार्य है कि अपने परिवार की चल-अचल सम्पत्ति का पूरा ब्यौरा हलफनामे में दें।

नई दिल्ली, 05 अप्रैल। असम विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच, कांग्रेस ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन अलग-अलग देशों के पासपोर्ट होने का दावा किया है। पार्टी ने असम के मुख्यमंत्री की पत्नी के पास विदेशों में संपत्तियां होने और इनका विवरण चुनावी हलफनामे में नहीं देने का आरोप भी लगाया है।

कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कथित दस्तावेजों की फोटोकॉपी दिखाते हुए कहा कि रिंकी भुइयां सरमा के पास संयुक्त अरब अमीरात, एंटीगुआ-बारबुडा और मिस्त्र के पासपोर्ट हैं। यूएई का पासपोर्ट 14 मार्च 2022 को जारी हुआ और 13 मार्च 2027 तक वैध है, एंटीगुआ-बारबुडा का पासपोर्ट 26 अगस्त 2021 को जारी हुआ और 25 अगस्त 2031 तक वैध है, जबकि मिस्त्र का पासपोर्ट 13 फरवरी 2022 को जारी हुआ और 12 फरवरी 2029 तक वैध है। भारत में दोहरी नागरिकता की अनुमति नहीं है, ऐसे में यह मामला गंभीर जांच का विषय बनता है।

पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की राजनीति एक ओर जहां धार्मिक ध्रुवीकरण पर आधारित बताई जाती है, वहीं दूसरी ओर उनकी पत्नी के पास कथित तौर पर विदेशी पासपोर्ट होना कई सवाल खड़े करता है। इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, जिससे कि सच्चाई सामने आ सके।

पवन खेड़ा ने दावा किया कि रिंकी भुइयां सरमा के नाम पर दुबई में दो संपत्तियां हैं, जिनका पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध है, लेकिन मुख्यमंत्री के चुनावी हलफनामे में इनका कोई उल्लेख नहीं किया गया। चुनाव लड़ने वाले किसी भी उम्मीदवार के लिए यह अनिवार्य है कि वह अपनी और अपने परिवार की चल-अचल संपत्तियों का पूरा ब्योरा हलफनामे में दे। ऐसे में इन संपत्तियों का जिक्र न होना गंभीर सवाल खड़े करता है।

खेड़ा ने कहा कि अमेरिका के वायोमिंग में रिंकी भुइयां सरमा से जुड़ी एक कंपनी संचालित है, जिसमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पवन खेड़ा पर 48 घंटे में मानहानि के मुकदमे करूंगा- हिमंत सरमा

- उन्होंने खेड़ा के आरोपों को दुर्भावना पूर्ण, मनगढंत और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया।

गुवाहाटी, 05 अप्रैल। असम विधानसभा चुनावों के बीच रविवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा और उनकी पत्नी पर गंभीर आरोप लगाये हैं। इन आरोपों पर मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे सिरे से खारिज कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए जारी अपने संदेश में कहा है कि पवन खेड़ा की रविवार की प्रेस कॉन्फ्रेंस कांग्रेस पार्टी के भीतर गहरे असंतोष और घबराहट को दर्शाती है। जैसे-जैसे असम एक ऐतिहासिक जनादेश की ओर निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है, इस तरह के हताश और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हम मिया मुस्लिम नहीं, भारतीय मुस्लिम हैं'

विधानसभा चुनाव में असम के मुस्लिम समुदाय में बदलते राजनीतिक मूड के संकेत मिल रहे हैं

- स्थानीय मुस्लिमों का कहना है, "हम इस चुनाव में किसी प्रकार की साम्प्रदायिकता नहीं चाहते। हम सब भाई हैं और हम भाईचारे से रहना चाहते हैं।"
- यह भी कहा जा रहा है कि "बंगाली मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है, लोगों को बेदखल किया जा रहा है, घर हटाये जा रहे हैं।"

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। जैसे - जैसे असम उच्च दांव वाले चुनाव की ओर बढ़ रहा है, राज्य का मुस्लिम समुदाय, जो राज्य की जनसंख्या का 30 प्रतिशत से अधिक है, का मूड आशा, चिंता और बदलती राजनीतिक निष्ठाओं का मिश्रित प्रतिबिंब प्रस्तुत कर रहा है। इनमें लगभग 12 प्रतिशत असमिया भाषी मुस्लिम हैं।

दशकों से, मुस्लिमों ने असम की चुनावी राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाई है। वर्षों तक, मुस्लिम एकजुटता ने चुनावी नतीजों को आकार दिया, और कांग्रेस मुस्लिम समर्थन पर बहुत अधिक निर्भर रही।

लेकिन, मुस्लिम मतदाता पूरी तरह से एक नहीं रहे हैं। भाषाई और सांस्कृतिक विभाजन ने उनमें अलग-अलग मतदान पैटर्न को जन्म दिया है।

ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के संस्थापक बदरुद्दीन अजमल के उदय ने बंगाली भाषी मुस्लिम वोटों का एक बड़ा हिस्सा एकजुट किया, जिससे पार्टी कुछ हिस्सों में एक मजबूत ताकत बनकर उभरी।

लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव ने एक महत्वपूर्ण मोड़ (टर्निंग पॉइन्ट) प्रस्तुत किया। अजमल को उस समय एक बड़ा झटका लगा, जब वे धुबरी सीट पर कांग्रेस नेता रक़ीबुल हुसैन से 10 लाख से अधिक वोटों से हार गए। इसे समुदाय के भीतर बदलते राजनीतिक मूड का संकेत माना गया। ये बदलाव पहचान, नागरिकता और प्रतिनिधित्व पर जारी बहसों के बीच हो रहे हैं।

जमीनी स्तर पर भी ये तनाव और बदलाव गहराई से महसूस किए जा रहे हैं।

लोअर असम में, जहाँ बंगाली भाषी मुस्लिम ज्यादा हैं, वहां अनेक मतदाता एकता की इच्छा व्यक्त करते हैं, लेकिन साथ ही शिकायत की भावना भी रखते हैं।

समरिया निर्वाचन क्षेत्र के गोरोइमारी में स्थानीय निवासी हुमायूं कबीर ने कहा, "हम इस चुनाव में किसी भी प्रकार की साम्प्रदायिकता नहीं चाहते। हम सब भाई हैं और हम भाईचारे से रहना चाहते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "हमें एक होना होगा, हम असम और भारत में शांति चाहते हैं।"

साथ ही, वे पहचान के लेबल के खिलाफ भी हैं। उन्होंने कहा, "हम मिया मुस्लिम नहीं हैं, यह बहुत गलत है। हम भारतीय मुस्लिम हैं।" उन्होंने यह स्वीकार किया कि "पहले की तुलना में दंगे और अपराध कम हुए हैं," लेकिन यह भी कहा कि "बंगाली मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है, लोगों को बेदखल किया जा रहा है, घर हटाए जा रहे हैं।"

अब्दुल रईस ने कहा, "हमें सरकारी योजनाओं से लाभ मिलता है... हम लंबे समय से भारत में हैं। हमारे पास सभी दस्तावेज हैं। "उनका यह कहना नागरिकता और वैधता को लेकर बार-बार उठने वाले मुद्दे को रेखांकित करता है।

कुछ लोगों का मानना है कि मुस्लिम समुदाय के भीतर विभाजन की भावना भी बढ़ रही है।

इबीउल हुसैन कहते हैं, "हमें सरकार में बदलाव की आवश्यकता है। पहले मुस्लिम समुदाय एक साथ था, अब इसमें विभाजन है।" मिया शब्द का उल्लेख करते हुए, वे कहते हैं, "मिया मुस्लिमों को बांग्लादेशी मुस्लिम कहा जाता है। इससे समुदाय को नुकसान पहुंचा है।" उनका कहना है कि "असमिया भाषी मुस्लिम हमारे साथ हैं और कभी-कभी उनके साथ भी।"

इज़रायल के लिए एयर इंडिया की उड़ानें 31 मई तक निलम्बित

- इज़रायल में रहने वाले 40 हजार भारतीयों की चिंता बढ़ी।

नई दिल्ली, 05 अप्रैल। पश्चिम एशिया में चल रही जंग के बीच एअर इंडिया ने इज़रायल के लिए अपनी उड़ानें 31 मई तक निलंबित कर दी हैं।

एअर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि एयरलाइन ने नई दिल्ली-तेल अवीव मार्ग पर उड़ानें 31 मई तक निलंबित कर दी हैं। उड़ानों के निलंबन ने इज़रायल में रहने वाले 40,000 से अधिक भारतीयों के बीच चिंता बढ़ ा दी है, जो क्षेत्र में बढ़ ते तनाव से बचने या पेशेवर कारणों से भारत यात्रा करना चाहते हैं।

इज़रायल छोड़ने के इच्छुक भारतीयों को भूमिगत सीमा पार कर जॉर्डन या मिस्त्र जाना होगा। तेल अवीव में भारतीय मिशन उन लोगों की सहायता कर रहा है जो विभिन्न तरीकों से यात्रा करना चाहते हैं। दूतावास भारतीय समुदाय के साथ नियमित संपर्क बनाए हुए है।

राजदूत जेपी सिंह और दूतावास की टीम ने इज़रायल में भारतीय श्रमिकों और छात्रों के साथ वर्चुअल चर्चा की और उनकी चिंताओं-परेशानियों को सुना। साथ ही उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

श्रीगंगानगर बॉर्डर पर पाकिस्तान से आई 60 करोड़ रूपए की हेरोइन पकड़ी

- सुरक्षा बलों के सर्च अभियान में पंजाब के 4 युवक भी पकड़े गए, जो पाकिस्तान से ड्रोन से गिराई खेप उठाने के लिए आए थे।

श्रीगंगानगर, 5 अप्रैल। बॉर्डर पर ड्रोन से आई 12 किलो हेरोइन बरामद की गई। संयुक्त कार्रवाई में पंजाब के 4 युवक पकड़े गए, जो पाकिस्तान से आई इस खेप को उठाने पहुंचे थे। सीआईडी, पुलिस और बीएसएफ ने, सुरक्षा बलों को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सर्च ऑपरेशन चलाकर तस्करी की कोशिश को रोका और आरोपियों से पूछताछ शुरू की।

जानकारी अनुसार, पाकिस्तानी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आयात स्त्रोतों में विविधता की रणनीति ने तेल-गैस कीमतों में भारी वृद्धि को रोका

भारत कच्चे तेल का 88 प्रतिशत आयात करता है व यूरोप में गैस की कीमतों में 70 प्रतिशत वृद्धि हुई है

- होर्मुज़ और रेड सी में व्यवधान होने पर भारत ने शिपिंग कार्गो को केप ऑफ गुड होप के माध्यम से पुनः व्यवस्थित किया। हालांकि इससे यात्रा समय 30 प्रतिशत बढ़ा व फ्रंट लागत भी 40-60 प्रतिशत बढ़ गई।
- पेट्रोल और डीज़ल में सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती करके तथा निर्यात शुल्क लगाकर घरेलू बाजार में आपूर्ति को व्यवस्थित रखा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। भारत अपने कच्चे तेल का 88 प्रतिशत आयात करता है। फिर भी ईंधन और एलपीजी की कीमतों में भारी वृद्धि क्यों नहीं हुई? जानिए उस अनोखी रणनीति के बारे में, जिसे भारत अपना रहा है।

पश्चिम एशियाई संकट के बीच यूरोप में गैस की कीमतों में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई। इसके साथ ही, रूस ने 1 अप्रैल से पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर रोक लगा दी।

ईरान युद्ध के बाद, ऊर्जा बाजार बेहद अस्थिर हो गए। यूरोज़ोन में महंगाई 1.9 प्रतिशत से बढ़कर 2.5 प्रशित हो गई, जिसमें ऊर्जा महंगाई का योगदान 4.9 प्रतिशत साल-दर-साल था। कच्चे तेल में 74 रूपए की वृद्धि, होर्मुज़ की खाड़ी का लगभग अवरुद्ध होना, और खाड़ी से एलपीजी की आपूर्ति में गिरावट से कई देशों में घरेलू मूल्य वृद्धि तेज होनी चाहिए थी। लेकिन भारत ने अब तक खुदरा प्रभाव को सीमित रखने में सफलता हासिल की।

भारत की संरचनात्मक निर्भरता काफी अधिक थी। इसके कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता 88 प्रतिशत है, जबकि एलपीजी का 60 प्रतिशत आयात होता है, जिसमें से लगभग 90 प्रतिशत होर्मुज़ के रास्ते आता है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक परिवार सब्सिडी वाली एलपीजी पर निर्भर हैं, इसलिए इस निर्भरता का सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ सकता था।

प्रारंभिक संकेत तनाव की ओर इशारा कर रहे थे, एलपीजी का आयात 3,22,000 मीट्रिक टन से घटकर 2,65,000 मीट्रिक टन हो गया, जबकि खाड़ी का हिस्सा लगभग 60 प्रतिशत से घटकर 34 प्रतिशत रह गया। सामान्य प्रवाह में, इस तरह के झटके से खुदरा कीमतों में तेज वृद्धि होनी चाहिए थी।

लेकिन, अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं के विपरीत, भारत ने पूरी तरह से बढ़ोतरी को रोक दिया। पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें लगभग स्थिर रहीं, और एलपीजी में केवल सीमित वृद्धि हुई। इसके अलावा, सरकार का दावा है कि उसने एलपीजी की कीमतों को स्थिर किया है, क्योंकि उसने इसकी आपूर्ति को आसान बनाने के उपाय किए हैं।

भारत की पहली प्रतिक्रिया आपूर्ति संबंधी अनुकूलन में थी, आयात स्त्रोतों में तेजी से विविधता लाई गई। यह अचानक किया गया समायोजन नहीं, बल्कि पहले से मौजूद खरीद रणनीतियों का विस्तार था, जो संकट की स्थिति में विकल्प प्रदान करती थीं।

संयुक्त राज्य अमेरिका एलपीजी का एक प्रमुख मार्जिनल आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा, लगभग 22 लाख टन प्रति वर्ष के पूर्व-निर्धारित अनुबंधित वॉल्यूम के साथ, जो भारत के कुल आयात का लगभग 10 प्रतिशत है। यह अनुबंधित आधार बिना पुनः बातचीत के तेजी से आपूर्ति बढ़ाने में सक्षम बनाता है।

मुख्य बात यह है कि भारत की मजबूती संकट के बाद के तात्कालिक सुधार से नहीं आई, बल्कि एक विविध आयात पोर्टफोलियो से आई, जिसे तनाव के दौरान पुनः समायोजित किया जा सकता था, जिसमें अर्जेंटीना जैसे गैर-पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं को शामिल किया गया।

इस आपूर्ति विविधीकरण को नौसैनिक और रणनीतिक हस्तक्षेप के साथ पूरा किया गया।

होर्मुज़ और रेड सी दोनों में व्यवधान होने पर, शिपिंग कार्गो को केप ऑफ गुड होप के माध्यम से पुनः व्यवस्थित किया गया। लेकिन, इससे यात्रा समय लगभग 30 प्रतिशग बढ़ गया और फ्रेट लागत 40-60 प्रतिशत तक बढ़ गई, साथ ही बीमा प्रीमियम में वृद्धि हुई।

इन जोखिमों को कम करने के लिए भारत ने नौसैनिक और कूटनीतिक साधनों का उपयोग किया। ऑपरेशन संकल्प के तहत, भारतीय नौसेना ने महत्वपूर्ण ऊर्जा शिपमेंट की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की। साथ ही, कूटनीतिक चैनलों के माध्यम से होर्मुज़ के चयनित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

अज्ञानी होना मनुष्य का असाधारण अधिकार नहीं है बल्कि स्वयं को अज्ञानी जानना ही उसका विशेषाधिकार है। –राधाकृष्णन

शोर में डूबता भारत: विकास की कीमत या अव्यवस्था का परिणाम?

सुबह के पांच बजे हैं। शहर अभी पूरी तरह जागा नहीं है, लेकिन लाउडस्पीकर की तेज़ आवाज़ नींद की आख़िरी परत को भी चीर देती है। थोड़ी देर में सड़कों पर वाहनों की कतारें लग जाती हैं और हर चालक जैसे अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए हॉर्न को हथियार की तरह इस्तेमाल करता है। दिन ढलते-ढलते निर्माण स्थलों का शोर, बाजारों की चहल-पहल और रात होते-होते शादी-ब्याह के डीजे की कर्कश ध्वनियाँ-यह सब मिलकर एक ऐसा वातावरण रचते हैं जिसमें 'शांति' अब एक विलुप्त होती अनुभूति लगने लगी है। सवाल यह है कि क्या यही आधुनिक भारत की पहचान है, या यह हमारी सामूहिक असंवेदनशीलता का परिणाम है?

ध्वनि प्रदूषण, जिसे अक्सर हम एक सामान्य असुविधा मानकर नज़रअंदाज़ कर देते हैं, दरअसल एक गंभीर पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी संकट है। वैज्ञानिक दृष्टि से, 55 डेसिबल से अधिक की ध्वनि दिन में और 40 डेसिबल से अधिक की ध्वनि रात में हानिकारक मानी जाती है। लेकिन भारत के अधिकांश शहरी क्षेत्रों में यह स्तर नियमित रूप से 80 से 100 डेसिबल तक पहुँच जाता है। यह अंतर केवल आँकड़ों का नहीं, बल्कि हमारे जीवन की गुणवत्ता के गिरते स्तर का संकेत है।

भारत में ध्वनि प्रदूषण की समस्या का सबसे बड़ा कारण हमारी बदलती जीवनशैली और उससे उपजी 'शोर-संस्कृति' है। ट्रैफिक इसका सबसे प्रत्यक्ष उदाहरण है। हॉर्न बजाना यहाँ केवल चेतावनी देने का माध्यम नहीं, बल्कि अधीरता, प्रतिस्पर्धा और कभी-कभी आक्रामकता का प्रतीक बन चुका है। ट्रैफिक जाम में फंसे लोग मानो यह मान लेते हैं कि लगातार हॉर्न बजाने से रास्ता अपने आप खुल जाएगा। हालत यह है कि अगर आपने लाल बत्ती पर अपना वाहन रोक रखा है तो भी आपके पीछे खड़े वाहन का चालक बार-बार हॉर्न बजाकर आपको चलने के लिए उकसाता रहेगा। भयंकर ट्रैफिक जाम में भी, जहां आगे बढ़ने की कोई सम्भावना ही नहीं होगी, लोग हॉर्न बजाए जाएंगे।

इसके साथ ही, धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में ध्वनि के अंधाधुंध उपयोग ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। आस्था और उत्सव जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन जब वे सार्वजनिक असुविधा का कारण बनने लगें, तो उनके स्वरूप पर पुनर्विचार आवश्यक हो जाता है। लाउडस्पीकरों का अनियंत्रित प्रयोग, चाहे वह किसी भी समुदाय या अवसर से जुड़ा हो, एक ऐसी प्रतिस्पर्धा को जन्म देता है जिसमें 'कौन अधिक तेज़' की होड़ लग जाती है। हमने जैसे मान लिया है कि अपने आराध्य में अपनी श्रद्धा के प्रदर्शन का सबसे ज़्यादा कारगर तरीका यही है कि लाउडस्पीकर को जितनी तेज़ आवाज़ में सम्भव हो उतनी तेज़ आवाज़ में बजाकर पूरे मोहल्ले को बताते रहें। ऐसा किसी एक धर्म के अनुयायी नहीं करते हैं। इस मामले में जैसे कोई किसी से पीछे नहीं रहना चाहता है। खुशी मनाने का कोई भी मौका, चाहे वह जन्म दिन हो, किसी भी तरह की वर्षगांठ हो, सगाई शादी हो, रिटायरेमेण्ट हो, प्रोमोशन हो- कुछ भी हो, कान फोड़ू तथाकथित संगीत के बग़ैर सार्थक नहीं माने जाते। तथाकथित मैंने जानबूझकर कहा है क्योंकि जब लाउडस्पीकर को उसकी क्षमता से ज़्यादा ऊंची आवाज़ में इस्तेमाल किया जाता है तो अच्छे से अच्छा संगीत भी कर्कश हो उठता है। खुशी मनाने वाले को संगीत से, उसके सुरीलेपन से कोई लेना-देना नहीं होता। वह तो बस आस-पास वालों के कानों पर अत्याचार करके खुशी मना लेना चाहता है। कर्कशता का इस्तेमाल केवल लाउडस्पीकर से निकली आवाज़ के रूप में ही नहीं होता, जुलूसों, बारातों वगैरह में बजने वाले बैण्ड का भी यही आलम होता है। बहुत कम बैण्ड होते हैं जिनका संगीत आपको आनंदित करता है। अधिकांश तो बस ढमढमाढमढम ही होते हैं।

शहरीकरण और विकास के नाम पर चल रहे निर्माण कार्य भी इस समस्या में बड़ा योगदान देते हैं। महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक, हर जगह इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनके साथ उठने वाला शोर किसी की चिंता का विषय नहीं बनता। निर्माण करवाने वालों को कब्ही इस बात की फिक्र नहीं होती कि उनके कारण आस पास वालों को कितनी असुविधा हो रही है। निर्माण के शोर को नियंत्रित करने के जो प्रयास किए जा सकते हैं वे भी शायद ही कोई करता हो। राजनीतिक रैलियाँ और चुनावी प्रचार भी इस सूची में शामिल हैं, जहाँ ध्वनि का उपयोग अक्सर शक्ति प्रदर्शन के साधन के रूप में किया जाता है। असल में धर्म और राजनीति में तो शोर का इस्तेमाल पूरी दादागिरी से किया जाता है। किसकी मज़ाल है जो इनके शोर के बारे में उफ तक भी करे!

ध्वनि प्रदूषण का एक कम चर्चित लेकिन महत्वपूर्ण पहलू इसका पर्यावरण पर प्रभाव है। पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं के लिए ध्वनि केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार होती है। अत्यधिक शोर उनके प्राकृतिक व्यवहार को बाधित करता है, जिससे उनके प्रजनन और जीवन चक्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। लेकिन जो समाज मनुष्यों को होने वाली असुविधाओं की ही परवाह नहीं करता, उस समाज से यह उम्मीद करना कि वह पशु पक्षियों की फिक्र करेगा, बेमानी ही है।

इस निरंतर शोर का प्रभाव केवल हमारे कानों तक सीमित नहीं रहता। यह हमारे शरीर और मन दोनों को प्रभावित करता है। लंबे समय तक अत्यधिक ध्वनि के संपर्क में रहने से सुनने की क्षमता कम हो सकती है, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं, और नींद में बाधा आने से मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। बच्चों में यह एकाग्रता को प्रभावित करता है, जबकि बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों के लिए यह स्थिति और भी अधिक कष्टदायक होती है।

ध्वनि प्रदूषण का एक कम चर्चित लेकिन महत्वपूर्ण पहलू इसका पर्यावरण पर प्रभाव है। पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं के लिए ध्वनि केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार होती है। अत्यधिक शोर उनके प्राकृतिक व्यवहार को बाधित करता है, जिससे उनके प्रजनन और जीवन चक्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। लेकिन जो समाज मनुष्यों को होने वाली असुविधाओं की ही परवाह नहीं करता, उस समाज से यह उम्मीद करना कि वह पशु पक्षियों की फिक्र करेगा, बेमानी ही है।

यह नहीं है कि इस समस्या से निपटने के लिए कानून मौजूद नहीं हैं। भारत में ध्वनि प्रदूषण (नियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 लागू हैं, और उच्चतम न्यायालय ने भी रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकरों पर प्रतिबंध जैसे महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। अस्पतालों, स्कूलों और न्यायालयों के आसपास 'साइलेंस ज़ोन' घोषित किए गए हैं। लेकिन समस्या यह है कि ये नियम कागज़ों तक ही सीमित रह जाते हैं। प्रशासन की ढिलाई और नागरिकों की उदासीनता मिलकर इन्हें प्रभावहीन बना देती है। मोहल्लों में रात दस बजे बाद भी ज़ारी रहने वले धार्मिक या सामाजिक आयोजन अपवाद नहीं हैं। अगर आप जाकर किसी से विनम्रता से भी अनुरोध करें तो वह इसे आपकी अनधिकार चेष्टा मानकर अपने गुस्से का इज़हार करने से नहीं चूकेगा। और रही बात, पुलिस की, तो वह पहले से अन्यान्य कामों में इतनी व्यस्त होती है कि इस तरह की मामूली शिकायतें उसके लिए उपेक्षणीय ही होती हैं।

वास्तविकता यह है कि ध्वनि प्रदूषण केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक मानसिकता का भी प्रतिबिंब है। हम में से अधिकांश लोग तब तक शोर को समस्या नहीं मानते, जब तक वह हमारे व्यक्तिगत दायरे में हस्तक्षेप नहीं करता। यह 'मेरे लिए ठीक है' वाला दृष्टिकोण ही इस समस्या को और गहरा करता है।

समाधान की दिशा में सबसे पहला कदम यही है कि हम ध्वनि को एक गंभीर मुद्दे के रूप में स्वीकार करें। प्रशासन को नियमों के पालन में सख्ती दिखानी होगी, जुर्माने बढ़ाने होंगे और नियमित निगरानी सुनिश्चित करनी होगी। लेकिन इससे भी अधिक आवश्यक है सामाजिक जागरूकता। 'नो हॉर्न' जैसे अभियानों को केवल प्रतीकात्मक न बनाकर व्यवहार का हिस्सा बनाना होगा।

व्यक्तिगत स्तर पर भी हमारी जिम्मेदारी कम नहीं है। अनावश्यक हॉर्न बजाने से बचना, आयोजनों में ध्वनि की सीमा का ध्यान रखना, और दूसरों की शांति के अधिकार का सम्मान करना-ये छोटे-छोटे कदम मिलकर बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

आखिरकार, यह समझना होगा कि विकास केवल भौतिक प्रगति का नाम नहीं है। उसकी असली पहचान उस संवेदनशीलता में होती है, जो एक समाज अपने नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता के प्रति दिखाता है। यदि हमने समय रहते शोर को नियंत्रित नहीं किया, तो वह दिन दूर नहीं जब हम एक ऐसे समाज में रह रहे होंगे जहाँ आवाज़ें तो बहुत होंगी, लेकिन सुनने की क्षमता और इच्छा दोनों खो चुकी होंगी।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

चप्पा-चप्पा भाजपा: चुनावी नारे से भारत की धड़कन बनने तक का सफर

(6 अप्रैल : भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस पर विशेष)

डॉ. योगेश शर्मा

भारत की बहुदलीय लोकतात्रिक राजनीति में अधिकांश दल केवल चुनावी मशीनरी और सत्ता-संघर्ष तक सीमित रह जाते हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने समय के साथ स्वयं को एक व्यापक वैचारिक आांदोलन के रूप में स्थापित किया है। 6 अप्रैल 1980 को स्थापित भाजपा आज न केवल 10 करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ भारत की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, बल्कि 150 करोड़ भारतीयों की आस्था, विश्वास और ड़िकन के रूप में भी स्थापित हो चुकी है। यह यात्रा केवल सत्ता प्राप्ति की नहीं, बल्कि विचार, संगठन और संकल्प की निरंतरता की कहानी है। सबका साथ, सबका विकास, विकसित भारत का अमृत काल, मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत मिशन, सेंट्रल विस्ट्टा प्रोजेक्र्ट, सेवा तीर्थ, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता का निर्माण जैसे अनेक कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से भाजपा ने एक नए भारत के निर्माण का संकल्प साकार किया है।

भाजपा के इतिहास को देखें तो उसकी नींव भारतीय जनसंघ के मजबूत विचारों में निहित है जिसकी स्थापना श्यामा प्रसाद मुर्खजी ने 1951 में की थी। जनसंघ ने राष्ट्रवादी दृष्टिकोण को बनाए रखने का कार्य किया, दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' ने इसमें बौद्धिक आयाम जोड़े। 1975 में तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल और निरंकुश अलोकतांत्रिक रवैये के पश्चात 1977 में लोकतांत्रिक मूल्यों की पुर्नस्थापना के लक्ष्य के साथ भारतीय जनसंघ जनता पार्टी गठबंधन में शामिल हुआ। जनता पार्टी सरकार के साथ गठबंधन के बावजूद जब राष्ट्रवादी प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ाव पर प्रश्न उठे, तब जनसंघ ने राष्ट्रवाद को प्राथमिकता दी। जनता पार्टी सरकार के विघटन के बाद, 6 अप्रैल 1980 को जनसंघ ने स्वयं को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रूप में प्रस्तुत किया। 1984 के लोकसभा चुनाव में मात्र दो सीटों तक सिमटी भाजपा ने हार को निराशा नहीं, बल्कि संघर्ष का आधार बनाया। 1996 में पहली बार भाजपा को केंद्र में सरकार बनाने का अवसर मिला, हालांकि वह दौर गठबंधन की अस्थिर राजनीति का था। 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने स्थिरता और सुशासन का उदाहरण प्रस्तुत किया। 2014 के बाद भाजपा ने भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय लिखा, जब पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनी और 2026 तक तीसरे कार्यकाल में भी उसका प्रभाव कायम है। सांसद के दोनों सदनों में अपने दम पर बहुमत प्राप्त करने के साथ-साथ भारत के अधिकांश राज्यों में स्वयं या अपने सहयोगियों के साथ सरकार चला रही भाजपा ने एक-दलीय प्रधानता को गठबंधन राजनीति के साथ समन्वित करते हुए संघवाद की मर्यादा को बनाए रखा है। भाजपा की पाँच निष्ठाएँ-राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रीय अखंडता, लोकतांत्रिक, सर्वधर्म समभाव से युक्त सकारात्मक पंथनिरपेक्षता, गांधीवादी समाजवाद और मूल्य आधारित राजनीति-उसकी वैचारिक दिशा को निर्धारित करती हैं। यह वही भाजपा है जिसने भारत की विविध सांस्कृतिक संरचना को संरक्षण देते हुए राष्ट्रवाद का प्रखर उद्घोष किया है, वह भी बिना किसी तुष्टिकरण के। भाजपा की अधिकारिक वेबसाइट पर भी यह स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है, जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृतसंकल्प है। भारत को विश्व गुरु बनाने के संकल्प के साथ भाजपा ने इतिहास को केवल स्मृति तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे वर्तमान और भविष्य के निर्माण से जोड़ा।

भाजपा की सबसे बड़ी विशेषता कार्यकर्ता-आधारित संस्कृति है, जहाँ शीर्ष नेता भी स्वयं को कार्यकर्ता के रूप में प्रस्तुत करते हैं। चाहे बात भाजपा के पहले अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी की हो, या भाजपा के वर्तमान अध्यक्ष नितिन नबीन की; या फिर लालकृष्ण आडवाणी और भैरों सिंह शेखावत जैसे वरिष्ठ नेताओं की हो; या भाजपा के 'चाणक्य' कहे जाने वाले अमित शाह की-या किर भारत के सबसे बड़े प्रदेश को माफिया के आतंक से मुक्त करने वाले एक सशक्त, फायरब्रांड नेतृत्व के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की; अथवा तीसरे कार्यकाल में भी उसी जोश और उत्साह से कार्य कर रहे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की-ये सभी आज भी स्वयं को भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में ही प्रस्तुत करते हैं। एक कार्यकर्ता को भी महत्व देना, परिवारवाद या वंशवाद की राजनीति को यथासंभव दूर रखना, राष्ट्रवाद की विचारधारा के प्रति समर्पण, लोकतंत्र को बनाए रखने का संकल्प, संघर्षशीलता और पार्टी के साथ देश को आगे ले जाने की दूरदृष्टि-ये सभी तत्व भाजपा की अब तक की सफलता के प्रमुख आधार रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से लेकर राज्यों में मुख्यमंत्री के चयन तक, राज्य की राजनीति से किसी नेतृत्व को केंद्र में लाने से लेकर किस दल के साथ गठबंधन करना है-इन सभी मामलों में भाजपा ने सही समय पर उचित निर्णय लिए हैं, और ये निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं।सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र के साथ भाजपा ने सामाजिक सुरक्षा और समावेशन को प्राथमिकता दी है। आयुष्मान भारत, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृत्रि जैसी योजनाओं ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की पहुँच सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। नारी सशक्तिकरण हेतु नारी शक्ति वंदन अधिनियम नई आपराधिक न्याय व्यवस्था-भारतीय न्याय संहिता स्वच्छ भारत मिशन, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियान, तीन तलाक जैसे मुद्दों पर निर्णायक कदम और समान नागरिक संहिता की दिशा में प्रयास। इन पहलों ने भाजपा को कथनी और करनी में सामंजस्य रखने वाले दल के रूप में स्थापित किया है। भाजपा ने अपने वैचारिक एर्जेंडे को केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे नीति और क्रियान्वयन में परिणत किया। अनुच्छेद 370 की व्यवस्था का समापन करते हुए जम्मू-कश्मीर को एक देश, एक संविधान के संकल्प से जोड़ना हो या अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के माध्यम से वर्षों पुराने धार्मिक विषय का समाधान न्यायिक आधार पर करते हुए जनभावनाओं का सम्मान करना-इन सभी निर्णयों ने भाजपा को एक निर्णायक नेतृत्व वाले दल के रूप में स्थापित किया है। वंदे मातरम् के 150 वर्षों को उत्साहपूवषक मनाने का संकल्प और इतिहास के भुला दिए गए नायकों को उचित स्थान दिलाने की जिम्मेदारी को समझना-यह भी भाजपा की कार्यशैली का महत्वपूर्ण पक्ष है। लगभग छह दशक पुराने नक्सलवाद के लाल आतंक की समस्या को जड़ से समाप्त करने, सामाजिक न्याय, समावेशन और सामाजिक सुरक्षा के कार्यों के साथ डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप, आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति, नए भारत के निर्माण का संककप भाजपा सरकारों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है।

भाजपा के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने भी नई ऊँचाइयाँ प्राप्त की हैं। 18वाँ जी20 शिखर सम्मेलन 2023 का सफल आयोजन, ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन में सक्रिय भूमिका, अमेरिका, रूस और यूरोपीय संघ के साथ मजबूत संबंध तथा ग्लोबल साउथ के नेतृत्व ने भारत को विश्व राजनीति के केंद्र में स्थापित किया है। कोविड-19 संकट के दौरान भारत की वैक्सीन कूटनीति और वैश्विक सहयोग ने देश की साख को और मजबूत किया। आज जब वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट, युद्ध और आपूर्ति श्रृंखला जैसी चुनौतियाँ मौजूद हैं, तब भारत का स्थिर और उभरता हुआ स्वरूप भाजपा के नेतृत्व की प्रभावशीलता को दर्शाता है। प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और सम्मान भी इसी नीति का परिणाम है। अंततः उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक भाजपा का कमल लगातार अपनी छटा बिखेर रहा है। इस विकास रथ और राष्ट्रवाद के विजय यज्ञ में हर भारतवासी स्वयं को सुरक्षित, संरक्षित और पोषित होता हुआ महसूस कर रहा है। 10 करोड़ से अधिक सदस्यों के साथ भाजपा आज 150 करोड़ भारतीयों के विश्वास का प्रतीक बन चुकी है। भाजपा का यह सफर दर्शाता है कि कैसे एक राजनीतिक दल अपने सिद्धांतों, संगठन और कार्यकर्ता शक्ति के बल पर राष्ट्र निर्माण का आधार बन सकता है। अपनी स्थापना के केवल पाँच दशकों के भीतर यह दल आज भारत के अतीत के गौरव, वर्तमान की उपलब्धियों और भविष्य की आकांक्षाओं का प्रतीक बन चुका है। 6 अप्रैल का यह स्थापना दिवस केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि उस यात्रा का उत्सव है जिसने चप्पा-चप्पा भाजपा को भारत की धड़कन में परिवर्तित कर दिया।

–डॉ. योगेश शर्मा,
(लेखक संवैधानिक अध्येता और अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं, सांत्रविान सभा की बहसों पर आधारित उनकी महत्वपूर्ण पुस्तक राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित है, जिसके लिए उन्हें 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्डस' में स्थान मिला है।)

परिवार के बिखराव को रोकना होगा

प्रो. कैलाश सोडाणी

परिवार प्रेम, त्याग एवं संस्कारों की जननी है। यही एकमात्र वह जगह है जहाँ प्रतिस्पर्धा के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। परिवार का मतलब माता-पिता, भाई-बहिन, पति-पत्नी-बच्चों की एक पवित्र पाठशाला। निस्वार्थ स्नेह एवं आपसी सम्मान की तस्वीर है परिवार। अप्रत्याशित समस्याओं एवं कठिनाइयों का समाधान है परिवार। यह मानव समाज की बुनियादी इकाई है, जो इसके सदस्यों को सुरक्षा, शांति, आर्थिक और भावनात्मक समर्थन प्रदान करती है। परिवार एक साथ रहने वाले लोगों का ऐसा समूह है, जो प्रेम, विश्वास और पारस्परिक सहयोग पर आधारित है। यह हमारी पहचान, संस्कार और संस्कृति का पहला केंद्र है। यह सफलता का आधार और जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होती है। बच्चों का समाजीकरण परिवार के बड़े बुजुर्गों के सानिध्य में ही होता है। मजबूत और खुशहाल परिवार मेहनत, प्रतिबद्धता और संवाद से बनते हैं।

देश की गुलामी के दौरान पश्चिमी संस्कृति का प्रदार्पण हुआ। उसकी चकाचौंध में हम भारतीय संस्कृति से दूर होते गए। परिवार के सभी लोगों को साथ लेकर विकास की ओर बढ़ने के स्थान पर केवल स्वयं की खुशी का विचार मजबूत होने लगा। भारतीय संस्कृति में जहाँ बाघ-बकरी एक साथ, एक ही घाट पर पानी पीते थे, अब घाट पर उसका अधिकार होने लग गया जो ज्यादा ताकतवर है। पश्चिमी संस्कृति अपनाने वालों ने यह प्रोपेगेंडा फैलाना भी शुरू कर दिया कि भारतीय संस्कृति दकियानूसी है, बेकार है। आधुनिक एवं पाश्चात्य जीवन शैली उत्कृष्ट है। जब व्यक्ति की सोच ही केवल स्वयं के विकास पर आकर केंद्रित हो जाती है तो फिर परिवारों में बिखराव होना तय हो जाता है।

आज दुखद पक्ष यह है कि खुशहाली एवं सुरक्षा के प्रहरी परिवार बिखर रहे हैं, टूट रहे हैं और अपमानित हो रहे हैं। आपसी विश्वास एवं संवाद समाप्ति के कगार पर पहुंच गए हैं। संयुक्त परिवार की संस्कृति तो बहुत पहले ही समाप्त हो गई। अब तो एकल परिवार भी टूट रहे हैं। आर्थिक स्वतंत्रता, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ, शहरीकरण, काम के लिए पलायन, पीढ़ियों में वैचारिक मतभेद, निजता की चाह और संवाद की कमी के कारण परिवार रूपी इकाई मृतप्राय होती जा रही है। युवा पीढ़ी स्वतंत्रता और बेहतर जीवन की चाह में परिवार से अलग होकर एकल परिवार की राह पर चल पड़े हैं।

दादा-दादी, ताऊ-ताई, चाचा-चाची से अलग रहना तो हमारा समाज स्वीकार कर चुका है। अब तो भाई-भाभी में भी प्रेम के स्थान पर प्रतिस्पर्धा आ गयी है। चिन्ता की स्थिति तो यह बन रही है की निजता एवं आर्थिक स्वतंत्रता के चक्कर में पुत्र भी पिता से अलग रहना पसंद कर रहे हैं। पुत्र प्रेम में डूबा हुआ भारतीय पिता अपना संपूर्ण जीवन बेटे के लिए न्यौछावर कर देता है। जब तक कोई भारतीय, पिता नहीं बनता है तब तक ही वह स्वयं के लिए जीता है। जैसे ही वह बाप बनता है, सबसे पहले वह स्वयं को भूल जाता है और उसके जीवन का लक्ष्य बन जाता है – पुत्र की प्रगति। कोई भी पिता अपने पुत्र की हार को बर्दाश्त नहीं कर सकता है। दूसरी और आधुनिक जीवन शैली के पुत्र ने पता नहीं क्यों अपने माता-पिता की सेवा के कर्तव्य पथ से दूरी बना ली है। पुत्र के मन-मस्तिष्क में पितृ-मोह की तरंगे ही नहीं उठ रही है।

75 वर्ष की आजादी को भोगने के बावजूद भी मेरे देश के नागरिक आज भी अपनी भाषा, अपनी वेशभूषा एवं अपने भोजन को कमजोर समझ रहे हैं। उसी क्रम में हमारे सांस्कृतिक मूल्यों से युक्त संस्कारों की पाठशाला परिवार के महत्व को भूलते जा रहे हैं। सैकड़ो वर्षों की गुलामी ने हमारी सोच एवं मानसिकता को जिस ढंग से कमजोर किया, अभी तक हम पुनः ठीक नहीं कर पाए हैं।

सौभाग्य से नई शिक्षा नीति-2020 में हमारे गौरवशाली पुरातन भारतीय संस्कृति को आवश्यक महत्व प्रदान किया है। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षक की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह बच्चों के मन मस्तिष्क से पाश्चात्य सोच के भूत को निकाल कर बाहर फैंके। बालक विद्यार्थी के रूप में लगातार 10-15 वर्षों तक शिक्षक के सानिध्य में रहता है। बच्चे को भारतीय संस्कृति के अनुरूप तैयार करने के लिए शिक्षक के पास पर्याप्त समयावधि है। संस्कारों की जननी परिवार के महत्व को प्रतिपादित करते हुए शिक्षक को उसे टूटने एवं बिखरने से रोकना होगा।

–प्रो. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलगुरु,
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

नीमकाथाना के युवा प्रथम जिंदल ने यूके में रचा इतिहास

पर्यावरण प्रोजेक्ट को मिली अंतरराष्ट्रीय फंडिंग

पाटन। राजस्थान के सीकर जिले के नीमकाथाना से निकलकर एक युवा ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। प्रथम जिंदल ने ब्रिटेन में अपने अभिनव पर्यावरण प्रोजेक्ट के जरिए देश का नाम रोशन किया है।प्रथम जिंदल, जो में अध्ययनरत हैं, वर्तमान में के सहयोग से 'कार्बन गार्डन प्रोजेक्ट' पर कार्य कर रहे हैं। यह प्रोजेक्ट पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी पहल है, जिसके तहत एक ऐसा सिस्टम विकसित किया जा रहा है जो आम नागरिकों को यह समझने में मदद करेगा कि

नीमकाथाना के युवा प्रथम जिंदल ने पर्यावरण संरक्षण में यूके में अपनी पचान बनाई है।

उनके द्वारा लगाए या खरीदे गए पौधे वातावरण से कितनी कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर सकते हैं।यह परियोजना न केवल पौधारोपण को प्रोत्साहित करती है, बल्कि लोगों को उनके दैनिक जीवन में होने वाले प्रदूषण-विशेष रूप से वाहनों से निकलने वाले धुएं-की भरपाई के प्रति भी जागरूक करती है।प्रथम जिंदल के इस नवाचार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सराहना मिली है। उनके 'कार्बन गार्डन प्रोजेक्ट' को के प्रतिष्ठित - कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष फंडिंग प्रदान की गई है, जो इस परियोजना के वैश्विक महत्व और उपयोगिता को दर्शाती है।प्रथम के पिता योगेश जिंदल और माता श्वेता जिंदल के लिए यह उपलब्धि गर्व का क्षण है। वहीं, नीमकाथाना सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है।यह सफलता इस बात का प्रेरणादायक उदाहरण है कि छोटे शहरों से आने वाले युवा भी अपनी सोच, मेहनत और नवाचार के दम पर वैश्विक स्तर पर पहचान बना सकते हैं।अगर सोच नई हो और इरादे मजबूत, तो छोटे शहर की पहचान भी पूरी दुनिया में बनाई जा सकती है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 6 अप्रैल, 2026

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, अनुराधा नक्षत्र रात्रि 2:57 तक, सिद्धि योग दिन 3:25 तक, बालव करण दिन 2:11 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मीन, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 2:57 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:50 तक, शुभ 9:23 से 10:56 तक, चर 2:03 से 3:36 तक, लाभ-अमृत 3:36 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:16, सूर्यास्त 6:42

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आज आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज व्यावसायिक प्रयासों में सार्थक/उचित सफलता मिलेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन
नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कड़ी सुरक्षा के बीच सब इंस्पेक्टर भर्ती-2025 की परीक्षाएं शुरू

प्रदेश के 41 शहरों में 7 लाख अभ्यर्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती-2025 की दो दिवसीय लिखित परीक्षा रविवार से प्रदेशभर में शुरू हो गई। परीक्षा 41 शहरों के 1174 केंद्रों पर आयोजित हो रही है, जिसमें 1015 पदों के लिए 7 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा दो-दो पारियों में आयोजित की जा रही है। रविवार को पहली पारी सुबह 11 से 1 बजे तक सामान्य हिंदी और दूसरी पारी दोपहर 3 से 5 बजे तक सामान्य ज्ञान एवं सामान्य विज्ञान की परीक्षा हुई। यही क्रम 6 अप्रैल को भी जारी रहेगा।

सब इंस्पेक्टर भर्ती-2025 की दो दिवसीय लिखित परीक्षा के पहले दिन रविवार को परीक्षा केन्द्रों पर युवाओं की गहन तलाशी ली गई।

तीन स्तरीय जांच व तकनीकी निगरानी

परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान पुलिस स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने इस बार विशेष सख्ती बरती है। एसओजी के एडीजी विशाल बंसल के अनुसार नकल और पेपर लीक पर रोक लगाने के लिए पहली बार व्यापक स्तर पर तकनीकी निगरानी लागू की गई है। इस तहत सभी जिलों में परीक्षा केंद्रों के आसपास के मोबाइल टावरों का टावर डम्प डाटा लिया जा रहा है, जिससे संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर त्वरित कार्रवाई की जा सके। साथ ही एसओजी की विशेष टीमें विभिन्न जिलों में तैनात कर स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय में लगातार निगरानी कर रही हैं।

हर गतिविधि पर पुलिस प्रशासन की कड़ी नजर

हर परीक्षा केंद्र पर त्रिस्तरीय जांच, मेटल डिटेक्टर से फ्रिस्किंग और अनिवार्य वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई है। केंद्रों के बाहर सादे वस्त्रों में पुलिसकर्मी तैनात हैं, जबकि प्रत्येक कक्ष में दीवार घड़ी लगाना अनिवार्य किया गया है। अभ्यर्थियों और स्टाफ के लिए मोबाइल फोन पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। प्रवेश से पहले आधार कार्ड या फोटोयुक्त पहचान पत्र से पहचान मिलान और हैंड मेटल डिटेक्टर से जांच की जा रही है। बिना स्पष्ट पहचान पत्र के किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा।

ड्रेस कोड सख्त, कई वस्तुओं पर प्रतिबंध

आयोग ने अभ्यर्थियों के लिए सख्त ड्रेस कोड लागू किया है। पुरुष अभ्यर्थियों को आधी आस्तीन के कपड़े और चप्पल/स्लीपर में आने की अनुमति है, जबकि महिलाओं को सलवार सूट या साड़ी के साथ साधारण वेश में आने के निर्देश दिए गए हैं। जूते, पूरी आस्तीन के कपड़े, घड़ी, बेल्ट, हैंडबैग, स्कार्फ, टोपी, चश्मा और ताबीज आदि पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

100 मीटर दायरे में साइबर कैफे बंद

परीक्षा के दौरान केंद्रों के 100 मीटर दायरे में साइबर कैफे और ई-मित्र केंद्र बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर भी पूरी तरह रोक लगाई गई है। आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में फ्लाइंग स्क्वॉड और पर्यवेक्षक लगातार केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की निष्पक्षता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और कदाचार में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ देश सेवा करने वाला राजनैतिक दल : राठौड़

स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर भाजपा कार्यालय में आतिशबाजी और दीपोत्सव

भाजपा के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेश कार्यालय में दीपोत्सव, आकर्षक रोशनी एवं भव्य आतिशबाजी की गई।

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में दीपोत्सव, आकर्षक रोशनी एवं भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा द्वारा सुंदर रंगोली सजाई गई तथा कार्यालय परिसर को दीप जलाकर रोशन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 6 अप्रैल 1980 को लगाया गया भाजपा रूपी पौधा आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अन्य दलों से भिन्न है और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ देश सेवा में समर्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी आज न केवल भारत बल्कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है और इसकी विचारधारा से प्रेरित होकर लगातार नए कार्यकर्ता जुड़ रहे हैं।

मदन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा देश और प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं तथा जनसेवा के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान महिला मोर्चा द्वारा भाजपा स्थापना दिवस की बधाई हो एवं भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद जैसे नारों के साथ उत्साह का वातावरण बनाया गया। साथ ही वाह रे म्हारा मोदीजी, काई रेल चलाई रे जैसे गीतों की प्रस्तुति से समां बांध दिया। महिला मोर्चा ने राखी राठौड़ के नेतृत्व में दीपोत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पर भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, कैलाश मेघवाल, प्रदेश मंत्री अपूर्वा सिंह, एकता अग्रवाल, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रमोद वरिष्ठ, भाजपा जयपुर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष हमीद खान मेवाती मौजूद थे।

हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा में भक्ति, शक्ति और नारी नेतृत्व का अद्भुत संगम नजर आया

प्रांतीय गुर्जर गौड ब्राह्मण महिला सभा की ओर से हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

जयपुर । शहर में हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं धार्मिक उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय गुर्जर गौड ब्राह्मण महिला सभा द्वारा सुसज्जित भव्य मंच आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा। मंच को पारंपरिक एवं धार्मिक सजावट से अलंकृत किया गया, जहाँ महिलाओं ने सामूहिक रूप से आरती, भजन-कीर्तन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान हनुमान की भक्ति में अपनी श्रद्धा अर्पित की। इस आयोजन ने नारी शक्ति, संगठन क्षमता और सामाजिक समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। इस सफल आयोजन में प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. मीना गौतम के नेतृत्व में प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीनाक्षी शर्मा, महामंत्री अनिता गौतम, सांस्कृतिक मंत्री डॉ. सीमा गौतम, प्रदेश संगठन मंत्री विमलेश शर्मा, जयपुर जिला अध्यक्ष वंदना शर्मा एवं सुनीता गौतम, प्रदेश महासचिव एडवोकेट मीनाक्षी गौतम, सांगानेर तहसील अध्यक्ष अंकिता गौतम, प्रदेश संयुक्त सचिव रुपेश गौतम, प्रदेश मंत्री शशि शर्मा, सुधा तिवारी (जिला संरक्षक), जयपुर जिला उपाध्यक्ष शकुंतला शर्मा, संजू रानी जाजड़ा एवं ब्रह्मा देवी सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्यगण सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सामूहिक प्रयास से कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं अनुकरणीय बना। उपस्थित जनसमूह ने महिला सभा के इस भव्य एवं सुसंगठित मंच की सराहना करते हुए इसे समाज में एकता, संस्कार और नारी सशक्तिकरण का प्रेरणास्त्रोत बताया।

भाजपा कार्यालय में ध्वजारोहण व संगोष्ठी होगी

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष में 6 अप्रैल सोमवार को प्रदेश स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने बताया कि प्रात: 7 बजे पार्टी कार्यालय में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। बगडी ने बताया कि ध्वजारोहण के बाद प्रात: 10:30 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा, मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायक, सांसद एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों एवं गणमान्य नागरिकों का सम्मान भी किया जाएगा।

वामसी राम मोहन बुर्रा बने पावरग्रिड के सी.एम.डी.

जयपुर । वामसी राम मोहन बुर्रा ने पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार ग्रहण किया है। इस पद पर पदोन्नति से पूर्व वह पावरग्रिड में निदेशक परियोजना के रूप में कार्यरत थे।

एक कुशल इंजीनियरिंग पेशेवर के रूप में, वामसी इंजीनियरिंग में स्नातक हैं। उन्होंने प्लानिंग एवं प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा के साथ-साथ मैनेजमेंट डवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई), गुरुग्राम से प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा प्राप्त किया है।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने हार्वर्ड मैनेज मेंटर (एचएमएम) प्रोग्राम तथा इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद में उन्नत प्रबंधन कार्यक्रमों के माध्यम से अपने नेतृत्व कौशल को और सुदृढ़ किया है। वामसी वर्ष 1993 में पावरग्रिड में शामिल किए गए एग्जीक्यूटिव ट्रेनीज़ के प्रथम बैच से संबंधित हैं, जो संगठन के नेतृत्व विकास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।

विद्युत पारेषण और टेलीकॉम सेक्टर में 33 वर्षों से अधिक के समृद्ध और विविध अनुभव के साथ, वामसी ने पावरग्रिड में क्षेत्रीय और कॉर्पोरेट स्तर पर कई महत्वपूर्ण लीडरशिप, नीतिनिर्धारण और रणनीतिक भूमिकाएं निभाई हैं।

पीपे में पेट्रोल नहीं डालने पर पम्प कर्मचारी को लोहे के सरियों से पीटा

जयपुर के नारायण विहार इलाके में स्थित पेट्रोल पंप का मामला

- **बदमाशों ने मैनेजर को भी किया घायल, 43 हजार रुपए फरार हुए**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नारायण विहार थाना इलाके में स्थित पेट्रोल पंप पर कुछ बदमाशों ने शनिवार को पीपो में पेट्रोल नहीं देने की बात को लेकर जमकर उत्पात मचाया। जिसके बाद अज्ञात कार सवार बदमाश पेट्रोल पंप मैनेजर पर सरियों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल दिया। कार सवार बदमाशों ने मारपीट के दौरान पंप कर्मचारी से 43 हजार रुपए लूटे और मौके से फरार हो गए। इस हमले में मैनेजर के सिर में गंभीर चोट आई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार सवार बदमाशों को पहचान कर ली है। जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहें है।

पुलिस ने बताया कि नारायण विहार इलाके में स्थित सांवरिया फिलिंग स्टेशन पर शनिवार देर शाम कुछ कार सवार बदमाश पहुंचे और पीपो में पेट्रोल भरने की बात कहने लगे। इस पर पंप कर्मचारी ने ये नियम के विरुद्ध बताते हुए पीपों में पेट्रोल देने से मना कर दिया। इस बात को लेकर कार सवार चार-पांच युवक आवेश में आ गए और पंप कर्मचारी से झगड़ा करने लग गए। शोर - शराबे की आवाज सुन कर मैनेजर राम सिंह (25) बीच -बचाव करवाने पहुंचे तो बदमाशों ने कार में रखे सरिए और डंडो से उस पर हमला कर दिया और पंप कर्मचारी से 43 हजार रुपए लूट कर मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि कार सवार बदमाशों ने सरिए और डंडों से पंप मैनेजर राम सिंह के सिर पर कई वार किए। जिससे राम सिंह गंभीर रुप से घायल हो गया। सिर फटने से राम सिंह मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ा। जिसके बाद पंप कर्मचारियों निजी वाहन से उसे तुरंत प्राईवेट अस्पताल पहुंचाया। राम सिंह के सिर में 17 टांके आए है और हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने पेट्रोल पंप परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार के रजिस्ट्रेशन नंबरों के आधार पर बदमाशों को चिन्हित कर लिया है।

श्रीरामचंद्रजी मंदिर में गूंजे हनुमान चालीसा पाठ

जयपुर । चांदपोल स्थित श्री रामचंद्र जी मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर एक स्वर में हनुमान चालीसा का पाठ किया। जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो उठा।

संत अमरनाथ महाराज के सानिध्य में श्री हनुमान चालीसा प्रबंध समिति द्वारा हर घर में हो अर्थ सहित हनुमान चालीसा अभियान के तहत सैकड़ों श्रद्धालुओं को अर्थ सहित हनुमान चालीसा की पुस्तकें भेंट की गई। इसका उद्देश्य भक्तों को पाठ के साथ उसके गूढ़ अर्थ से भी अवगत कराना है। समिति के अनुसार अभियान को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के लिए विभिन्न टीमें गठित की गई हैं, जो शहर के अलग-अलग धार्मिक स्थलों पर जाकर लगातार हनुमान चालीसा का वितरण कर रही हैं। इस पहल के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को धर्म, भक्ति और संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं को भन्दे बालाजी महाराज का सिंदूर लगाया गया, जिसे भक्तों ने आस्था के साथ ग्रहण किया। मंदिर परिसर में गोस्वामी तुलसीदास के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। जिससे आयोजन की भव्यता और बढ़ गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने मिलकर भक्ति एवं एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में महेश बंब, सरदार राजन सिंह, रामस्वरूप यादव, अशोक कुमार विजयवर्गीय, पिंकी मुनीम, विजय, शैलेन्द्र यादव सहित अन्य श्रद्धालु एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'समाज के प्रत्येक वर्ग तक भाजपा की विचारधारा और सरकारी योजनाएं पहुंचाने में महिला मोर्चा अहम कड़ी'

- **भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने महिला कार्यकर्ताओं की भूमिका को संगठन की रीढ़ बताया**
- **भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशभर में 'हर बूथ महिला मजबूत' संकल्प के साथ जमीनी स्तर पर कार्य करेगा : राखी राठौड़**

जयपुर । भाजपा महिला मोर्चा की नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की बैठक रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मदन राठौड़ ने महिला कार्यकर्ताओं की भूमिका को संगठन की रीढ़ बताते हुए कहा कि महिला मोर्चा समाज के प्रत्येक वर्ग तक पार्टी की विचारधारा और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण कड़ी है।

राठौड़ ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए बनाई गई हैं, लेकिन इन योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी संभव है जब उनकी जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने महिला मोर्चा की पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे घर-घर जाकर महिलाओं को योजनाओं की जानकारी दें और उन्हें इनका लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। साथ ही उन्होंने लाभान्वितों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और सुझावों को भी संगठन तक पहुंचाने की बात कही।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी एवं मोर्चा प्रभारी संतोष अहलावत ने भी महिला पदाधिकारियों को संगठन में जिले से लेकर बूथ स्तर तक मजबूती से कार्य करने की अपील की और 'हर बूथ महिला मजबूत' अभियान को सफल बनाने का आव्हान किया।

महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने कहा कि महिला मोर्चा प्रदेश भर में संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि महिला कार्यकर्ता समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शक्ति रखती हैं और वे सरकार की योजनाओं को महिलाओं तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगी। राठौड़ ने कहा कि 'हर बूथ महिला मजबूत' अभियान के तहत प्रत्येक बूथ पर महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा का उद्देश्य केवल संगठन विस्तार नहीं बल्कि समाज में जागरूकता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

इस दौरान सभी पदाधिकारियों ने मिलकर संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने तथा महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। यह बैठक संगठनात्मक मजबूती, 'हर बूथ महिला मजबूत' अभियान के क्रियान्वयन और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। इस दौरान मोर्चा महामंत्री सुनीता व्यास, डॉ. अरुण सिहाग, डॉ. मूर्ति मीणा सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बीजेपी राजस्थान के फेसबुक पेज से 30 लाख लोग जुड़े

जयपुर (कासं)। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के आधिकारिक फेसबुक पेज द्वारा 3 मिलियन (30 लाख) सदस्यों का आंकड़ा पार करने पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं, समर्थकों और प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त किया है।

शेखावाटी का इतिहास पुन: जीवंत : झुंझुनूं में 1000 साल पुराना मंदिर अवशेष मिला

खेतड़ी के त्योंदा गांव में खुदाई के दौरान ऐतिहासिक संरचना, प्राचीन धार्मिक-सांस्कृतिक गतिविधियों के साक्ष्य मिले

झुंझुनूं/जयपुर (कासं)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में पुरातत्वविदों ने 1000 वर्ष पुराने मंदिर के अवशेष खोज निकाले हैं। खेतड़ी तहसील के त्योंदा गांव स्थित रीठा का टीला नामक स्थल पर चल रही खुदाई के दौरान यह महत्वपूर्ण खोज सामने आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज शेखावाटी क्षेत्र के प्रारंभिक मध्यकालीन इतिहास के कई अनसुलझे पहलुओं को स्पष्ट कर सकती है। राजस्थान पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग द्वारा जनवरी 2025 से इस स्थल पर उत्खनन कार्य किया जा रहा है। अब तक मिली संरचनाएं और अवशेष इस क्षेत्र में प्राचीन धार्मिक गतिविधियों और स्थायी बसावट के प्रमाण दे रहे हैं।

मंदिर संरचना और मूर्तियों के अवशेष मिले

खुदाई के दौरान देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की मूर्तियों के खंडित अवशेष मिले है। इसके अलावा मिट्टी के बर्तन (पॉटरी) और टेराकोटा वस्तुएं भी विभिन्न परतों से प्राप्त हुई है।, जो इस स्थल पर लंबे समय तक मानव निवास और धार्मिक गतिविधियों की पुष्टि करती हैं।

पुरातत्व विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यहां एक सुविकसित मंदिर परिसर के प्रमाण मिले हैं, जिसमें पत्थर से बनी संरचना, सुस्पष्ट द्वार, अर्धवृत्ताकार स्थापत्य अवशेष, स्तंभ आधार, दरवाजे के फ्रेम और सजावटी पत्थर के ब्लॉक शामिल हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थल प्रारंभिक मध्यकालीन काल से संबंधित है। उस समय राजस्थान में क्षेत्रीय राजवंशों का उदय हो रहा था और मंदिर निर्माण की परंपरा तेजी से विकसित हो रही थी। अब तक शेखावाटी क्षेत्र अपनी 18वीं-19वीं सदी की हवेलियों के लिए प्रसिद्ध रहा है, लेकिन उससे पहले के इतिहास के प्रमाण बहुत कम उपलब्ध थे। यह खोज उस खालीपन को भरने में अहम भूमिका निभा सकती है।

वैज्ञानिक परीक्षण और संरक्षण पर जोर

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने नमूनों को वैज्ञानिक जांच के लिए एकत्रित करने और स्थल के संरक्षण के निर्देश दिए हैं। इसके तहत केमिकल कंजर्वेशन, विस्तृत दस्तावेजीकरण, साइट मैपिंग और आर्टिफैक्ट्स की ड्राइंग तैयार की जा रही है।

विशेषज्ञों की निगरानी में कार्य जारी

वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में यह कार्य किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह खोज राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को समझने में मील का पत्थर साबित हो सकती है। यह खोज न केवल झुंझुनूं बल्कि पूरे शेखावाटी क्षेत्र के प्राचीन इतिहास को नई दिशा देने वाली है। आने वाले समय में इससे जुड़े और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है।

अलवर में एस.आई. भर्ती परीक्षा, कई अभ्यर्थियों का एग्जाम छूटा

सुरक्षा व्यवस्था इतनी कड़ी थी कि एंट्री टाइम खत्म होते ही केंद्रों के गेट बंद कर दिए

अलवर। अलवर में आयोजित एसआई भर्ती परीक्षा के पहले दिन प्रशासन की सख्ती और अभ्यर्थियों की परेशानी दोनों ही देखने को मिलि। पहली पारी में परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों को सख्त सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ा, जहां कई केंद्रों पर परीक्षार्थियों से जूते, चुन्नी और ज्वैलरी

■ **जूते, चुन्नी और ज्वेलरी उतरवाई; एंट्री टाइम खत्म होते ही केंद्रों के गेट बंद**

तक उतरवाई गई। सुरक्षा व्यवस्था इतनी कड़ी थी कि एंट्री टाइम खत्म होते ही केंद्रों के गेट बंद कर दिए गए, जिसके चलते कुछ मिनट की देरी से पहुंचे कई अभ्यर्थी परीक्षा से वंचित रह गए। परीक्षा का निर्धारित प्रवेश समय सुबह 9 बजे से 10 बजे तक था। लेकिन जैसे ही 10 बजे का समय पूरा हुआ, अधिकांश परीक्षा केंद्रों के गेट बंद कर दिए गए। इसके बाद पहुंचे अभ्यर्थी लगातार गेट पर खडे होकर अंदर जाने की गुहार लगाते रहे, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया।

शहर के इमानुअल स्कूल केंद्र पर शिवाजी पार्क निवासी साक्षी गुप्ता मात्र 2 मिनट की देरी से पहुंचने के कारण

अलवर में एसआई भर्ती परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच सम्पन्न हुई।

परीक्षा नहीं दे सकीं। साक्षी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब बड़े अधिकारी भी कई बार लेट पहुंचते हैं तो उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती, लेकिन अभ्यर्थियों के लिए इतनी सख्ती क्यों उन्होंने प्रशासन से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने की मांग की, क्योंकि उनकी देरी का मुख्य कारण ट्रैफिक जाम रहा।

इसी केंद्र पर राजगढ़ से आई एक अन्य महिला अभ्यर्थी भी 2 मिनट लेट होने के कारण परीक्षा से वंचित रह गई।

सख्त सुरक्षा के निर्देश

अजमेर, । राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उप-निरीक्षक भर्ती परीक्षा-2025 के तहत जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण जिला कलक्टर लोक बंधु और पुलिस अधीक्षक हर्ष वर्धन अगरवाला ने किया। अधिकारियों ने परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान परीक्षार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की गई और केंद्राधीक्षकों को आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया। परीक्षा केंद्रों पर डिजिटल वीडियोग्राफी, रियल टाइम डेट-टाइम स्टैम्प और त्रिस्तरीय सुरक्षा जांच अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

खड़ी कार में आग लगने से चालक जिंदा जला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में बोरानाडा के भांडु पेट्रोल पंप के पास खड़ी कार में आग लगने से जिंदा जल गया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। आग बुझाने के बाद कार में चिलक का बुरी तरह जला हुआ शव मिला। घटना बोरानाडा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह करीब 11:42 बजे हुई।

बोरानाडा थाने के कॉन्स्टेबल ललित ने बताया कि कार के नंबर के आधार पर मृतक की पहचान धोरीमन्ना (बाड़मेर) निवासी भरत लुनिया (40) के रूप में हुई है। फिलहाल वह जोधपुर के बासनी में रह रहा था। पहचान कंफर्म करने के लिए परिजनों को बुलाया गया । डीएनए सैंपल के आधार पर भी पहचान की जाएगी।

हादसे के समय कार का एक दरवाजा भी खुला हुआ था। व्यापारी सीट को पीछे करके आराम की मुद्रा में लेटा हुआ था। परिजनों के मुताबिक, भरत सुबह 9 बजे बासनी स्थित घर से निकला था। इसके बाद से उसका फोन बंद आ रहा था। कार सड़क से उतरकर साइड में कच्चे रास्ते पर खड़ी हुई थी।

हेड कॉन्स्टेबल अरविंद मीणा ने बताया कि बोरानाडा के भांडु पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़ी मारुति 800 कार में आग लग गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। कार में आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने शव को बोरनाडा हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया है। बोरानाडा फायर ब्रिगेड ऑफिस के अनुसार 11:42 बजे भांडु पेट्रोल पंप के सामने एक कार में आग लगने की सूचना मिली थी।

वन भूमि के बदले बीएसएफ ने चुकाए 2.50 करोड़ रुपए, 48 लाख रुपए की और मांग

बीकानेर। अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा के लिए सीमा चौकियां बनाना बीएसएफ के लिए अब करोड़ों का सौदा साबित हो रहा है। कभी कौडि़यों के भाव आवंटित जमीनों के बदले अब बीएसएफ को वन विभाग को भारी-भरकम कीमत चुकानी पड़ रही है। ताजा मामले में 13 बीघा जमीन का विवाद 11 साल से अटका है, जिसके लिए विभाग 48 लाख रुपए और वसूलने की तैयारी में है।

दरअसल, 25-30 साल पहले राजस्व विभाग ने पाकिस्तान सीमा से सटी जमीनें बीएसएफ को आवंटित की थीं। वन मंडल छत्तरगढ़ की वन भूमि पर बीएसएफ की 7 चौकियां स्थित हैं। नियमों के मुताबिक, इस जमीन के बदले बीएसएफ को न केवल नॉन-फॉरेस्ट लैंड देनी पड़ी, बल्कि वहां 10 साल तक पौधारोपण और मेंटेनेंस का खर्च भी उठाना पड़ा। बीएसएफ अब तक 2.50 करोड़ रुपए जमा करा चुका है।

वर्तमान में तीन चौकियों की 'स्टेज-2' अप्रूवल मिल चुकी है, जबकि तीन के मामले भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय में लंबित हैं। सातवीं 'संग्रामपुर चौकी' का मामला राजस्व विभाग की लापरवाही से उलझ गया है। इसके लिए बीएसएफ से 48 लाख की अंतर राशि मांगी जा रही है, जबकि वह पहले ही 41 लाख रुपए जमा करा चुका है। समाधान के लिए बीएसएफ अधिकारी कलेक्ट्रेट के चक्कर काट रहे हैं। एक उच्चाधिकारी ने बताया कि अब इस पूरे प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्च स्तर पर भेजी जाएगी।, सात सीमा चौकियों में से छह के प्रकरण निबट चुके हैं। केवल संग्रामपुर का मामला पेंडिंग है। राजस्व विभाग को केवल भूल सुधार करना है। इस काम में जितना विलंब होगा, बीएसएफ को नियमानुसार पैसा भरना होगा। दिलीप सिंह राठौड़, उप वन संरक्षक, छत्तरगढ़।

बीएसएफ को 7 सीमा चौकियों के लिए मिली जमीन 1. दीपवाला 2.6 हेक्टेयर 2. भगत 1.215 हेक्टेयर 3. विष्णु 2.023 हेक्टेयर 4. न्यू बंधली 2.23 हेक्टेयर 5. फालका 2.63 हेक्टेयर 6. न्यू डेहरी 2.75 हेक्टेयर 7. संग्रामपुर 3.288 हेक्टेयर

चक 11 एसएसएम के मामले को गवर्नमेंट लैंड म्यूटेशन एडवाइजरी कमेटी के समक्ष रखा जाना है। जिला कलेक्टर के मार्ग दर्शन के बाद ही इस मामले में आगे कार्यवाही की जा सकेगी। राजकुमारी बिश्नोई, तहसीलदार, खाजूवाला वन संरक्षण अधिनियम 1980 के परिप्रेक्ष्य में सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसंबर 1996 को एक फैसले दिया था। उस फैसले के तहत किसी भी वन भूमि को बिना सुप्रीम कोर्ट या केंद्र सरकार की अनुमति के राजस्व रिकॉर्ड में किसी अन्य के नाम से नामांतरित करने अथवा गैर वानिकी प्रयोजन के लिए प्रयोग में लेने से वर्जित किया हुआ है। आदेश की अवहेलना करने वालों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्यवाही की जा सकती है। वन भूमि आवंटित करने के बदले शर्तों के तहत वन विभाग को अन्य भूमि देने का नियम है।

उस भूमि पर दस साल तक पौधारोपण और उसकी मेंटिनेंस का खर्च अलग से देना पड़ता है। इसके अलावा दोगुनी वन भूमि पर दस साल तक पौधारोपण का खर्च भी देना होगा।

खेल मैदान के कचरे में लगी आग, फायर बिग्रेड ने पाया आग पर काबू

गंगापुर सिटी । राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के खेल मैदान में रविवार को कचरा पात्र में आग लग जाने से अफरा तफरी मच गई। किन्ही कारणों से लगी इस आग के कारण आसपास के सूखे पत्तों में भी लपटें फैल गईं, जिससे मौके पर जमा लोगो में घवराहट हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कचरा पात्र में मौजूद कचरा और सूखे पत्ते तेजी से जलने लगे, जिससे आग की लपटें ऊंची उठने लगीं। आग का

■ **प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कचरा पात्र में मौजूद कचरा और सूखे पत्ते तेजी से जलने लगे, जिससे आग की लपटें ऊंची उठने लगीं।**

दायरा बढ़ता देख एक बड़े हादसे की आशंका पैदा हो गई। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों की तत्परता और लोगों की सजगता के कारण आग को समय रहते बुझा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है।

चैन स्नैचिंग करने वाला हत्थे चढ़ा

जोधपुर, (कासं)। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की स्पेशल टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए चलती ट्रेन में चैन स्नैचिंग करने वाले आठ साल से फरार शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी के खिलाफ न्यायालय से स्थायी वारंट जारी था। गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया,जहां से आदेशानुसार न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

जीआरपी थानाधिकारी मुक्ता पारीक के नेतृत्व में गठित तीन सदस्यीय टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर आरोपी को पकड़ा गया। पारीक के अनुसार 15 सितंबर 2018 को ट्रेन संख्या 15013 जैसलमेर-काठगोदाम रानीखेत एक्सप्रेस में अलवर निवासी एक यात्री के साथ चैन स्नैचिंग की वारदात हुई थी।

भारत-पाक बॉर्डर पर डेनमार्क का नागरिक पकड़ा

बीकानेर। यहां भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास खाजूवाला क्षेत्र से विदेशी नागरिक को पकड़ा है। डेनमार्क का रहने वाला युवक करीब सात महीने पहले एक साल के वीजा पर भारत आया था। पकड़े जाने पर उसने कुछ सवालों के जवाब अंग्रेजी में दिए, इसके बाद चुप हो गया। थाने ले जाने पर वहां रोने लगा। फिलहाल उसे आगे की पूछताछ के लिए जॉइंट इंटरोगेशन सेंटर भेजा गया, जहां उससे गहन जांच की जा रही है। घटना शनिवार शाम की है। खाजूवाला थानाधिकारी सुरेन्द्र प्रजापत ने बताया - खाजूवाला बाजार के हॉस्पिटल रोड पर एक विदेशी युवक संदिग्ध स्थिति में घूमता हुआ दिखाई दिया। इस एरिया में आमतौर पर विदेशी नागरिक नहीं आते हैं ऐसे में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना कर

■ **सवालों के जवाब देने के बाद थाने में रोने लगा**

दी। सूचना मिलते ही एएसआई किशन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंचा। खाजूवाला बाजार के हॉस्पिटल रोड पर एक विदेशी युवक संदिग्ध स्थिति में घूमते हुए पकड़ा गया। सुरक्षा के लिहाजा से बॉर्डर एरिया में एंट्री के लिए परमिशन जरूरी होती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बीएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी मौके पर बुलाया गया। सभी एजेंसियों ने मिलकर युवक से पूछताछ की, लेकिन उसके सामान से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। प्राथमिक पूछताछ में युवक ने खुद को डेनमार्क का निवासी बताया। वह सितंबर में एक साल के टूरिस्ट वीजा पर भारत आया था। शुरुआत में उसने कुछ अंग्रेजी में जवाब दिए, लेकिन बाद में चुप हो गया और थाने में रोने लगा। शुरुआती जांच में सामने आया है कि युवक डेनमार्क का रहने वाला है और 7 महीने पहले वीजा पर भारत आया था। पुलिस ने युवक को आगे की विस्तृत जांच के लिए बीकानेर स्थित जॉइंट इंटरोगेशन सेंटर भेज दिया है। सुरक्षा एजेंसियां हर पहलू से मामले की जांच कर रही हैं। गौरतलब है कि खाजूवाला क्षेत्र पाकिस्तान सीमा के नजदीक है। ऐसे में यहां विदेशी नागरिकों के आने के लिए विशेष अनुमति आवश्यक होती है। माना जा रहा है कि जानकारी के अभाव में युवक इस क्षेत्र में पहुंच गया।

वृंदावन कथा की रूपरेखा बनाई

गंगापुर सिटी । श्रीराधाकृष्ण सेवा संस्थान की एक बैठक रविवार को श्री महिदास बालाजी मंदिर परिसर में हुई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद दीक्षित ने की। बैठक में वैद्य भगवान प्रसाद पाराशर ने बताया कि आगामी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन उत्तर प्रदेश के वृंदावन धाम स्थित श्री पुरुषोत्तम धाम में किया जाएगा। यह कथा 11 जुलाई से 17 जुलाई तक चलेगी। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने की बात कही। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने कथा आयोजन की व्यवस्थाओं को लेकर अपने-अपने सुझाव दिए। यात्रा को सुव्यवस्थित और सफल बनाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का शुभारंभ पंडित जयगोविंद द्वारा गणेश पूजन से हुआ। अंत में अध्यक्ष गोविंद दीक्षित ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

भगवती मिश्र का देहावसान

सुजानगढ़ । स्वत्रंता सेनानी पं. गिरिश चंद्र मिश्र की धमपत्नी भगवती मिश्र का 108 साल की उम्र में देहावसान हो गया। 5 अप्रैल को दोपहर एक बजे उन्होने अंतिम सांस ली। जैसे ही यह सूचना जानकारों को मिलने लगी तभी वे उनके निवास पर पहुंचने लगे। उनका अंतिम संस्कार छह अप्रैल को होगा। गिरिश कला मंदिर के गजानन्द मिश्र मानव ने बताया कि दादी मां ने आजादी के आंदोलन में दादाश्री पं. गिरिश चंद्र मिश्र के साथ खूब साथ निभाया। वे देशभक्ति गीतों से कविताओं आजादी की अलख जगाई। गजानन्द मिश्र मानव ने बताया कि दादी मां ने गिरिश कला मंदिर को जीवन भर संभाले रखा। हर चीज का ख्याल रखा। दादी मां धार्मिक

भगवती मिश्र

विचारों की धनी थी साथ ही वे सामाजिक कार्यों में भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती थी।

नौकरी का झांसा देकर युवती से रेप

हनुमानगढ़ । जिले के भादरा थाना पुलिस ने रेप और ब्लैकमेलिंग के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। उस पर एक युवती को नौकरी का झांसा देकर होटल में बुलाने, नशीला पदार्थ पिलाकर रेप करने और आपत्तिजनक वीडियो से ब्लैकमेल कर बार-बार शोषण करने का आरोप है । पीड़िता ने भादरा थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि अक्टूबर 2024 में उसकी पहचान आरोपी से हुई थी। आरोपी ने दोस्ती बढ़ाई और उसे नौकरी दिलाने का लालच देकर एक होटल में बुलाया। वहां उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया गया, जिसके बाद उसके साथ रेप किया गया।

80 बीघा फसल खाक, ग्रामीणों का प्रशासन पर फूटा आक्रोश, हाईवे जाम कर दमकल पर बरसाए पत्थर

कोटा, (निसं)। बूंदी जिले के तालेड़ा उपखंड क्षेत्र के खुराड़ गांव में रविवार को एक बड़ी आगजनी की घटना ने न केवल किसानों की मेहनत को राख में बदल दिया बल्कि पूरे इलाके में तनाव और आक्रोश का माहौल भी खड़ा कर दिया। खेत में खड़ी गेहूं की फसल में लगी भीषण आग से करीब 80 बीघा फसल जलकर राख हो गई।

इस भारी नुकसान से गुस्साए ग्रामीणों का आक्रोश सड़कों पर फूट पड़ा और उन्होंने नेशनल हाईवे जाम कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति तब और बिगड़ गई जब मौके पर पहुंची दमकल गाड़ी पर ही ग्रामीणों ने पथराव कर दिया जिससे दमकल के कांच टूट गए और तीन कर्मचारी घायल हो गए। तालेड़ा थाना प्रभारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि रविवार दोपहर खुराड़ गांव के खेतों में अचानक आग लग गई। ग्रामीणों का कहना है कि पास से गुजर रही बिजली लाईन में स्पार्किंग के कारण आग भड़की जिसने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। तेज हवा के कारण

बूंदी जिले के तालेड़ा उपखंड क्षेत्र के खुराड़ गांव में खेतों में आगजनी की घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने हाईवे जाम कर दिया जिसे पुलिस ने समझाईश कर खुलवाया ।

आग तेजी से फैली और देखते ही देखते कई किसानों की खड़ी फसल इसकी चपेट में आ गई। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग इतनी भीषण थी कि उस पर काबू पाना संभव नहीं हो सका। घटना के बाद पीड़ित किसानों ने तुरंत प्रशासन और कंट्रोल रूम को सूचना दी लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि समय पर कोई मदद नहीं पहुंची।

जीजा ने साले व उसके कर्मचारी के हाथ-पैर तोड़े

गंभीर घायल साले ने 20-25 लोगों पर हत्या के प्रयास के आरोप लगाये

श्रीगंगानगर । जीजा ने अपने ही साले पर रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। यह वारदात रात 9 बजे के करीब सुखाडिया सर्किल पर हुई। हमले में सोले के साथ ही उसके यहां काम करने वाले युवक के दोनों पैर व हाथ जगह-जगह से तोड़ दिए और सिर भी फोड़ दिए। हमले की सूचना पर जवाहरनगर पुलिस मौके पर पहुंची। हमलावर फरार हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। गंभीर घायल साले की ओर से पर्ची बयान पर 20-25 लोगों पर हत्या के प्रयास के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

जवाहरनगर थाने के ड्यूटी अधिकारी एएसआई विनोद कुमार ने बताया कि इंद्रा कॉलोनी निवासी 32 वर्षीय सन्नी पुत्र रमेश सुखाडि़या सर्किल पर फूलों की रेहड़ी लगाता है। उसके पास सब्जी मंडी पुरानी आबादी निवासी 18 वर्षीय विकास पुत्र सुखचैन काम करता है। सन्नी के बहनोई अमित वाल्मीकि अपने साथ कैंठा, गोटण, मुक्का तथा 20-25 अन्य को लेकर बाइकों पर सवार होकर सुखाडिया सर्किल आया।

उसने रॉड तथा डंडों से सन्नी तथा विकास पर प्राण घातक हमला करके दोनों के पैरों को घुटने से नीचे जगह-जगह से तोड़ दिया। हाथ टूट गए और सिर फोड़ दिए। इनके पैर तथा हाथ टूट जाने से लटक गए हैं। रविवार सुबह एक्स-रे और सीटी स्कैन करवाए जाने के बाद चोटों का वास्तविक आकलन होगा। पर्चा बयान पर आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

ड्यूटी अधिकारी एएसआई विनोदकुमार को घायल सन्नी ने पर्चा बयान में बताया कि उसकी बहन सपना ने करीब 8 वर्ष पहले आरोपी अमित वाल्मीकि से लव मैरिज की थी। उसके अब 6 वर्ष का बेटा भी है। सपना करीब 10 दिनों से सन्नी के पास रहने आई हुई है। सपना का बेटा शनिवार दोपहर आरोपी अमित के घर चला गया। अमित ने बच्चे की पिटाई की। इस बात का अमित को सन्नी तथा उसके भाई ने उलाहना दिया।

तब अमित और ज्यादा नाराज हो गया। उसने शनिवार रात को लगभग 8:30 बजे सन्नी को फोन करके देख लेने की धमकी दी। इस पर सन्नी ने सामने से चैलेंज कर दिया। इसके लगभग आधे घंटे बाद आरोपी अमित अपने दोस्तों की पलटन लेकर सुखाडिया सर्किल पहुंचा। रॉड और डंडों से भयंकर रूप से पिटाई करके भाग गए।

भादरा में पिता-पुत्र ने की आत्महत्या

हनुमानगढ़ । भादरा क्षेत्र में पिता-पुत्र आत्महत्या मामले में मेडिकल बोर्ड ने पोस्टमार्टम किया। इसके बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए गए।

गौरतलब है कि मलसीसर निवासी धर्मपाल मेघवाल (28) ने अपने पांच साल के बेटे के साथ भादरा स्थित राजकीय कॉलेज के पीछे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था।

इस मामले में मृतक धर्मपाल के भाई भगत सिंह ने भादरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में धर्मपाल की पत्नी कविता और

■ **मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे गए, जांच में जुटी पुलिस**

हरियाणा के कैथल जिले के किठान निवासी कपिल पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। परिजनों का आरोप है कि दोनों द्वारा लगातार प्रताड़ना और जान से मारने की धमकियां दी जा रही थीं, जिससे परेशान होकर धर्मपाल ने यह कदम उठाया।

रिपोर्ट के अनुसार, धर्मपाल का विवाह लगभग सात वर्ष पूर्व कविता से हुआ था और उनका एक पुत्र था। पिछले करीब एक साल से कविता का कपिल से संपर्क हो गया था, जिसके कारण पारिवारिक विवाद बढ़ गए थे। आरोप है कि इस वजह से आए दिन झगड़े और मारपीट होती थी लगभग पांच माह पहले कविता बच्चे को अपने साथ ले गई थी, जिसे बाद में पंचायत के माध्यम से वापस लाया गया। इसके बावजूद विवाद समाप्त नहीं हुआ और धर्मपाल को लगातार धमकियां मिलती रहीं।परिजनों के मुताबिक, धर्मपाल मानसिक तनाव में रहने लगा था। शनिवार सुबह वह अपने बेटे के साथ भादरा जाने की बात कहकर घर से निकला था और शाम को दोनों की आत्महत्या की सूचना मिली।

घटना के बाद परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया था। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को देर रात हिरासत में ले लिया। हालांकि, मामले की जांच कर रहे सीओ संजीव कटेवा ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

सायला, (निसं)। जालोर जिले में सायला कस्बे के शेखावाटी इंग्लिश एकेडमी स्कूल में शिक्षा के मंदिर को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला प्रिंसिपल ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए 8वीं कक्षा के एक छात्र को न केवल दो घंटे तक बंधक बनाकर रखा, बल्कि उसे मुर्गा बनाकर लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा। पिटाई से छात्र की तबीयत बिगडने लगी तो उसे धमकाकर चुप रहने को कहा गया। पुलिस ने पीडित छात्र के पिता की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रार्थी श्रवण कुमार पुत्र परकाराम सेन निवासी सायला ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उनका पुत्र हिमांशु श्रवण भाटी शेखावाटी इंग्लिश एकेडमी में पडता है। शनिवार को लंच के दौरान स्कूल की प्रिंसिपल ललिता वैष्णव ने हिमांशु को स्कूल के ऑफिस में बुलाया। आरोप है।

बड़ी वारदात से पहले दबोचा गया हत्या और डकैती का आरोपी

चूरू, जयपुर । चूरू जिले में अपराधियों और गैंगस्टरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत चूरू पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स चुरू और राजगढ़ पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए एक ऐसे शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो हत्या और डकैती जैसे गंभीर मामलों में संलिप्त रहा है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक अवैध देशी रिवाल्वर बरामद कर किसी बड़ी संभावित वारदात को होने से पहले ही टाल दिया।

पकड़े गए आरोपी की पहचान संदीप ढाका उर्फ ढाका (23) निवासी बैरासर मझला राजगढ़ के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ हत्या और डकैती सहित कुल 5 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह प्रसिद्ध प्रदीप जैतपुरा हत्याकांड और डकैती के प्रकरणों में जेल की हवा खा चुका है और करीब 5 साल जेल में रहने के दौरान भी वह आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहा है।

जिला पुलिस अधीक्षक श्री निश्चय प्रसाद ने बताया कि शनिवार को एजीटीएफ टीम को सूचना मिली कि संदीप ढाका क्षेत्र में संदिग्ध रूप से घूम रहा है। इस पर टीम प्रभारी आईपीएस अभिजीत पाटिल के नेतृत्व में टीम ने राजगढ़ पुलिस के साथ मिलकर झुंझुनूं पुलिया के पास घेराबंदी की और आरोपी को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध हथियार बरामद हुआ।

ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत चूरू पुलिस अब तक 11 अवैध पिस्टल, देशी कट्टे और कारतूस बरामद कर चुकी है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वह किस बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था।

UNIVERSITY OF RAJASTHAN
Jawahar Lal Nehru Marg, Jaipur

NOTICE INVITING BID

Bids for **TENT ARRENGMENT & DECORATION INCLUDING ALL SERVICES e.g.- TRANSPORTATION, LABOUR etc. for Convocation Program on 25/04/2026** are invited from interested bidders upto **15.04.2026, 01:30 PM.** Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (**http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in**) of the state: and **http://uniraj.ac.in.** The approximate value of the procurement is **Rs. 28.00 Lacs.**

UBN: URA2627SLOB00003 Registrar

न्यू सांगानेर रोड चौड़ी करने के बाद घटिया सड़क बना रहा जेडीए ठेकेदार

डी.बी.एम. के बिना ही बिटुमिन कंक्रीट चढ़ाकर लीपापोती, अफसर मौन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। न्यू सांगानेर रोड पर हाईकोर्ट के आदेश के बाद सड़क की चौडाई बढ़ाने के लिए बनाई जा रही रोड पर जेडीए के ठेकेदार ने डामर तो चढ़ाई, लेकिन आधी-अधूरी। यहां डेन्स बिटुमिन कंक्रीट (डीबीएम) की तो परत चढ़ाए बिना ही सीधे बिटुमिन कंक्रीट करके लीपापोती कर दी गई। नतीजन की सड़क बनाते-बनाते ही बिखरने लगी है।

पृथ्वीराज नगर दक्षिण का यह इलाका जेडीए पीआरएन दक्षिण जोन में आता है, जो कि सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में है। जेडीए ने न्यू सांगानेर रोड पर रीको इंडिस्ट्रियल एरिया से किसान धर्मकांटे तक सड़क चौडी करने का काम किया था। इसके बाद वहां जीएसबी-मोरम भी पूरी नहीं की। कई महीनों तक सड़क ऐसी ही उबड-खाबड पडी रही, अब जेडीए के पीआरएन दक्षिण जोन ने यहां सड़क पर डामर करवाई, लेकिन नौसिखियों की तरह।

स्थानीय लोगों का कहना है कि, इस सड़क पर जब चौडाई बढ़ाने के

बाद पुनः रोड बनाने का काम शुरू किया तो पहले खुदाई पूरी तरह से नहीं की। इसके बाद जीएसबी डब्लूएमएम पूरी नहीं डाली। बाद में जीएसबी मोरम डाल कर सड़क तो बना दी, लेकिन अब जेडीए के इंजीनियर्स यहां केवल बिटुमिन कंक्रीट करके ही काम चला रहे हैं।

■ **आमजन को सुगम आवागमन मुहैया करवाने के लिए हाईकोर्ट के आदेश पर बढ़ाई गई है सड़क की चौडाई**

इसकी मोटाई भी 20 एमएम ही करवाई जा रही है, जबकि नियमानुसार 40 एमएम होना जरुरी है। डीबीएम नहीं करने से जहां सड़क की गुणवत्ता कमजोर होगी, वहीं ठेकेदार को बड़ा फायदा होगा।

सूत्रों की मानें तो यहां डामर सड़क का काम मैसर्स हरदयाल कंस्ट्रक्शन के पास है, इसी फर्म को जेडीए ने विभिन्न जोन में 200 करोड़ रुपए का काम सौंप रखा है। जिसमें जोन 12, जोन 7 जोन 14, पीआरएन दक्षिण, अजमेर रोड पर सेज में सेक्टर रोड बनाने तथा सड़क नवीनीकरण जैसे काम है। परंतु जिम्मेदार इंजीनियर्स सड़क बनाने में गुणवत्ता का ध्यान रखने के बजाय ठेकेदार पर मेहरबानी बनाए हुए हैं।

पुलिस ने युवक का कीमती बैग सुरक्षित लौटाया

जयपुर। जयपुर पुलिस ने एक बार फिर अपनी मुस्तैदी और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दिल्ली से आए एक युवक का ऑटो में छूटा कीमती बैग महज कुछ ही घंटों में ढूंढकर सुरक्षित लौटा दिया।

जानकारी के अनुसार, युवक सिंधी कैंप बस स्टैंड पर उतरकर कालवाड़ जाने के लिए ऑटो में बैठा था। जल्दबाजी में वह बैग ऑटो में ही भूल गया, जिसमें कीमती सामान और जरूरी दस्तावेज थे। घबराए युवक ने तुरंत 112 इमरजेंसी नंबर पर कॉल कर मदद मांगी। कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही मौके पर तैनात हेड कांस्टेबल गणेश लाल सक्रिय हो गए। गश्त पर होने के बावजूद वे तुरंत युवक के पास पहुंचे और ऑटो के हुलिए के आधार पर आसपास के ऑटो चालकों की सघन जांच शुरू कर दी। कुछ ही देर में पुलिस ने ऑटो को ढूंढ निकाला। ऑटो चालक ने ईमानदारी दिखाते हुए बैग पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने युवक की मौजूदगी में बैग की जांच कराई, जिसमें सभी सामान सुरक्षित था।

मजबूत पश्चिम विक्षोभ सक्रिय : दो दिन कई शहरों में आंधी-बारिश और ओलावृष्टि संभव

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । पश्चिम विक्षोभ का असर रविवार को धीमा रहा। रविवार को आधा दर्जन शहरों को छोड़ दें तो बाकी शहरों में मौसम शुष्क रहा। रविवार को वनस्थली, कोटा, टोंक, करौली, श्रीगंगानगर सहित कुछ अन्य शहरों में बारिश हुई। सोमवार को एक बार फिर एक मजबूत पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होगा। इसके प्रभाव से जोधपुर, बीकानेर, अजमेर संभाग व शेखावाटी इलाके में आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश संभव है।

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को जयपुर और भरतपुर संभाग में छुटपुट स्थानों पर मेघगर्जन, हल्की बारिश दर्ज की गई बाकी अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा। इससे प्रदेश के शहरों के पारे में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। 35.1 डिग्री के साथ बाड़मेर का दिन और 23 डिग्री के साथ फलौदी की रात सबसे गर्म रही।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 6 अप्रेल को जोधपुर, बीकानेर, अजमेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में दोपहर बाद एक और नया मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से राज्य के कुछ भागों में पुनः तेज आंधी (40-50 किमी प्रतिघंटा) बारिश, व कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की प्रबल संभावना है। 7 अप्रेल को विक्षोभ का सर्वाधिक असर होने तथा जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में तेज मेघगर्जन, तेज आंधी (50-60 किमी प्रतिघंटा) व कहीं-कहीं ओलावृष्टि, मध्यम से तेज बारिश होने की प्रबल संभावना है।

8 अप्रेल को उत्तरी व पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश होने व शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। 9 अप्रेल से आगामी 3-4 दिन अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से शनिवार को पश्चिमी राजस्थान में एक दो जगह जबकि पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं पर मेघगर्जन एवं तेज झोकेदार हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। राज्य में सर्वाधिक बारिश धोलपुर के बाड़ी में 40 मिलीमीटर दर्ज की गई।

जयपुर में रविवार को छितराए बादल छाए रहे और बादलों के बीच से धूप भी खिली। इससे पारे में उछाल दर्ज किया गया। जयपुर के दिन के पारे में 1.2 और रात के पारे में 0.2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 32.2 और न्यूनतम तापमान 21.8 डिग्री दर्ज किया गया। मंगलवार को पश्चिम विक्षोभ के असर से जयपुर में आंधी-बारिश देखने को मिल सकती है।

ऐसा समय आएगा कि नास्तिक को भगवान याद आएंगे : उमाकांत महाराज

जयपुर । अजमेर रोड स्थित ठिकरिया आश्रम में रविवार को आयोजित सत्संग कार्यक्रम में बाबा उमाकांत महाराज ने वर्तमान समय की परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसा समय आने वाला है जब एक मिनट में नास्तिक को भी भगवान याद आ जाएगा। सत्संग में सैकड़ों श्रद्धालु गुलाबी वस्त्र धारण कर शामिल हुए।

बाबा उमाकांत महाराज, जो बाबा जयगुरुदेव महाराज के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी हैं, ने कहा कि समाज में दया की भावना कम होती जा रही है, जिसका मुख्य कारण दूषित आहार और मांसाहार की बढ़ती प्रवृत्ति है। उन्होंने कहा कि जब अन्न शुद्ध नहीं रहेगा तो मनुष्य के भीतर से दया समाप्त हो जाएगी, और दया के बिना धर्म का अस्तित्व संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि धर्म के अभाव में कर्म भी खराब हो जाते हैं और फिर व्यक्ति को दुष्परिणाम भुगतने पड़ते हैं। ऐसे में केवल पूजा-पाठ या तीर्थ करने से लाभ नहीं मिलेगा, बल्कि जीवों पर दया करना ही सच्चा धर्म है। बाबा उमाकांत महाराज ने कहा कि आज प्रकृति भी मानव के कृत्यों से नाराज है। वायु, अग्नि और पृथ्वी जैसे पंचतत्व मानव द्वारा किए जा रहे प्रदूषण और विनाशकारी गतिविधियों से प्रभावित हो रहे हैं, जिससे भविष्य में विभिन्न प्रकार की आपदाएं आ सकती हैं। पश्चिम एशिया के हालात पर कहा कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है।

सार-समाचार

फ़िल्मकार गुरुदत्त के दौर का संगीत गूंजा

जयपुर । रविवार की शाम जवाहर कला केंद्र के रंगायन सभागार में मशहूर फ़िल्मकार गुरुदत्त की श्वेत श्याम फ़िल्मों के जादुई संगीत की रंगीन छटा बिखर उठी। मौक़ा था गुरुदत्त की 101वीं जयंती के उपलक्ष में सजाई गई संगीत महफ़िल बिछड़े सभी बारी-बारी का। देवरंजनी म्यूजिक स्कूल के संयोजन में सुपर 60 के सदस्यों की तरफ़ से गुरुदत्त की फ़िल्मों के एक से बढ़कर एक लाजवाब गीत पेश किए गए। गायक कलाकारों ने अपनी रूहानी आवाज़ में गुरु दत्त के गीतों में बसी जवाँ दिलों की शरारत और टूटे दिलों के दर्द की नाज़ुक परतों से रूबरू कराया। इस संगीतमय यात्रा में गुरु दत्त की बेमिसाल फ़िल्मांकन कला और उनकी ज़िंदगी की हक़ीक़त भी बयां की गई। कार्यक्रम का आकर्षण 5-5 अलग-अलग रंग-रूप के गानों की एक साथ बिना रुके प्रस्तुति थी । बिना रुके, एक-के-बाद-एक गाने प्रस्तुत करना गायक के लिए और साजिंदों के लिए सभी के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य था जो सभी ने सफलता पूर्वक निभाया। कार्यक्रम की परिकल्पना सरिता द्विवेदी ने की। संचालन प्रणय भारद्वाज और नीलम ग्रोवर ने किया। प्रकाश व्यवस्था ने स्याह और सफेद रंगों की फ़िल्मों के दौर को मंच पर बखूबी उतारा। मंच की साज-सज्जा से भी 1950 के दशक की फिल्मों की झलक देखने को मिल रही थी। इससे पहले पीटीआई के पूर्व ब्यूरो प्रमुख राजेंद्र बोडा, आकाशवाणी की पूर्व कार्यक्रम प्रमुख रेशमा ख़ान और वरिष्ठ कला समीक्षक सर्वेश भट्ट ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरिता द्विवेदी, संगीता कपूर, प्रतिमा कौशिक, डॉ प्रभा लुहाड़िया , डॉ बृजबाला , डॉ अविनाश स्वरुप, एम एम जोशी, चंदा वधवा, अशोक वाधवा, मीनू सक्सेना, दीपक हिरन, अजय कल्ला, दादा तुषार घोष, राकेश डेम्ब्ला, देवेंद्र स्वरुप, सुकेश सिन्हा, मिथिलेश माथुर, अरुण माथुर, रूपा शर्मा, प्रेम भारती, इला नाग , जीतेन्द्र नाग , नीलम ग्रोवर, जया कल्ला , पुखराज गाँधी, विक्टर मोटवानी, मीरा श्रीवास्तव, अर्चना माथुर , अलोक माथुर, स्नेह उबा, मृदुला सक्सेना और सुरेश ग्रोवर ने अपनी प्रस्तुतियों से समा बांध दिया।

'कश्मीर इन द लाइन ऑफ फायर' पर चर्चा

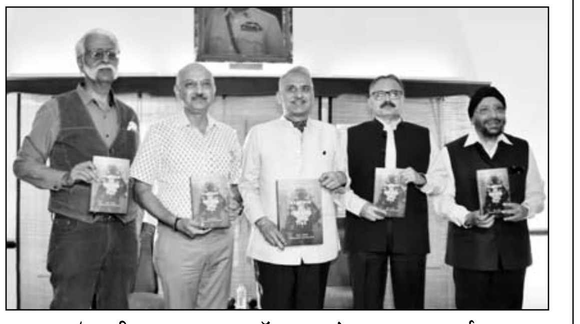

जयपुर । 'कश्मीर इन द लाइन ऑफ फायर' पर एक ज्ञानवर्धक पुस्तक चर्चा में, लेखक मेजर जनरल रंजन महाजन (सेवानिवृत्त) ने भारतीय सेना की भूमिका पर प्रकाश डाला, जहां सेना ने असाधारण परिस्थितियों का सामना अदम्य साहस और शौर्य के साथ किया। उन्होंने यह बातें रविवार को अशोक क्लब में आयोजित एक पुस्तक सत्र में की, जहां उन्होंने जयपुर के लेखक और पब्लिसिस्ट जगदीप सिंह के साथ संवाद किया। लेखक ने कश्मीर में उनके 5 कार्यकालों के अंतर्गत अपनी 15 वर्षों की लंबी सेवा के दौरान के कुछ बेहद प्रभावशाली अनुभव साझा किए। उन्होंने श्रोताओं को संघर्ष, नेतृत्व और मानवीय दृढ़ता की वास्तविकताओं से रूबरू कराया। इस पुस्तक का औपचारिक विमोचन राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा; चीफ ऑफ़ स्टाफ़, साउथ वेस्टर्न कमान, लेफ्टिनेंट जनरल, पदम सिंह शेखावत और अजय सिंघा द्वारा किया गया। मेजर जनरल महाजन ने कहा कि यह मेमॉयर अपने अनुभवों को दर्ज करने और कश्मीर की एक ऐसी सच्ची तस्वीर पेश करने की इच्छा से उपजा है, जो केवल हेडलाइंस तक ही सीमित न हो। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक को लिखने की प्रक्रिया में कई वर्ष लगे, जिसमें पुरानी यादों को संजोना, अनुभवों को व्यवस्थित रूप देना और पूरी सच्चाई व संवेदनशीलता सुनिश्चित करने के लिए गहन चिंतन शामिल था।

डॉक्टर्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले

जयपुर (कासं)। जय क्लब में एसआरके हॉस्पिटल डॉक्टर्स प्रीमियर टेनिस लीग सीज़न 6 तथा नवनीत इमेजिंग डॉक्टर्स पिकल बाल लीग सीजन 1 में कड़ी टक्कर के बाद सेमीफाइनल की टीमें तय हुई हैं। रविवार का दिन रोमांचक मुकाबलों से भरा रहा। लीग पेट्रन डॉ. संदीप निझावन, लीग ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. जयंत सेन व ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. अनिल यादव ने बताया कि डीपीपीएल के क्वार्टर फाइनल में राव हॉस्पिटल रेडर्स ने अग्रवाल किड्स हॉस्पिटल एवेंजर्स को 4-1 से हराया। राणा जॉइंट्स एंड लिगामेंट रॉकर्स ने टूथ सेवियर्स को 3-2 से मात दी। सोमानी स्पिन मास्टर्स ने पर्पल हेरॉन पैंथर्स को 4-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की, वहीं ब्रिक्स ब्लास्टर्स ने तरणी थंडर्स को 4-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

डॉ. राधामोहन दास प्रदेश प्रवास पर

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद,राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल आठ अप्रैल जयपुर प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे संगठनात्मक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे तथा पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकों में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार डॉ. अग्रवाल पांच अप्रैल को जयपुर पहुंचे। इसके बाद 6 अप्रैल को सुबह 8 बजे खाटू श्याम जी मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके पश्चात वे सीकर में जिला भाजपा कार्यालय में पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित संगठनात्मक कार्यक्रम में भाग लेंगे। साथ ही वह पूर्व विधायक केडी बाबर के निवास पर शिष्टाचार भेंट करेंगे एवं निजी होटल में आयोजित बौद्धिक सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सायंकाल 7 बजे डॉ. अग्रवाल सालासर बालाजी मंदिर में दर्शन कर जयपुर लौटेंगे। 7 अप्रैल को प्रातः 11 बजे डॉ अग्रवाल भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों एवं मोर्चा अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य एवं जिला कोषाध्यक्षों के साथ भी महत्वपूर्ण चर्चा करेंगे।

पेयजल संकट से निपटने के लिए जयपुर जिला प्रशासन मुस्तैद हुआ

कलक्टर के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारियों ने किया दौरा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । भीषण गर्मी के मद्देनजर संभावित पेयजल संकट को गंभीरता से लेते हुए जयपुर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। जिला कलक्टर संदेश नायक के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारियों ने फील्ड में जाकर हैंडपंपों

■ **कलेक्टर ने खराब हैंडपंपों को तुरंत सुधारने के सख्त निर्देश दिये**

की स्थिति का जायजा लिया। कलक्टर संदेश नायक ने स्वयं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था का जमीनी स्तर पर जायजा लेने के लिए आमेर तहसील के कुकस एवं खोरा मीना क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट उत्पन्न नहीं होने दिया जाए और जल स्त्रोतों की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने चिन्हित सभी खराब हैंडपंपों को आगामी 48 घंटे के भीतर दुरुस्त करने के सख्त निर्देश देते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को कहा कि तकनीकी खराबियों के कारण कोई भी जल स्त्रोत बंद नहीं रहना चाहिए। उन्होंने पेयजल आपूर्ति से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लापरवाही बरतने

कलक्टर संदेश नायक ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था का जमीनी स्तर पर जायजा लेने के लिए आमेर तहसील के कूकस और खोरा मीना क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए आमेर उपखंड क्षेत्र में विशेष तकनीकी टीमों की तैनाती की गई है, जो गांव-गांव जाकर खराब हैंडपंपों की मौके पर ही मरम्मत सुनिश्चित करेंगी। इसके साथ ही उपखंड अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रतिदिन जल आपूर्ति एवं मरम्मत कार्यों की प्रगति रिपोर्ट कलेक्ट्रेट को भेजें, जिससे कार्यों की सतत निगरानी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) तथा पीएचईडी हेल्पलाइन (1800-180-6088) के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिला कलक्टर ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि प्रशासन उनके द्वार तक स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की ढिलाई सहन नहीं की जाएगी।

करोड़ों रुपए की चोरी मामले में 5 साल से फरार बदमाश दबोचा

जयपुर । जवाहर नगर थाना पुलिस ने सीएसटी टीम के साथ संयुक्त कार्रवाही करते हुए पांच साल से फरार चल रहे 15 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल कि है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार अभियुक्त वर्ष -2021 में थाना इलाके से करोड़ों रुपयों के जेवर और नकदी चोरी कर फरार हो गया। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त से अन्य चोरी की वारदातों को लेकर पूछताछ करने में जुटी है।

डीसीपी ईस्ट रंजीता शर्मा ने बताया कि पीड़ित अजय कुमार गुप्ता ने 20 नवंबर 2021 को मामला दर्ज कराया था कि 19 नवंबर को वह दुकान चला गया था और परिवार रिश्तेदारी में कार्यक्रम में गया हुआ था। शाम को पत्नी लौटी तो घर के ताले टूटे मिले और अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। बदमाश अलमारी के ताले तोड़कर 2.70 लाख रुपए नकद, सोने-चांदी के जेवर, मोती सेट, चांदी के सिक्के, चांदी के गिलास, बच्ची के टॉप्स, मांग टीका, नोज पिन, आधार-पैन कार्ड और सीसीटीवी की डीवीआर चोरी कर ले गए। पुलिस ने इस मामले की छानबीन करते हुए पूर्व में शैतान सिंह बागरिया, हनुमान उर्फ शिवराम, शिवराज उर्फ होराज और तेजू उर्फ तेजा बागरिया को गिरफ्तार कर लिया था। जिसके बाद से भी मुख्य आरोपी सोनू उर्फ सोन्या फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी कि गिरफ्तारी के लिए उस पर 15 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। पुलिस ने सीएसटी टीम और तकनीकी सहायता से पांच साल से फरार चल रहे सोनू उर्फ सोन्या बागरिया (25) निवासी गांव सापुणदा, अजमेर निवासी को गिरफ्तार कर लिया।

सांगानेर में हाऊसिंग बोर्ड ऑफिस में आग

शॉर्ट सर्किट से बेसमेंट में रखा सामान जलकर खाक हुआ, आग बुझाने के लिए एयर वेंटिलेशन के शीशे तोड़ने पड़े

जयपुर। सांगानेर स्थित हाउसिंग बोर्ड ऑफिस में रविवार दोपहर भीषण आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से लगी आग से ऑफिस के बेसमेंट में रखा सामान जलकर खाक हो गया।

सीतापुरा फायर स्टेशन से पहुंची 5 दमकलों की मदद से करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग पर काबू पाने के लिए एयर वेंटिलेशन के शीशे तोड़ने पड़े। सीतापुरा फायर स्टेशनकर्मी रामस्वरूप ने बताया कि सांगानेर हाउसिंग बोर्ड सर्किल के ऑफिस में आग लगी थी। दोपहर करीब 2:30 बजे शॉर्ट सर्किट के चलते ऑफिस के बेसमेंट में आग लग गई। ऑफिस बंद होने के कारण पहले धुंआ निकलते दिखाई दिया। कुछ देर बाद बेसमेंट से आग की भीषण लपटे उठने लगी। आग की भीषण लपटों को उठता देखकर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। आग लगने की सूचना पर सीतापुरा फायर स्टेशन से टीम मौके पर पहुंची। फायरकर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए बेसमेंट में लगे एयर वेंटिलेशन के सभी शीशे तोड़े। फायर बिग्रेड की 5 गाड़ियों ने 2-3 फेरे लगाकर करीब 2 घंटे की मशक्कत कर आग पर काबू पाया। फायर स्टेशन से पहुंची टीम का कहना है कि आग से किसी प्रकार

की जनहानि नहीं हुई है। बेसमेंट में ऑफिस का कुछ सामान व कबाड़ रखा हुआ था। आग से पूरी तरह जलकर वह कबाड़ में बदल गया।

शातिर वाहन चोर पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर । विद्याधर नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि विद्याधर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर सुनील वी.के. (24) निवासी विद्याधर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी शातिर वाहन चोर है और मौज-मस्ती व अन्य शौक पूरे करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। उसके खिलाफ पूर्व में भी वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अन्य वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

ऑस्ट्रेलिया रवाना हुई भगवान परशुराम की मूर्ति

विधिवत पूजा-अर्चना के साथ परशुराम जयंती महोत्सव का आगाज हुआ

जयपुर। ब्रह्मपुरी स्थित नहर के गणेश जी मंदिर से रविवार को भगवान परशुराम की मूर्ति ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना की गई। सर्व ब्राह्मण महासभा (ऑस्ट्रेलिया चैप्टर) की पहल पर यह मूर्ति वहां स्थापित की जाएगी। इस दौरान संत-महंतों की मौजूदगी में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मूर्ति को विदाई दी गई।

महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने बताया कि इस कार्यक्रम के साथ ही परशुराम जयंती महोत्सव 2026 की औपचारिक शुरुआत भी की गई। आयोजन में 11 विद्वान ब्राह्मणों ने विधिवत पूजा संपन्न करवाई। संकष्टी चतुर्थी के अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष महाआरती का आयोजन भी किया गया। उन्होंने बताया कि करीब सवा दो फीट ऊंची इस मूर्ति को तैयार करने में लगभग एक माह का समय लगा। यह मूर्ति ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत के क्रेगिबर्न स्थित काली माता मंदिर में स्थापित की जाएगी। महासभा द्वारा इस वर्ष विदेशों में करीब 10 स्थानों पर परशुराम जयंती महोत्सव आयोजित करने की तैयारी की जा रही है। संगठन

ब्रह्मपुरी स्थित नहर के गणेशजी मंदिर से रविवार को भगवान परशुराम की मूर्ति ऑस्ट्रेलिया रवाना की गई।

का उद्देश्य भारतीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर स्थापित करना है और इसी दिशा में हर वर्ष विदेशों में भगवान परशुराम की मूर्तियां स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने बताया कि महोत्सव के तहत पूरे राजस्थान में एक माह तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें परशुराम गोष्ठी, संवाद,भगवा रैली और विद्वान सम्मान समारोह शामिल हैं। इस अवसर पर स्वामी बालमुकुंद आचार्य महाराज, घाट बालाजी के सुदर्शनाचार्य महाराज, मंदिर के महंत पंडित जय कुमार, गीता गायत्री मंदिर के पंडित राजकुमार चतुर्वेदी, काली माता मंदिर के महंत प्रेम नारायण तथा स्वाध्याय केंद्र के पंडित योगेश सहित कई संत-महात्मा मौजूद रहे।

उप निरीक्षक तथा प्लाटून कमांडर परीक्षा में पहले दिन में 55 फीसदी अभ्यर्थियों ने आजमाया भाग्य

जयपुर । राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उप निरीक्षक एवं प्लाटून कमांडर प्रतियोगी परीक्षा-2025 के प्रथम दिन जयपुर जिले में परीक्षा शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी वातावरण में सम्पन्न हुई। शहर के 199 परीक्षा केन्द्रों पर दो पारियों में आयोजित इस परीक्षा में 55 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लेकर अपना भाग्य आजमाया।

इस भर्ती परीक्षा के लिए कुल 74 हजार 855 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) नरेन्द्र कुमार वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम पारी में 41 हजार 915 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 32 हजार 940 अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय प्रश्न पत्र में 41 हजार 543 अभ्यर्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई, जबकि 33 हजार 312 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों पारियों में औसतन 55 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति दर्ज की गई। परीक्षा के दूसरे दिन जयपुर के 199 परीक्षा केन्द्रों पर कुल 74 हजार 861 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं।

कलक्टर संदेश नायक ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा कक्षों, नियंत्रण कक्ष, सुरक्षा प्रबंध एवं अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता रहे तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया, वहीं केन्द्रों के आसपास धारा 144 के प्रावधानों की पालना सुनिश्चित की गई। अभ्यर्थियों की गहन जांच के लिए प्रवेश द्वार पर मेटल डिटेक्टर, हैंड स्कैनर एवं मैन्युअल चेकिंग की व्यवस्था की गई, ताकि किसी भी प्रकार की अनुचित सामग्री परीक्षा केन्द्र में प्रवेश न कर सके। कलेक्टर ने अभ्यर्थियों से संवाद करते हुए उनकी समस्याएं जानीं और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को दिए।

ARBiT it happens here...

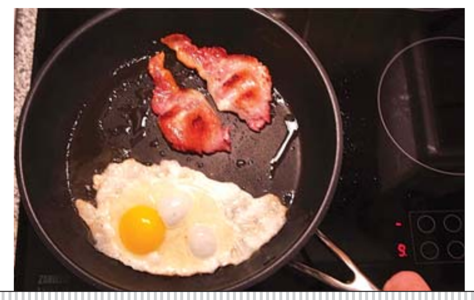

Celebrating the Discovery of Teflon

National Teflon Day is observed on April 6 to mark the discovery of Teflon, a revolutionary non-stick material that transformed modern cookware and various industrial applications. The material was accidentally discovered in 1938 by chemist Roy Plunkett while working for DuPont. Known for its heat resistance, durability, and non-stick properties, Teflon soon became widely used in kitchen utensils, electronics, medical devices, and aerospace technology. The day highlights how a chance scientific discovery can lead to innovations that simplify everyday life. It also celebrates the role of science and chemistry in shaping practical solutions that benefit households and industries around the world.

राष्ट्रदूत
MONDAY
06 April 2026
A-B

#SYMBOLISM

The Mystical History of Mirrors

In the spiritual life of Anatolian cultures, mirrors were far more than everyday objects. They were seen as sacred tools, capable of revealing hidden truths

Mirrors have long been objects of fascination and mystery, regarded as portals to the divine or supernatural. Their symbolism transcends mere reflection, representing deeper spiritual meanings across different cultures. From the polished obsidian mirrors of ancient Anatolia to the mercury glass mirrors of 16th-century Venice, mirrors have been sacred tools, linked to the divine, and transformed through history.

Obsidian Mirrors in Ancient Anatolia

In ancient Anatolia (modern-day Turkey), the earliest known mirrors were made from polished obsidian, a naturally occurring volcanic glass. These mirrors, often shaped into dark, shadowy disks, were highly prized for their reflective properties. Obsidian's glass-like surface was ideal for creating mirrors, and it was valued not just for its utility but also for its mystical significance.

In the spiritual life of Anatolian cultures, mirrors were far more than everyday objects. They were seen as sacred tools, capable of revealing hidden truths or facilitating communication with the divine. The dark, reflective surface of obsidian mirrors was believed to connect the user with the spiritual world, much like the 'smoking mirrors' used in Mesoamerican cultures. In both traditions, mirrors were thought to serve as portals to other realms, often used in rituals for divination or prophecy.

Mirrors in Ancient Egypt: Bronze and Copper Reflections

In ancient Egypt, mirrors were made primarily from polished bronze or copper. These metal mirrors had circular or oval shapes and were finely polished to create a reflective surface. Egyptians believed that mirrors symbolized the divine, especially the goddess Hathor, who represented beauty, love, and the afterlife. Mirrors were commonly used in religious rituals, often to reflect light in temples, symbolizing the illumination of divine power.

Beyond their role in daily life, mirrors were also used in burial practices, where they were placed in tombs to protect the deceased in their journey to the afterlife. The reflective quality of the metal was believed to ward off evil spirits and ensure that the soul was safely guided to the next world, reinforcing the idea of mirrors as objects of divine protection.

The Mercury Glass Revolution in 16th Century Venice

By the 16th century, the art of mirror-making had undergone a significant transformation, thanks to the Venetian glassmakers. In Venice, artisans developed a new method of mirror production using mercury to coat glass, creating a reflective surface far superior to the earlier metal and obsidian mirrors. This technique, known as mercury glass, revolutionized the mirror industry, making high-quality mirrors more accessible and enhancing their aesthetic appeal.

The Venetian mirrors became highly prized for their clarity and brilliance, with their production techniques kept secret for centuries. These mirrors were not only coveted by European aristocracy but were also symbols of wealth and status. The mirrors' reflective properties, combined with their luxurious design, made them perfect for decorating palaces and churches, where they were seen as symbols of divine light and power.

Interestingly, the use of mercury also added a layer of mystique to the Venetian mirrors. Mercury, associated with alchemy and transformation, imbued the mirrors with an esoteric aura. In some circles, the reflective surface was thought to possess mystical powers, enhancing the mirror's role as a tool for spiritual insight.

Mirrors as Sacred Objects Across Cultures

Throughout history, mirrors have held profound spiritual significance beyond their use as simple reflective surfaces. In Mesoamerica, polished obsidian mirrors were used in rituals to communicate with gods, particularly the Aztec god Tezcatlipoca, the 'Smoking Mirror,' who was associated with night and divination. In Japan, the mirror was one of the Three Sacred Treasures of the Imperial Regalia, symbolizing wisdom and the divine.

Mirrors also played a role in Chinese and Tibetan cultures, where they were used for divination and to ward off evil spirits. In these traditions, mirrors were seen as tools of reflection, not just of the physical world but also of the soul and the unseen forces around it.

Buddha Statue, Bhutan with white Khata Khadar.

A Grandson's Search Of Grandpa

PART:1

"Your grandfather would have slept in this room," said Rinzing, snapping me back to the moment. I pulled back the window's thin curtain and looked out on a stack of rain-soaked firewood and, beyond it, mountain slopes rising sharply and vanishing in a swirl of mist. This would have been the same view that Baird beheld each morning during his stay here so long ago.

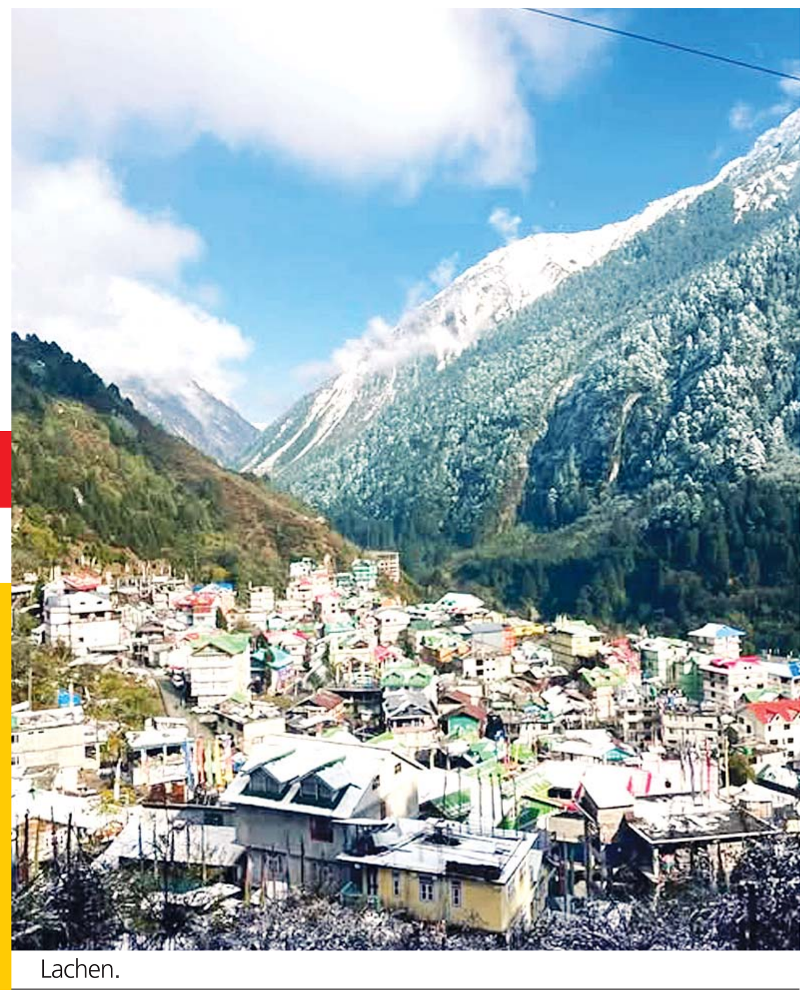

Lachen.

#JOURNEY

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

The weather-beaten door swung open with little resistance, and I followed Rinzing Chewang into the unlit bungalow. "Watch out!" he said in accented English, and I dodged a gaping hole in the floor just in time. We crossed a high-ceilinged parlor, where a framed poster of the Buddha, draped in a white silk khata, gazed at us from a soot-tinged mantel.

At the end of a dim hallway, Rinzing pushed open another door and stood back. "This is the bedroom," he announced, as if he were showing me to my quarters. A pair of twin beds, the room's only furnishings, stood naked, mattresses uncovered, pushed up against a dull yellow clapboard wall. Gray light seeped in through a grimy window. Walker Evans's Alabama sharecroppers might have lived here.

Who actually had stayed here, I'd recently discovered, was a tall Scotsman of rugged good looks and incurable wanderlust. Francis K. I. Baird. My maternal grandfather. In 1931, he and fellow adventurer Jill Cossley-Batt journeyed to this remote Himalayan village, called Lachen, in North Sikkim, near the border of Tibet. Somewhere in these borderlands, the couple claimed to have discovered a 'lost tribe' of cave dwellers living high up a mountain wall. The clan folk were unsullied by Western avarice, the adventurers proclaimed, and they lived well past the age of 100.

At the time, Lachen was an isolated settlement composed almost entirely of self-sufficient indigenous farmers and herders with strong familial ties to Tibet. Hanging on the lip of a ridge amid thundering brooks and plunging, fir-covered slopes, the village still retains much of its bucolic charm. Along the rutted dirt road that serves as its main thoroughfare, Baird and Batt found shelter in this so-called dak bungalow. Resembling a rough-hewn English cottage, the structure was one of dozens, if not hundreds, of such peak-roofed bungalows built in the time of the raj to billet officers along military roads and postal routes spanning the vast reaches of British India. Back in Baird's day, the bungalow would have been more comfortably furnished. Now, it was all but abandoned behind a locked gate, evidently slated for demolition.

My mother was not yet five when she waved goodbye to her father as he boarded an ocean liner on the Hudson River in 1930, bound for India. He promised to return rich and famous, flush with tales of wonderment to recount to his adoring daughter, Flora. It was a promise he did not keep.

Ten years passed before my mother next saw him, in a chance encounter on the New York waterfront. The meeting was stiff and perfunctory, over in a matter of minutes. She never laid eyes on him again. Until the end, her father remained a man of unanswered questions, a purveyor of mystery and source of lifelong bereavement.

The Loop, Agony Point, Darjeeling Hill Railway, 1880.

She went to her grave without knowing what had become of him. She knew not where he died, when he died, or even if he'd died.

"Your grandfather would have slept in this room," said Rinzing, snapping me back to the moment. I pulled back the window's thin curtain and looked out on a stack of rain-soaked firewood and, beyond it, mountain slopes rising sharply and vanishing in a swirl of mist. This would have been the same view that Baird beheld each morning during his stay here so long ago.

In the dozen years since my mother's death, I have initiated a quest of my own: to find out more about this man I never met, and to uncover the hidden role he has played in shaping my life and strivings. I have unearthed scores of documents, occasional letters he sent home, news clippings, photographs, even a film clip shot by the couple during their journey into the Himalaya. I found an obituary so deeply buried inside the archives of the New York Times that an ordinary search through the paper's Web portal does not reveal it. (He died in 1964.)

Of particular interest is a file compiled by the British India Office, whose officers were deeply suspicious of Baird and Batt, fearing they would provoke an incident if they entered Tibet. The office even assigned an agent to tail them. That was how I came to find out they'd stayed here in Lachen's dak bungalow. And now, here I was, standing for the first time in my life in a room where I knew my grandfather had slept. "Maybe, we go now?" Rinzing suggested. A robust man of medium height and irrepressible good humour, Rinzing, 49, is Lachen's postmaster. Like so many people I'd met since arriving in India, he enthusiastically offered to help as soon as I explained the nature of my mission. His grandfather, it turned out, was the village headman at the time Baird came to town. "They would have known each other," he said.

I'd begun the journey to retrace my grandfather's footsteps in Kolkata (previously called Calcutta) ten days earlier. The city was in the midst of preparing for the massive, weeklong Durga Puja festival to celebrate the ten-armed Hindu goddess Durga. Workers were stringing lights along the boulevards and raising bamboo-framed pavilions that would house enormous, handcrafted like-nesses of the goddess mother and her pantheon of lesser deities.

I knew Baird had started his quest here as well. I was in possession of a letter he'd sent home from Calcutta in the spring of 1931. He noted the 'damnably hot' weather, as well as the startling spectacle of raw, unvarnished humanity on display on the city streets: pilgrims, hustlers, snake charmers, 'untouchables' sleeping openly on the pavement. The letter was written on stationery from the legendary Great Eastern Hotel.

Known back then as the Jewel of the East for its unrivaled opulence, the Great Eastern has hosted such luminaries as Mark Twain, Rudyard Kipling and a young Elizabeth II. It's been in the throes of renovation for the past five years under ownership of the Delhi-based Lalit hotel group, and sheet-metal blinds obscured much of the hotel's stately, block-long facade of columns and crenelated parapets. Still, it was a thrilling sight to behold as I stepped from my cab into the liquid heat of midday.

A turbaned sentry smiled through a regal mustache as I passed through a metal detector and entered the hotel's gleaming, ultra-modern lobby. Chrome, marble, fountains. A rush of attendants, men in dark suits, women in flaming yellow saris, bowed to greet me, their palms pressed together in a gesture of disarming humility.

To get a better feel of what the old hotel was like, I asked concierge Arpan Bhattacharya to take me around the corner to Old Court House Street and the original entrance, currently under renovation. Amid blaring horns and the roar of exhaust-belching buses, we sidestepped beggars and ducked under a low scaffold. "This way led to the rooms," said Arpan and gestured up a stairway. "And this other side led to Maxim's." I followed him up the steps. We entered a spacious, vaulted room where masons with trowels and buckets of cement were restoring the old club. Maxim's had been one of the most glamorous nightspots in all of British India. "Not everyone could come here," Arpan said. "Only high-class people and royalty." As workers restored the past in a din of whining machinery, I had the strange sensation of catching a glimpse of Grandfather at his most debonair. He was bounding up these steps, Jill on his arm in slinky dress and bobbed, flapper hair, keen for a last night of music, drink and merriment before the next day's train north towards the Himalaya.

It would have been easier for me to hop a quick 45-minute flight to Siliguri's airport, Bagdogra. From there, I could have hired a car for the onward journey to Darjeeling. But in the early 1930s, the only viable way into the northern mountains was by rail, particularly since Baird and Batt were hauling dozens of crates packed with gear and provisions. Rail was the best way to recreate their journey. I would take the overnight train to Siliguri and from there catch the Darjeeling Himalayan Railway, the celebrated 'Darjeeling Express.' It was the same train they'd have taken on their way into the mountains.

My own luggage was modest by comparison: a suitcase and two smaller bags. Friends nonetheless had warned me to keep a close eye on my belongings. Sleeper cars are notorious sinkholes where things go missing, particularly in the open compartments and aisle berths of second class. Having booked at the last minute, second class was the best I could do. As I reached my assigned upper berth on the aisle, I wondered how I would manage to safeguard my stuff.

"Put it under here," came a lilting voice from across the aisle. A woman in her mid-50s was pointing beneath her bunk, which was perpendicular to the corridor and offered much better protection. She wore a long, embroidered dress and matching pink head scarf. Her forehead was adorned with a bright red bindi, and she wore a gold stud in her nose. Despite her Bengali dress, there was something in her aquiline features and British accent that suggested she was from elsewhere. "I'm A.I.," she said with a brilliant white smile. "Anglo-Indian." Born to a British father and an Indian mother, Helen Rozario was an English teacher at a private boarding school in Siliguri. She was on her way back there after seven months of cancer treatments in Jharkhand.

A trim teenager in black T-shirt and coiffed pompadour came aboard and stowed a guitar on the upper bunk opposite Helen. "My name is Shayan," he said, offering a firm handshake. "But my friends call me Sam." Though music was his passion, he was studying to be a mining engineer in Odisha, a restive state rife with Maoist insurgents. "I plan to be a manager for Coal India." He'd wanted to stay put on campus and study for upcoming exams, but his family had other plans. They insisted he return home for the holidays, to Assam in India's northeast. "My mother is forcing me," he said with a rueful smile.

Soon, we were beset by a non-stop parade of freelance vendors pushing down the aisle, hawking spicy peanuts, comic books and plastic figurines of the Durga. Helen bought me hot chai, served in a paper cup. I wondered if it all wasn't a bit much for a grown woman traveling on her own: the dingy bunks, the relentless assault of peddlers, the heavy scent of urine wafting through the car. "The train's all right," she said cheerfully. She said she'd never been on an airplane. "One day, I'd like to try it."

I passed a night of fitful sleep, curled up on the narrow bunk, the lumpy backpack I'd stuffed with camera and valuables for a pillow. It was barely dawn when Helen arose and drew open the window shade. Outside, tin-roofed shacks slid past amid expansive fields of rice, tea and pineapple. "Get your things ready," said Helen, rummaging around beneath her berth. "Our station's coming up."

His destination was still far off, but Sam joined us on the platform to bid farewell. I couldn't have asked for a merrier pair of travel companions. As a pale yellow sun rose over the rail yard, I scribbled down Helen's phone number. "Call me someday," she said and vanished in the crowd.

The train to Darjeeling has a platform of its own at Siliguri's old railway station, a short car ride from the main terminal. That's because it still runs on the same narrow-gauge track designed by British engineers 130 years ago to haul colonial administrators, troops and supplies up 7,000 vertical feet to the burgeoning tea estates of Darjeeling. The advent of the railway in 1881 put Darjeeling on the map. It soon became one of the most prominent hill stations in British India, the summer command center and playground for viceroys, functionaries and families seeking to escape the heat and multitudes of Calcutta.

The Darjeeling Himalayan Railway also served as a conduit for a growing legion of adventurers heading into one of the world's most untamed, majestic and formidable regions. George Mallory figured among the succession of early 20th-century mountaineers who journeyed aboard the train on the way to Everest via Sikkim and Tibet. In 1931, the DHR bore Baird and Batt with all their supplies to Darjeeling, the operational base for their enterprise, which they christened the British-American Himalayan Expedition with no small measure of grandiosity.

Goats rummaged languidly in the midmorning sun, as I waited for the train to arrive. Finally, nearly an hour behind schedule, a blue diesel locomotive backed into the station, pushing three passenger cars. It was immediately apparent that the railway's narrow-gauge specs had miniaturized its moving stock as well. The engine and the cars were each about half the size of a typical train. Because of its diminutive size, and perhaps, also because some of its locomotives are steam engines that bear a strong likeness to Thomas the Tank Engine, the rail line is popularly called the Toy Train.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

The Great Eastern Hotel.

#JOHN D. ROCKEFELLER

From Oil Tycoon to Philanthropist

At 53, Rockefeller was suffering from severe health problems, which included chronic insomnia, gastritis, and a variety of stress-related ailments

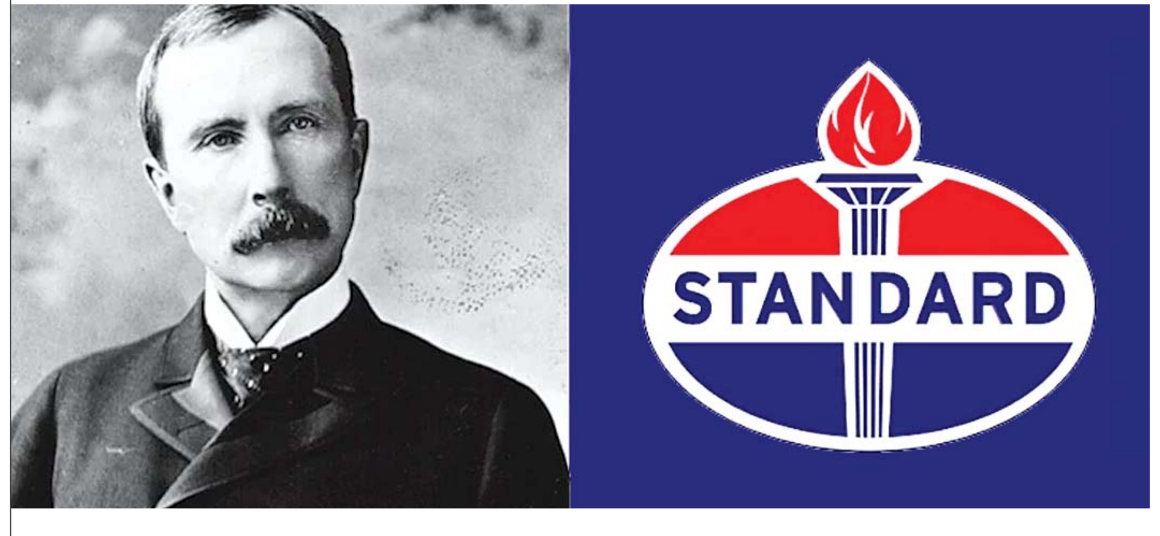

John D. Rockefeller was once the wealthiest man in the world, known for his ruthless business practices and dominance in the oil industry. His fortune, which reached an estimated $400 billion (in today's dollars), made him a symbol of American success and industrial power. However, his story is not just one of wealth and business; it is also a tale of personal transformation, health struggles, and a profound shift in his views on money, life, and legacy.

The Rise of Rockefeller: King of Oil

Born on July 8, 1839, in Richford, New York, John D. Rockefeller grew up in a modest household. His father was a traveling salesman, and his family often lived in financial uncertainty. However, Rockefeller displayed an early aptitude for business, which would later lead him to dominate the oil industry.

In 1870, Rockefeller founded the Standard Oil Company, which revolutionized the American oil industry by controlling nearly every aspect of oil production, refining, distribution, and marketing. By the late 19th century, Standard Oil had a monopoly on oil in the United States, and Rockefeller's wealth surged as he expanded his empire. At its peak, Standard Oil controlled around 90% of the U.S. oil market.

Despite his immense wealth, Rockefeller faced criticism for his monopolistic practices. He was often portrayed as a ruthless businessman who crushed competitors and manipulated the market to maintain his control over the oil industry. However, his story took a dramatic turn in his later years.

The Illness That Changed Everything: The Turning Point at 53

In 1897, at the age of 53, Rockefeller was suffering from severe health problems, which included chronic insomnia, gastritis, and a variety of stress-related ailments. His health had deteriorated to the point where he was bedridden and reportedly in constant pain. Rockefeller, who had spent decades building his empire and accumulating vast wealth, found himself confronting his mortality in a way he had never expected.

At this low point in his life, Rockefeller realized that his wealth had not brought him happiness, health, or peace. He was in a position where even the best doctors and all his money could not alleviate his suffering. Rockefeller's condition seemed dire, and he was said to have been given only a few months to live.

However, something remarkable happened. He began to take a new approach to his health. With the help of a physician who suggested a new, balanced diet, a regimen of rest, and a focus on natural healing, Rockefeller's health began to improve. Slowly, the pain that had consumed him lessened, and he regained his strength. This recovery was nothing short of miraculous, and it marked a significant turning point in his life.

The Rockefeller Transformation: From Wealth to Philanthropy

Rockefeller's recovery led to a deep reflection on his life. He realized that the pursuit of wealth, while it had brought him immense power and material success, had also left him with nothing of true lasting value. In the midst of his recovery, he had an epiphany: wealth alone was not the key to happiness or fulfillment. Instead, he began to believe that a life of purpose, service, and giving was the true path to contentment.

This realization sparked a profound transformation in Rockefeller's outlook. He shifted his focus away from accumulating more wealth and towards using his fortune for the greater good. This shift would define his later years.

The Rockefeller Foundation: A Legacy of Charity and Innovation

In 1901, Rockefeller established the Rockefeller Foundation, one of the first major philanthropic organizations of its kind. His goal was to promote the well-being of humanity by funding research, healthcare, education, and social causes. One of his most significant contributions was funding the study of penicillin, which would later play a crucial role in the development of life-saving antibiotics. This research helped shape the future of modern medicine.

The Rockefeller Foundation also funded public health programs, the establishment of medical institutions, and even the creation of educational programs aimed at improving global living standards. Rockefeller's shift from wealth accumulation to philanthropy marked the beginning of a new chapter in his life, one focused on giving back to society.

Reflection on Wealth and Life

In his later years, Rockefeller was known to reflect on his life and his transformation from a business magnate to a philanthropist. He often spoke about the lesson he had learned from his health crisis: that wealth was nothing if it didn't contribute to the greater good.

Rockefeller's experience of pain, illness, and recovery led him to redefine success in terms of service and contribution. His health crisis forced him to reevaluate his entire philosophy of life. Where once he had focused on building his empire, he now focused on building a legacy of giving and healing.

THE WALL

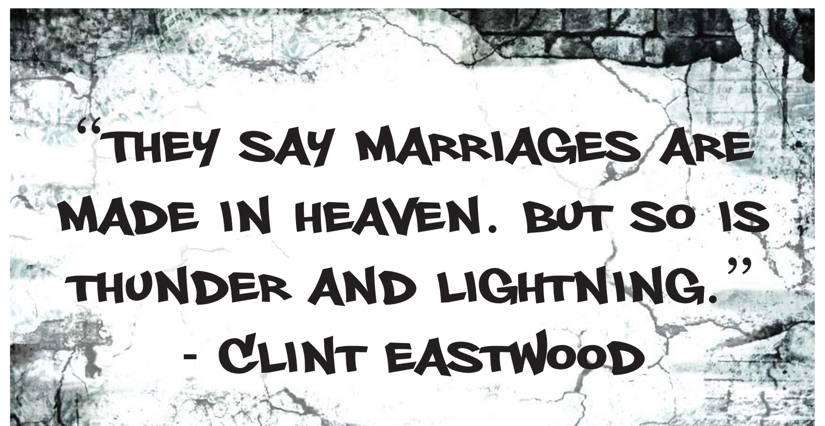

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

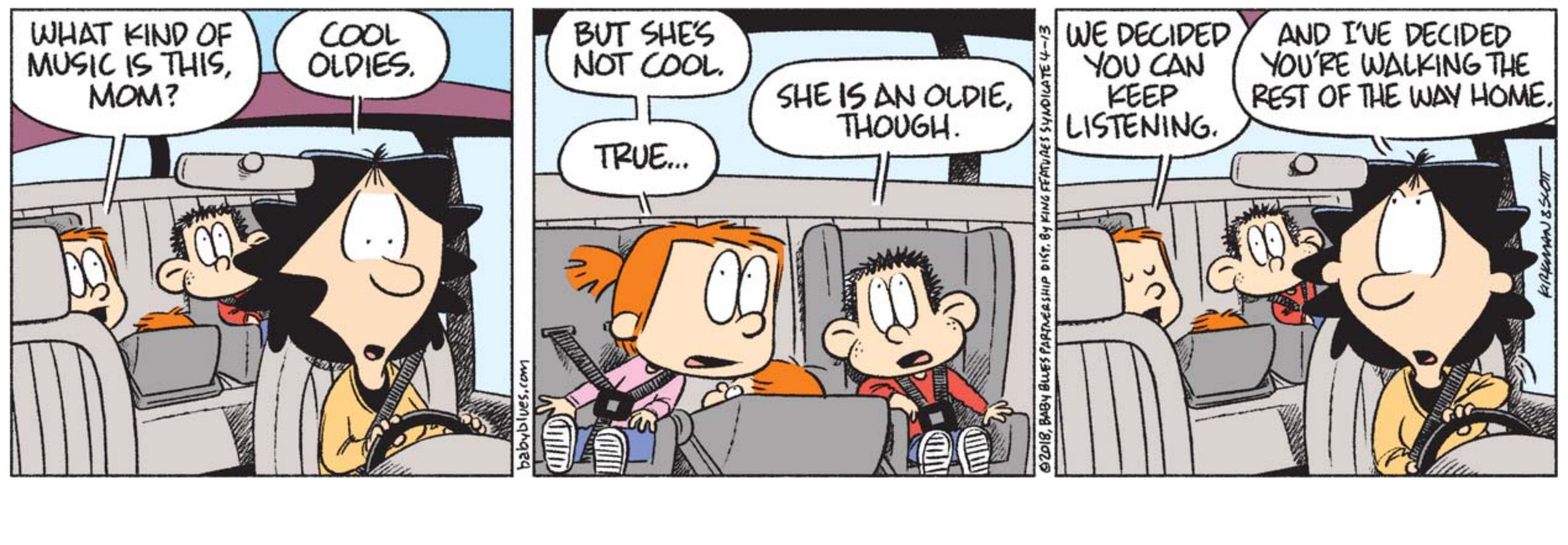

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

झुंझुनूं में विवाहिता की संदिग्ध मौत से सनसनी

मॉर्च्युरी के बाहर भिड़े दोनों पक्ष फौजी पति पर हत्या का आरोप

झुंझुनूं। जिले के धनूरी थाना क्षेत्र के कोलिंडा गांव में 24 वर्षीय विवाहिता सबीना उर्फ सोनू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने सनसनी फैला दी है। पीहर पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या का गंभीर आरोप लगाया है, जबकि ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बताने की कोशिश में है। मामला उस समय और गर्मा गया जब रविवार सुबह मॉर्च्युरी के बाहर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और विवाद मारपीट में बदल गया।

जानकारी के अनुसार, सबीना का निकाह करीब ढाई वर्ष पहले कोलिंडा निवासी इकरार खान से हुआ था, जो भारतीय सेना की 16 ठोनेडियर्स यूनिट में तैनात है और वर्तमान में कुपवाड़ा में पोस्टेड है। बताया जा रहा है कि इकरार घटना से कुछ दिन पहले ही छुट्टी पर घर आया हुआ था। पीहर पक्ष का आरोप है कि शादी में सोने-चांदी के जेवर, कपड़ और अन्य सामान देने के बावजूद ससुराल पक्ष लगातार अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहा था। आरोप है कि इसी को लेकर सबीना को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों का दावा है कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि पूर्व नियोजित हत्या है, जिसे अब आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की जा रही है।

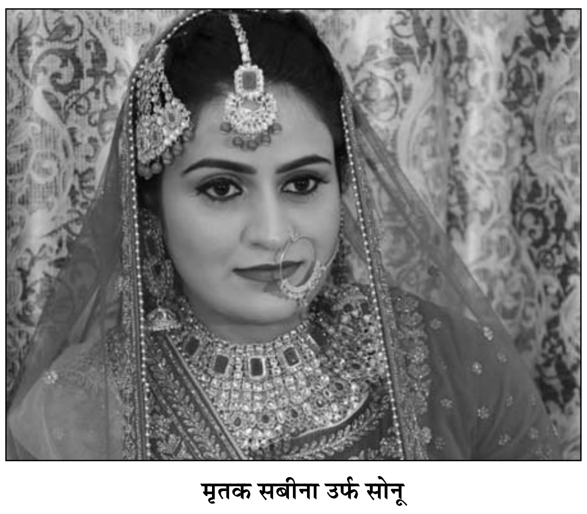
मृतक सबीना उर्फ सोनू

- पुलिस ने दर्ज किया मामला
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी सच्चाई

घटना के बाद धनूरी थाना पुलिस व डिप्टी हरि सिंह धायल जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर मलसीसर उप जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पोस्टमार्टम के दौरान अस्पताल परिसर में दोनों पक्षों के लोग बड़ी संख्या में जमा हो गए, जहां तीखी बहस के बाद मामला हाथापाई तक पहुंच गया। पुलिस ने मौके पर हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया।

पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव पीहर पक्ष को सौंप दिया है। डिप्टी हरि सिंह धायल ने बताया कि परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है और हर पहलू से जांच की जा रही है।

अब पूरे मामले की सच्चाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आ पाएगी, जिस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट

गंगापुर सिटी । रविवार को मुख्यमंत्री आवास, जयपुर में भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर विधानसभा क्षेत्र गंगापुर सिटी सहित पूरे जिले के समग्र विकास कार्यों को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की। यह मुलाकात क्षेत्र के विकास के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें विभिन्न जनहितकारी विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक संवाद हुआ। भेंट के दौरान मानसिंह गुर्जर ने गंगापुर सिटी विधानसभा क्षेत्र की वर्तमान आवश्यकताओं, आधारभूत ढांचे की स्थिति तथा क्षेत्र के विकास से जुड़े प्रमुख मुद्दों को विस्तार से मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने सड़क, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन एवं नगरीय विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए क्षेत्र के समग्र विकास के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने विशेष रूप से गंगापुर सिटी में बढ़ती जनसंख्या के अनुरूप आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सड़क नेटवर्क के विस्तार, जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने, विद्युत आपूर्ति को सुचारू एवं निर्बाध रखने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में ठोस कार्ययोजना की आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने शिक्षा क्षेत्र के विकास पर भी विशेष ध्यान आकर्षित किया और विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को बेहतर शिक्षा एवं कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है।

मण्ड्रेला में दिनदहाड़े बवाल : वायरल वीडियो के बाद पुलिस का बड़ा एक्शन, 11 आरोपी गिरफ्तार

- डाबड़ी बाईपास पर दो पक्षों में मारपीट
- शांतिभंग में की कार्रवाई-एसपी के निर्देश पर ताबड़तोड़ पहचान कर दबिश
- थाना मण्ड्रेला के थानाधिकारी कैलाशचन्द के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया

झुंझुनूं। जिले के मण्ड्रेला कस्बे में डाबड़ी बाईपास पर दिनदहाड़े हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के 11 लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपियों की पहचान कर त्वरित कार्रवाई को अंजाम दिया। यह कार्रवाई कावेन्द्र सिंह सागर (पुलिस अधीक्षक, झुंझुनूं) के निर्देशन, देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा विकास धींधवाल के सुपरविजन में की गई। थाना मण्ड्रेला के थानाधिकारी कैलाशचन्द के नेतृत्व में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया।

वायरल वीडियो बना कार्रवाई का आधार : जानकारी के अनुसार 4 अप्रैल को करीब 3 बजे डाबड़ी बाईपास पर दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मामला मारपीट में बदल गया था। इस दौरान हुई घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर दोनों पक्षों के 11 लोगों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया।

त्वरित एक्शन, इलाके में बना संदेश : पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से क्षेत्र में स्पष्ट संदेश गया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर शांति व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में सख्त कदम उठाया है। कार्रवाई में थानाधिकारी कैलाशचन्द के साथ उपनिरीक्षक हरिगोपाल, कांस्टेबल नरेन्द्र कुमार और मुकेश कुमार सहित पुलिस टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार, जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जा रही है और आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आचार्य संदीप कृष्ण शास्त्री ने सुनाए सृष्टि से भीष्म चरित्र के प्रसंग

गंगापुर सिटी । तलावड़ा स्थित अमरगढ चौकी में रविवार को श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े। कथावाचक आचार्य पं. संदीप कृष्ण शास्त्री ने विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया, जिससे श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। कथा कार्यक्रम से जुड़े हरिमोहन कानुडा और आयोजक बृजराज सिंह ने बताया कि कथावाचक ने श्रीमद भागवत कथा के महत्व, महिमा और श्रवण के फल का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने सृष्टि की उत्पत्ति का प्रसंग सुनाते हुए ब्रह्मा द्वारा सृजन प्रक्रिया को समझाया। इसके साथ ही भीष्म चरित्र का उल्लेख करते हुए उनके त्याग, सत्यनिष्ठा और धर्म के प्रति अटूट संकल्प को प्रेरणादायक बताया। कथा में भगवान के चौबीस अवतारों, नारद-व्यास संवाद और राजा परीक्षित के जन्म प्रसंग की भी व्याख्या की गई। कथा के दौरान प्रस्तुत किए गए भजनों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर भजनों पर झूमे और कई भावविभोर होकर नृत्य करने लगे। कथा के समापन पर आरती की गई और उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

सीएम की अलवर के विकास कार्यों पर नजर

अलवर । अलवर के विकास कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीएम हाउस में समीक्षा बैठक कर स्थानीय नेताओं से फीडबैक लिया। इस दौरान दो साल में हुए विकास कार्यों की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया और विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने अलवर शहर में पिछले दो वर्षों में हुए विकास कार्यों की जानकारी लेते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। बैठक में वन राज्य मंत्री संजय शर्मा, अलवर भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, दिनेश गुप्ता सहित चारों मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभागीय योजनाओं और कार्यों की समीक्षा की। सीएम हाउस में आयोजित इस बैठक में 'हरियालो राजस्थान', 'नमो नर्सरी' जैसी

- 2 साल की उपलब्धियों की पुस्तिका का विमोचन, योजनाओं की विस्तृत समीक्षा
- बैठक में वन राज्य मंत्री संजय शर्मा, अलवर भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, दिनेश गुप्ता सहित चारों मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे।

योजनाओं के साथ विभिन्न विभागों के बजट कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। सीएम भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को उसका लाभ मिल सके। साथ ही उन्होंने स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से सरकार के कार्यों को लेकर आमजन की प्रतिक्रिया भी जानी और सुझावों पर गंभीरता से विचार करने की बात कही।

इस दौरान दो साल में हुए विकास कार्यों की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया और विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई इस दौरान दो साल में हुए विकास कार्यों की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया और विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान काफी देर तक चर्चा चली, जिसमें अलवर से जुडे बड़े विकास कार्यों और आगामी योजनाओं पर भी मंथन किया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में तेजी लाकर जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना सरकार की प्राथमिकता है।

शोभायात्रा का पोस्टर जारी

गंगापुर सिटी । डॉ. बी.आर. अंबेडकर महासभा द्वारा 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती पर निकाली जाने वाली शोभायात्रा के पोस्टर का विमोचन किया गया। यह कार्यक्रम स्थानीय अंबेडकर पार्क, तलाई के पास महू कला में उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। महासभा के अध्यक्ष सतीश धामोनिया ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, समानता और शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उनके विचार आज भी समाज को दिशा प्रदान कर रहे हैं। कोषाध्यक्ष हेमराज महावर ने जानकारी दी कि इस वर्ष शोभायात्रा को भव्य और आकर्षक स्वरूप दिया जाएगा, जिसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कार्यक्रम के दौरान महासभा के पदाधिकारियों ने समाज के लोगों से 14 अप्रैल को आयोजित होने वाली शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में भाग का आव्हान किया।

झुंझुनूं में कड़ी सुरक्षा के बीच हुई पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा

झुंझुनूं। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को आयोजित पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा जिले में सख्ती और अनुशासन की मिसाल बन गई। प्रशासन के 'जीरो टॉलरेंस' रवैये के चलते 2 मिनट की देरी भी अभ्यर्थियों पर भारी पड़ गई और सैकड़ों कैंडिडेट्स परीक्षा केंद्र के बाहर ही रह गए।

सबसे अधिक भावुक दृश्य जिला मुख्यालय स्थित आरआर (मोरारका) राजकीय कॉलेज के बाहर देखने को मिला, जहां तय समय के बाद पहुंचे अभ्यर्थियों को गेट पर ही रोक दिया गया। कई कैंडिडेट्स हाथ जोड़कर गुहार लगाते रहे, कुछ रो पड़े, लेकिन नियमों के आगे किसी की एक नहीं चली।

सैकंड की देरी भी पडी भारी : प्रशासन के स्पष्ट निर्देश थे कि निर्धारित समय के बाद एक सेकंड की भी छूट नहीं दी जाएगी। सुबह 10 बजे के बाद मुख्य गेट बंद कर दिए गए। वहीं सिर्फ 2 मिनट लेट पहुंची साक्षी को भी प्रवेश नहीं मिला। गुढ़ागौड़जी के पंकज 10:08 बजे पहुंचे और परीक्षा से वंचित रह गए। इसी तरह निधि, संपत और बिसाऊ के संपत प्रजापत जैसे कई

शहर के मोरारका कॉलेज के बाहर निर्धारित समय के बाद गेट बंद होने पर प्रवेश के लिए गुहार लगाते अभ्यर्थी, कड़ी सुरक्षा में जांच करती टीम

अभ्यर्थी चंद मिनटों की देरी के कारण बाहर ही रह गए।

सुरक्षा इतनी कडी कि आस्तीनें तक काटी गईं : नकल और फर्जी अभ्यर्थियों पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए इस बार अभूतपूर्व सख्ती देखने को मिली। परीक्षा केंद्रों के बाहर ही कैंची से फुल स्लीव शर्ट की आस्तीनें काटी गईं गले, हाथ-पैरों के धागे, गहने, बालियां और जूते तक उतरवाए गए मेटल डिटेक्टर से बालों तक की जांच की गई और प्रवेश से पहले आईडी और एडमिट कार्ड का बारीकी से मिलान हुआ ।

जिले के 46 परीक्षा केंद्रों पर भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा और कड़ी निगरानी के बाद ही अभ्यर्थियों को अंदर प्रवेश दिया गया।

- आस्तीनों पर चली कैंची, मेटल डिटेक्टर से बालों तक जांच-46 केंद्रों पर पुलिस का सख्त पहरा
- 2 मिनट की देरी पर भी बंद हुए गेट, रोते रह गए अभ्यर्थी

फ्लाइंग टीमों की सख्त निगरानी : नकल पर नकेल कसने के लिए 8 फ्लाइंग टीमें लगातार परीक्षा केंद्रों का मुआयना करती रहीं। हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी गई, जिससे परीक्षा की गोपनीयता पूरी तरह सुरक्षित रही।

सुबह की पारी: 15,146 में से 8,426 उपस्थित रहें (55.63) वहीं दोपहर की पारी: 15,146 में से 8,339 उपस्थित रहे (55.06) उपस्थित रहे।

115 यूनिट रक्तदान

अलवर। महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के पावन अवसर पर अलवर जिला सैनी महासभा संस्थान, राष्ट्रीय सैनी सभा और सैनी समाज विद्यार्थी उन्नत शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 7 दिवसीय कार्यक्रमों के तहत आज रक्तदान शिविर एवं प्रतिभा सम्मान समारोह कम्पनी बाग के सामने स्थित दॉ रिवाज रिसोट अलवर में सम्पन्न हुआ। अलवर जिला सैनी महासभा अध्यक्ष अनिल सैनी (गब्बर भाई) ने बताया कि आज आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं द्वारा 115 युनिट रक्तदान किया रक्तदान शिविर में सेठ माखन लाल चैरिटेबल ट्रस्ट की युनिट ने रक्त संग्रहण में सहयोग किया। सभी रक्तदाताओं को आपनी सुरक्षा के हेलमेट व प्रशस्ति-पत्र एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। सैनी समाज विद्यार्थी उन्नत शिक्षण संस्थान अध्यक्ष विकास बबेरवाल ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह में 577 प्रतिभाओं को सम्मनित किया गया। जिसमें वर्ष 2025-26 में कक्षा 10वीं के 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली 207 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

नादौती पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 24 घंटे में चोरी का खुलासा

हिंडौन सिटी । जिले के नादौती थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे में चोरी की वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नकद राशि और सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं।

जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 3 अप्रैल 2026 को गुना निवासी हजारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि सुबह घर में ताला लगाकर वह दुकान चला गया और उसकी पत्नी जंगल में बकरी चराने गई थी। इसी दौरान गांव का ही महेन्द्र कुमार सूने मकान का दरवाजा खोलकर सन्दूक चोरी कर ले गया। दोपहर में बेटे विष्णु ने आरोपी को सन्दूक ले जाते हुए देखा और इसकी सूचना दी। घरवालों के पहुंचने पर सन्दूक में रखे करीब 7 लाख रुपये नकद और सोने-चांदी के जेवरात गायब मिले। मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी महेन्द्र कुमार (33) निवासी गुना को पहाड़ी क्षेत्र से डिटेन

- पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नकद राशि और सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं।
- आरोपी सन्दूक ले जाते हुए दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी

कर गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी की निशानदेही पर 7,53,760 रुपये नकद और करीब 4 लाख रुपये के जेवरात बरामद किए गए। इस तरह कुल करीब 11.50 लाख रुपये की संपत्ति बरामद हुई। कार्रवाई में थानाधिकारी ओमेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम में बीधाराम एसआई, वीरेन्द्र, ठाकुर और मनोज शामिल रहे।

40 गांवों में पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी

खेतड़ी, ।। क्षेत्र के लोगों को अगले दो दिन पानी के लिए जूझना पड़ सकता है। कुंभाराम लिफ्ट परियोजना के तहत मुख्य राइजिंग पाइपलाइन में लीकेज सुधार और मेंटेनेंस कार्य के चलते 6 और 7 अप्रैल को करीब 40 गांवों में पेयजल आपूर्ति पूरी तरह बाधित रहेगी।

जानकारी के अनुसार, चारावास पंप हाउस से खरकड़ा टैंक तक तथा खरकड़ा से खेतड़ी शहर तक आने वाली मुख्य पाइपलाइन में तकनीकी खराबी को दुरुस्त करने के लिए यह कार्य किया जा रहा है। विभाग का कहना है कि यह मरम्मत कार्य आवश्यक है, जिससे भविष्य में निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इन क्षेत्रों में रहेगा असर - इस कार्य के चलते खेतड़ी, गोठड़ा सहित राजोता, बांसियाल, नानूवाली बावड़ी, शिमला, गोरीर, दूधवा, मानोता, रंवा, मेहाड़ा, बसई, नांगलिया समेत आसपास के करीब 40 गांवों में जल आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

आरकेपुरम पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा संचालित के मामले में तीन आरोपी पकड़े

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम् पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना पर इलाके में स्थित एक होटल में दबिश देते हुए आईपीएल मैंचो पर ऑनलाईन सट्टा संचालित करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस टीम ने मौके से तीन मोबाईल एवं सट्टे के हिसाब किताब की पर्चीयां बरामद की। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि अवैध गतिविधियों, ऑनलाइन सट्टा एवं गेमिंग के माध्यम से आमजन को ठ्गी का शिकार बनाने वाले असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कार्यवाही के लिये सख्त अभियान चलाया जा रहा है।

शहर एसपी ने बताया कि आरकेपुरम् पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि सेक्टर ए आरकेपुरम में स्थित एक होटल में कुछ व्यक्ति आईपीएल क्रिकेट मैंचो पर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे है, उक्त सूचना पर पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में आरकेपुरम थानाधिकारी सिद्वार्थ श्रीवास्तव (आई.पी.एस प्रो.) के नेतृत्व में टीम गङ्ठित की गई। शहर एसपी ने बताया कि सूचना की तस्दीक हेतु आवश्यक सर्च वारंट प्राप्त कर

ऑनलाइन सट्टा संचालन करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार किए।

आरकेपुरम थानाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने होटल पहुंचकर रूम पर दबिश दी, तो कार्यवाही के दौरान तीन युवक एलसीडी पर मैच देखते हुए मिले जिनके पास से दो आईफोन व एक मोबाईल व सट्टे के हिसाब किताब से संबधित पर्चीयां मिली। पुलिस टीम ने मौके पर कार्यवाही करते हुए वक्फ नगर दादाबाड़ी निवासी मोहम्मद अमन (27), चन्द्रघटा पाटनपोल मकबरा निवासी रेहान रजा (22) एवं गौतम वाटिका दादाबाड़ी निवासी मोहसिन खान (22) को गिरफ्तार किया। मामले में सामने आया-शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे जूम ऐप एवं व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से आईपीएल मैंचो पर ऑनलाईन सट्टा खिलवाते है, तथा ग्राहको से पैसे लेकर जीत-हार का हिसाब ऑनलाईन माध्यम से करते है। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान किया जा रहा हैं।

जूली का संगठन मजबूत करने व संविधान बचाने का आव्हान

अलवर। जिला कांग्रेस कमेटी, अलवर द्वारा 'संगठन बढाओ, संविधान बचाओ' अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में राज्य सरकार द्वारा पंचायत राज एवं नगरीय निकाय चुनाव समय पर नहीं कराए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। व आरोप लगाया गया कि सरकार जानबूझकर चुनावों में देरी कर रही है।

नगरीय निकायों की मतदाता सूचियों में व्याप्त अनियमितताओं एवं विसंगतियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने तथा संविधान की रक्षा के लिए पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आव्हान किया।

जिला अध्यक्ष प्रकाश गंगावत ने सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को सशक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर

जिला कांग्रेस कमेटी, अलवर महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई।

बल दिया। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने एवं जनसंपर्क अभियान को तेज करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला प्रभारी फूलचंद ओला, विधायक मांगेराम मीणा सहित प्रदेश कांठोस कमेटी के सचिव पुष्पेंद्र सिंह धाबाई, गफूर खान, जोगेंद्र सिंह कोचर, हिम्मत सिंह चौधरी, जाकिर हुसैन, गब्बर मीणा, विश्राम गुर्जर, जीत कोर सांगवान, लीली यादव, गौरव यादव, रमन सैनी, चौधरी इम्तियाज हुसैन, पंडित सुरेश पूंछरी, प्रीतम मेंहदीरत्ता, राकेश बैरवा, उमरदीन खान, अनवर साजिद खान, जे डी आर्यन, जमशेद खान, नीमा चौधरी, जल्लाराम जाटव, इलियास खान, धर्मराज मीणा, सावित्री नरेंद्र मीणा, जफरू खान, नवीन शर्मा, ओम प्रकाश गोलिया, छगा राम लखेरा, जगदीश प्रसाद बौद्ध, नवीन शर्मा, राजवीर चौधरी, शिव सहाय मीना, राजेंद्र शर्मा, रामहेत जाटव, हनुमान प्रसाद शर्मा, बनवारीलाल शर्मा, डॉ. हुकुम सिंह, सीए नवीन कुमार, राजेश मीणा, अशोक नंदा, सोनू गोपालिया एवं सहित जिले के समस्त ब्लॉक, नगर, मंडल एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्षगण उपस्थित रहे। मंच संचालन गौरव यादव ने किया।

बस ने बाइक सवार को कुचला, युवक गंभीर घायल

गंगापुर सिटी 5 अप्रेल। प्राइवेट बस स्टैंड पर एक निजी बस ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया है। घायल युवक की पहचान गिर्राज मिल निवासी पंकज बंसल के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस तेज गति से आ रही थी, जिससे पंकज को संभलने का मौका नहीं मिला ओर वे बस की चेपटमें आ गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्राइवेट बसों से जुड़े ऐसे हादसे पहले भी कई बार हो चुके हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। शहर के मुख्य मार्ग और निजी बस स्टैंड पर बसों का अव्यवस्थित जमावड़ा रहता है। अव्यवस्थित पार्किंग और तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही के कारण आमजन की सुरक्षा खतरे में है।

- प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर किया गया

नागरिकों ने इस समस्या को लेकर कई बार शिकायतें की हैं, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। यह मामला पहले पुलिस महानिरीक्षक, भरतपुर स्तर पर भी उठाया जा चुका है, फिर भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। हादसे के बाद लोगों में प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश है। नागरिकों ने प्रशासन से बसों की गति पर नियंत्रण, निर्धारित स्थान पर पार्किंग और यातायात नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

संक्षिप्त

बीसलपुर पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त

निवाई/गुंसी, (निसं)। राहोली गुंसी रोड पर बीसलपुर पेयजल की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो जाने से रविवार को मंझुकड़ा, कनेसर एवं सूरज का खेड़ा में पानी की आपूर्ति बाधित रही। जिससे ग्रामीणों को पीने के पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इन सभी गांवों में सजिया के पास बनी टंकी से पेयजल सप्लाई होती है। रविवार को पेयजल सप्लाई की गई तो राहोली सड़क पर सजिया के पास टूटी पाइप लाइन से पानी का फव्वारा फूट पड़ा। विभाग के कर्मचारियों को ज्यों ही लाइन के क्षतिग्रस्त होकर पानी के व्यर्थ बहने की जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत पानी की सप्लाई बंद कर दी। पेयजल समस्या के चलते ग्रामीणों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने क्षतिग्रस्त लाइन की अतिशीघ्र मरम्मत कर पानी की सप्लाई सुचारू करवाने की मांग की है।

कार्यकर्ता सम्मान कार्यक्रम आज

टोंक, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला संगोष्ठी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मान कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष सरिता गैना का भाजपा कार्यालय टोंक में आज आने की मिली जानकारी के बाद जिला भाजपा अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने बताया कि आज सोमवार को भाजपा के 47वां स्थापना दिवस जिले में उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर ध्वजारोहण, संगोष्ठी, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और प्रबुद्धजनों का सम्मान जैसे कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, एवं मुख्य वक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष सरिता गैना, जिले के भाजपा पदाधिकारी जनप्रतिनिधि, मण्डल अध्यक्ष, मण्डल प्रभारी, बूथ अध्यक्ष एवं वरिष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।।

शिविर में 150 रोगियों की जांच

सिरस, (निसं)। ग्राम पंचायत सिरस में जेएनयू सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं ग्राम पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क मेगा मल्टी स्पेशलिटी चिकित्सा परामर्श व जांच शिविर का आयोजन हुआ। प्रशासक शिवजीराम जाट ने बताया कि शिविर में डॉ. प्रशांत सिंह यादव, डॉ. नवीन सोनी, डॉ. हर्षिता कंवर, डॉक्टर दिशा गुप्ता, डॉक्टर सचिन शर्मा,डॉक्टर आदित्य सिंह, डॉक्टर आयुष विजय,जय भगवान गर्ग व डॉ. मुकेश कुमार शर्मा ने करीब 150 रोगियों की जांच करके चिकित्सकीय परामर्श दिया। उन्होंने बताया कि शिविर में रोगियों की जांच के बाद 30 से भी अधिक रोगियों को उपचार के लिए भर्ती किया गया। भर्ती मरीजों का जयपुर अस्पताल में ऑपरेशन किया जाएगा।

मेला व कुश्ती दंगल कल

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम राहेड़ा, कल्याणपुरा खुर्द स्थित जाटडे वाले मंदिर में रविवार को मंदिर मेला कमेटी के सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मंदिर महंत ने बताया कि सोमवार 6 अप्रैल को रात्रि 8 बजे से मंदिर परिसर में भव्य जागरण का आयोजन होगा। वहीं मंगलवार 7 अप्रैल को विशाल मेला व कुश्ती दंगल का आयोजन होगा। जिसमें कामड़े की अन्तिम कुश्ती 51 हजार रूपयों की होगी।

पुलिस थाने का निरीक्षण किया

दूदू, (निसं)। जयपुर जिला ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा ने दूदू पुलिस थाने का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा लंबित पड़े प्रकरणों को शीघ्र निपटान के निर्देश दिए मीणा ने थाना परिसर में माल खाना बैरक हथियार कक्ष का जायजा लिया साथ ही पुलिस कर्मचारियों के लिए बनी मैस की व्यवस्था की जानकारी ली अधिकारियों से कहा कि आमजन की सुनवाई कर शीघ्र समस्याओं का समाधान करें इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा पुलिस उपाधीक्षक दीपक खंडेलवाल एवं प्रशिक्षु आर पी एस थाना प्रभारी नेहा विश्नोई भी मौजूद रहे।

'प्रशिक्षण ही संगठन की वैचारिक नींव व कार्यकर्ताओं की कार्यकुशलता का आधार'

- भाजपा के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन,
- भाजपानगर मंडल चौमूं के शिविर में 130 कार्यकर्ताओं ने लिया भाग

चौमूं / कालाडेरा। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल चौमूं के तत्वावधान में आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान- 2026 का रविवार को समापन हुआ। शिविर के समापन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा राजस्थान के मुख्य प्रवक्ता व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने शिरकत कर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

वैचारिक अधिष्ठान सत्र को संबोधित करते हुए रामलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचार परिवार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी की रीति-नीति, गौरवशाली इतिहास और अंत्योदय की संकल्पना ही हमारी वास्तविक शक्ति है। शर्मा ने कहा, "लोकमान्य तिलक के स्वराज के सपने को आज हम सुराज के माध्यम से साकार कर रहे हैं। ये प्रशिक्षण शिविर कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से परिपक्व बनाते हैं, जिससे वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम छोर तक पहुँचाने में एक सशक्त सेतु का कार्य कर सकें।"

भाजपा के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने संबोधित किया।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन विभिन्न वक्ताओं ने महत्वपूर्ण सांगठनिक विषयों पर प्रकाश डाला। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के साथ ही गुड्डू सैनी, रघुवीर चौधरी, सावरमल चौधरी, बादाम देवी वर्मा, अर्चना कुमावत, बजरंगलाल सोनी और पंकज मीणा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। सत्रों के दौरान सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नमो ऐप और सरल ऐप की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, कार्यपद्धति, कार्य विस्तार की दृष्टि और बूथ प्रबंधन जैसे तकनीकी व रणनीतिक विषयों पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण शिविर में 130 कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण लिया।

शिविर में मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, नगरपालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, नानूराम सैनी, कालूराम जाट, मोहनलाल सैनी, गोपीराम भोमाका, बाबूलाल कुमावत, रामावतार कुलदीप, गजेंद्र यादव, संदीप शर्मा, राहुल बागड़ा, राहुल चौबे, अनीता कुमावत, सुमन सैनी, अरविंद यादव, मातादीन अठावाल, सुनील उप्पल, मुकेश सैनी, रामरतन मुनीम, महेश सेरावत, संदीप भात्रा, सीएम खटिक, बाबूलाल राइ, सुनील गुलिया, विनोद गोदारा, रामस्वरूप नासना, आलोक जांगिड़, बलदेव टांक, धर्मेन्द्र बंजारा सहित शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पावटा के तीन मंदिरों में छत्र चोरी

- मौके पर पुलिस नहीं पहुंचने पर लोगों में असंतोष
- धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग

पावटा। क्षेत्र में धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कस्बे व आसपास के तीन मंदिरों में अज्ञात चोरों द्वारा छत्र चोरी की वारदात सामने आई है, जिससे श्रद्धालुओं में रोष व्याप्त है।

हैरानी की बात यह है कि तीन में से केवल एक मंदिर प्रबंधन द्वारा ही पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई गई है, जबकि घटना के बाद भी पुलिस अब तक मौके पर मुआयना करने नहीं पहुंची। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अज्ञात बदमाशों ने मंदिरों को निशाना बनाते हुए वहां स्थापित धातु के छत्र चोरी कर लिए।

सुबह जब पुजारी एवं ग्रामीण मंदिर पहुंचे तो चोरी का पता चला, जिसके बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। गोपाल भैया मंदिर के महंत मोहन दास रामायणी महाराज, गणेश मंदिर महंत रामचंद्र, केशव सागर धर्मशाला स्थित ठाकुर जी मंदिर पवन गोयल ने इस घटना को लेकर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि यह कृत्य संभवतः नशेड़ियों का हो सकता है, जो नशे की पूर्ति के लिए इस तरह की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाए और दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए।ग्रामीणों का कहना है कि लगातार हो रही ऐसी घटनाएं पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती हैं। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो चोरों के हौसले और बुलंद हो सकते हैं।

फिलहाल, एक ही शिकायत दर्ज होने के बावजूद पुलिस की ओर से मौके पर पहुंचकर जांच नहीं करना लोगों में असंतोष का कारण बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

खैरथल-तिजारा जिले में 6707 गर्भवती महिलाओं ने उठाया निःशुल्क सोनोग्राफी का लाभ

- गरीब गर्भवती महिलाओं व शिशु के लिए रक्षा कवच बनी है मुख्यमंत्री "मां वाउचर" योजना

खैरथल। आर्थिक रूप से कमजोर और दूर दराज के गांवों में रहने वाली ग्रामीण गर्भवती महिलाओं एवं गर्भ में पल रहे शिशु की देखभाल अच्छे से हों और राज्य में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से डेढ़ साल पहले प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के द्वारा शुरू की गई गर्भवती महिलाओं के लिए निःशुल्क सोनोग्राफी सुविधा "मां वाउचर योजना" गर्भवती महिलाओं व शिशु दोनों के लिए रक्षा कवच का काम कर रही है।

सोनोग्राफी जैसी महंगी सेवाओं का खर्च वहन करने में असमर्थ गर्भवती महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने डेढ़ साल पहले 17 सितंबर 2024 को मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (मां) वाउचर योजना की शुरुआत कर फ्री सोनोग्राफी की सुविधा महिलाओं के लिए शुरू की। (मां) वाउचर योजना के तहत सरकारी अस्पतालों के साथ सोनोग्राफी सेंटर चिन्हित किए गए। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पूरण मल मीणा के अनुसार 'मां वाउचर योजना' के तहत खैरथल तिजारा जिले में सरकारी अस्पतालों के साथ प्राईवेट 15 सोनोग्राफी सेंटर को गर्भवती महिलाओं की निशुल्क सोनोग्राफी करने के लिए चिन्हित किया हुआ है। इस निशुल्क योजना के अंतर्गत 31 मार्च 2026 तक जिले में 6707 गर्भवती महिलाएं लाभ ले चुकी है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के अनुसार योजना के तहत गर्भवती महिलाएं अपने नजदीकी सरकारी चिकित्सा संस्थान पर जाकर सोनोग्राफी करा सकती है जिन सरकारी चिकित्सा संस्थानों पर सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध नहीं है तो वहाँ से गर्भवती महिला अपने जन आधार कार्ड और मोबाइल फोन के माध्यम से वाउचर प्राप्त कर सकती है। यह वाउचर सरकारी और सूचीबद्ध निजी पंजीकृत सोनोग्राफी केंद्रों पर निःशुल्क सेवा के लिए मान्य होगा। उन्होंने ने बताया गर्भावस्था के 84 दिन या उससे अधिक की अवधि वाली महिलाएं इस योजना के तहत निःशुल्क सोनोग्राफी करवा सकती है। योजना का लाभ लेने के लिए गर्भवती महिला को अपना जन आधार कार्ड और मोबाइल फोन लेकर नजदीकी सरकारी चिकित्सा संस्थान पर जाना होगा। चिकित्सा संस्थान में पीसीपीएनडीटी सॉफ्टवेयर से ओटीपी के माध्यम से महिला के मोबाइल पर एक द्वारा वाउचर जारी किया जाएगा।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं : एडीएम सहारण

- मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के शक्ति विहार कॉलोनी स्थित शिव सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्या मंदिर में शनिवार को राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 10 एवं 12 (कला, वाणिज्य एवं विज्ञान) परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 65 मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

विद्यार्थियों का प्रतीक चिन्ह भेंटकर अभिनंदन किया।

विद्यालय परिवार की ओर से इन विद्यार्थियों व उनके माता-पिता का साफा व माला पहनाकर तथा प्रतीक चिन्ह भेंटकर अभिनंदन किया गया।

समारोह में अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित रहे और विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडीएम ओमप्रकाश सहारण ने कहा कि जीवन में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। सफलता का मार्ग केवल कठोर परिश्रम, योजनाबद्ध अध्ययन, निष्ठा, लगन व ईमानदारी से होकर गुजरता है। उन्होंने विद्यार्थियों को मोबाईल फोन के दुरुपयोग से बचते हुये उसे केवल उचित समय पर ही उपयोग करने की सलाह दी। एडीएम सहारण ने नशे से दूर रहने, अनुशासन में रहने व अपनी रुचि एवं कौशल के आधार पर कैरियर चुनने पर विशेष बल दिया। उन्होंने बालिकाओं को प्रोत्साहित करते हुये कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर रही है और उन्हें अपने माता-पिता व गुरुजनों का सम्मान करते हुये लगातार आगे बढ़ना चाहिये। अध्यक्षता करते हुये विद्यालय के निदेशक बद्रीप्रसाद शर्मा ने विद्यार्थियों को संस्कार, अनुशासन व नियमितता के साथ शिक्षा ग्रहण करने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में थानाधिकारी राजेश शर्मा, एसीबीईओ पूरणचंद कसाना, पूर्व पार्षद भीखाराम सैनी, पत्रकार विक्रांत शर्मा व बालकृष्ण शुक्ला मौजूद रहे। अतिथियों ने मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करते हुये उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर 12 वीं आर्ट्स (हिंदी माध्यम) में गरिमा पुत्री राजीव स्वामी ने 98 प्रतिशत, अंग्रेजी माध्यम में सौम्या पुत्री बालकृष्ण शुक्ला ने 97 प्रतिशत अंक हांसिल कर स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन किया। 12 वीं साइंस में मोहित ने 97.20 प्रतिशत, दीक्षित कुमार जांगिड़ ने 94.20 प्रतिशत, गौरंग शर्मा ने 93.80 प्रतिशत, दुष्यंत कुमार ने 93.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। वहीं 12 वीं कॉमर्स में पलक अठावाल ने 93.60 प्रतिशत, मोनिका जांगिड़ ने 92.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सराहनीय उपलब्धि दर्ज की।

पावटा में एसआई/प्लाटून कमांडर परीक्षा शुरू

पावटा, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उपनिरीक्षक/प्लाटून कमांडर प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन उपखंड पावटा में रविवार 5 अप्रैल से शुरू हो गया।

यह परीक्षा 5 व 6 अप्रैल को दो दिनों तक दो-दो पारियों में आयोजित की जा रही है। पहली पारी में सामान्य हिंदी का पेपर सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक, जबकि दूसरी पारी में सामान्य ज्ञान एवं सामान्य विज्ञान का पेपर दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जा रहा है।

प्रत्येक पारी में 1728 अभ्यर्थी परीक्षा दे रहे हैं और सभी अभ्यर्थी दोनों पारियों में शामिल होंगे। उपखंड पावटा में कुल 5 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 3 सरकारी एवं 2 निजी संस्थान शामिल हैं। परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। वृताधिकारी वृत विराटनगर उमेश निठारवाल के सुपरविजन व प्रागपुरा थाना प्रभारी भजनाराम के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा विशेष निगरानी रखी गई। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन जांच की जा रही है।

मेटल डिटेक्टर सहित अन्य आधुनिक साधनों से जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। वहीं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए विशेष कार्य समूह () व वृताधिकारी वृत्त विराटनगर उमेश निठारवाल द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही है। नकल पर रोक लगाने के लिए इस बार तकनीकी स्तर पर भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। ब्लूटूथ एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दुरुपयोग को रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों के आसपास के मोबाइल टावरों का डंप डेटा भी लिया जाएगा।

दीक्षा केवल वेश परिवर्तन नहीं बल्कि जीवन का परिवर्तन है : आचार्य

- आचार्य इंद्रनंदी महाराज व मुनि उत्कृष्टनंदी महाराज का दीक्षा दिवस मनाया

निवाई। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अठावाल मंदिर में सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य इंद्रनंदी महाराज का 31 वां दीक्षा दिवस एवं मुनि उत्कृष्टनंदी महाराज का तृतीय दीक्षा दिवस धूमधाम से मनाया गया।

मीडिया प्रभारी सुनील भाणजा व विमल जौला ने बताया की प्रातःकाल भगवान शांतिनाथ का अभिषेक व शांतिधारा की गई। पंडित सुरेश के शास्त्री के निर्देशन में भक्तांबर मंडल विधान पर सोधर्म इंद्र महेंद्र जैन, यज्ञनायक संजय लुहारा, कुबेरइंद्र नरेंद्र भाणजा बुकसेलर द्वारा मंडल विधान पर 48 अघ्र्य समर्पित किए गए।

दीक्षा दिवस पर आचार्यश्री की पूजा करते हुए श्रद्धालु।

उसके पश्चात दीक्षा दिवस कार्यक्रम की शुरुआत आचार्य पदमनन्दी महाराज के चित्र समक्ष चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का मंगलाचरण आचार्य शांतिसागर पाठशाला एवं शांतिनाथ पाठशाला के नन्हे मुन्ने बालकों द्वारा किया गया। आचार्य इंद्रनंदी महाराज का पादप्रक्षालन ओमप्रकाश, ताराचंद बडला केकडी व जिनवाणी भेट महावीर प्रसाद, शिखरचंद माधोराजपुरा ने की। मुनि उत्कृष्टनंदी महाराज का पादप्रक्षालन नेमीचंद, संजय कुमार सिरस व जिनवाणी भेट गोपाललाल, शंभू कठमाणा ने की।

मुनि नाभिनन्दी महाराज का पादप्रक्षालन सुशील कुमार, राहुल कुमार आरामशीन एवं जिनवाणी भेंट राजेश कुमार, गिन्दौडी द्वारा की गई उसके पश्चात आचार्य श्री की पूजन सकल महिला मंडलों द्वारा किया गया। आचार्यश्री एवं मुनि उत्कृष्टनंदी महाराज को पीच्छीका भेंट सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा की गई। कार्यक्रम में टोंक, मालपुरा, केकडी, डिग्गी, पचेवर व फागी सहित अनेक जगह से आए हुए सभी अतिथियों का मंदिर कमेटी द्वारा स्वागत सत्कार किया गया।

इसके पश्चात आचार्यश्री ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षा दिवस सांसारिक मोह माया का त्याग कर आत्म कल्याण और संयम के मार्ग पर चलने का पावन संकल्प है। यह गुरु की कृपा से आत्मा को परमात्मा से जोडने वाला एक महान अवसर है। दीक्षा केवल वेश परिवर्तन नहीं बल्कि जीवन का परिवर्तन है, जो वैराग्य त्याग और निर्मल साधना के द्वारा कर्मों की निर्जरा का मार्ग प्रशस्त करता है।

दीक्षा का पात्र वही है, जिसे मोह अहंकार और वासना से ऊपर उठकर संसार के सुखों का त्याग कर दिया हो। हम सभी को संयम जीवन जीने वाले गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए अपने जीवन में भी आध्यात्मिक उन्नति के लिए प्रेरित होना चाहिए।

परीक्षा के प्रथम दिन रही 67.70 उपस्थिति

टोंक। मुख्यालय के 24 सेंटर पर एसआई भर्ती परीक्षा के दौरान सेंटर पर कड़ी सुरक्षा के बीच कैंडिडेट्स को एंट्री दी गई, इस दौरान सेंटर के बाहर ही मंगलसूत्र और अन्य जेवरात उतरवाए गए। वहीं एक कैंडिडेट 13 मिनट देरी से पहुंची, जिसे एग्जाम में एंट्री देने से मना कर दिया, उसका कहना था कि बाइक खराब होने की वजह से वह देरी से पहुंची।

सिक्योरिटी को देखते हुए कैंडिडेट्स के बटन वाले टीशर्ट तक उतरवा कर सेंटर में एंट्री दी गई। निवाई क्षेत्र के देवरी गांव से परिवजन के साथ आई सुनीता मीणा बाइक खराब होने से समय पर परीक्षा सेंटर राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल कोठी नातमाम टोंक में नहीं पहुंच पाई, इसके चलते उसे प्रवेश नहीं दिया है, आधे घंटे तक इंतजार करने के बाद वह वापस गांव लौट गई। इसके अलावा भी तीन से चार स्टूडेंट देरी से पहुंचे थे, जिन्हें एंट्री नहीं दी गई। देवरी की सुनीता मीणा ने बताया वह परिवार के साथ रविवार को सुबह परीक्षा देने के लिए रवाना हुई थी, रास्ते में बाइक खराब होने की वजह से परीक्षा नहीं दे पाई।एडीएम रामरतन सौंकरिया ने बताया कि पहली पारी में रजिस्टर्ड 9441 अभ्यर्थियों में से 6392 परीक्षार्थी ही एग्जाम देने पहुंचे, इस प्रकार 67.70 प्रतिशत उनुपस्थित रहे। जिला मुख्यालय के 24 परीक्षा केन्द्रों पर 5 व 6 अप्रैल को सुबह 11 से दोपहर 1 बजे एवं दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक दो पारियों में उप निरीक्षक व प्लाटून कमाण्डर की परीक्षा होगी।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम,
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:11123 जाहिर आम-सूचना दिनांक:30.03.2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 52/657 (MIG-B) का आवंटन श्री महावीर प्रसाद सोनी पुत्र श्री मंगल चंद सोनी एवं श्रीमती पुष्पा सोनी पत्नी श्री महावीर प्रसाद सोनी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 5740 दिनांक 31.03.2004 को जारी किया गया। जिसका भौतिक कब्जा दिनांक 12.05.2004 को प्राप्त किया गया। श्री महावीर प्रसाद सोनी की मृत्यु दिनांक 01.07.2025 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती पुष्पा सोनी पत्नी स्व. श्री महावीर प्रसाद सोनी द्वारा आवासन मण्डल में सम्पूर्ण आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त सम्पूर्ण आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती पुष्पा सोनी पत्नी स्व. श्री महावीर प्रसाद सोनी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम,
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:11141 जाहिर आम-सूचना दिनांक:30.03.2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/ फ्लैट संख्या 52/660 (MIG-B) का आवंटन श्री जय प्रकाश पुत्र श्री पुरण मल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 825 दिनांक 18-02-1994 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 922 दिनांक 23-08-2003 के द्वारा श्री महावीर प्रसाद सोनी पुत्र श्री मंगल चन्द सोनी के पक्ष में किया गया। श्री महावीर प्रसाद सोनी की मृत्यु दिनांक 01.07.2025 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती पुष्पा सोनी पत्नी स्व. श्री महावीर प्रसाद सोनी द्वारा आवासन मण्डल में आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती पुष्पा सोनी पत्नी स्व. श्री महावीर प्रसाद सोनी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम राज. आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण (1) अब्दुल सईद खान पुत्र अब्दुल मजीद एवं (2) श्रीमती आरिफा बानो पत्नी श्री अब्दुल सईद खान, निवासीगण-25, सैयद कॉलोनी, चार दरवाजा बाहर, जयपुर, राजस्थान 302002 के दो पुत्र क्रमशः अब्दुल तालिब एवं अब्दुल साजिद मेरे अभिभाष्यगण के किसी भी प्रकार से कहने में नहीं है एवं उनसे लडाई झगडा व गाली गलौच करते है जिस कारण मेरे अभिभाष्यगण ने आज दिनांक 28.03.2026 को अपने दोनों पुत्रों को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है एवं मेरा इन दोनों से किसी प्रकार का रिश्ता नाता नहीं रहा है। आज के बाद यदि कोई व्यक्ति अब्दुल तालिब एवं अब्दुल साजिद से किसी भी प्रकार का संव्यवहार करता है तो उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा जिसके प्रति अभिभाष्यगण की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। अतः सूचित रहे।
(मो.शादाब/अफजल हुसैन) एडवोकेट
मो.- 9351619598, 8005872436

नाम परिवर्तन

I PRIYA Spouse of No. JC-463102Y RANK nb sub NAME tanpure pravin rambhau PRESENT UNIT 8 maratha li RESIDING AT Vill - Shiur, Post-Jamkhed, Teh-Jamkhed, Dist-Ahmed Nagar, State-Maharashtra, Pin-413201, have changed my Name from PRIYA to PRIYA PRAVIN TANPURE vide affidavit dated 23 Mar 2026. The Harishanker & Notary, Kota (Raj.)

I, SAQUAN mother of JC-462139N Rank SUB Name Sathya Kumar A Present unit 8 MARATHA LI residing at Post-Bharat Nagar, Teh. -Bangarpet, Dist-Kolar State-Karnataka, Pin-563115, have changed my name from SAQUAN to SUGUNA N and Date of Birth 26/08/1949 to 01/01/1948 vide affidavit dated 03 Apr. 2026. The Rahul Yadav & Notary, Jaipur (Raj.)

I, A NAVYA Spouse of JC-462139N Rank SUB Name Sathya Kumar A Present unit 8 MARATHA LI residing at Vill-Bharat Nagar, Post-Bharat Nagar, The. -Bangarpet, Dist-Kolar State-Karnataka, Pin-563115, have changed my name from A NAVYA to ATKURI NAVYA vide affidavit dated 03 Apr. 2026. The Rahul Yadav & Notary, Jaipur (Raj.)

I have changed my name from Virendra Kumar Agrawal to Virendra Agrawal for all purpose. R/o 113 chitragupt nagar-1 imli phatak Jaipur. (Raj.)

मैने अपना नाम शोएब खान से बदलकर मोहम्मद शोएब खान कर लिया है। मोहम्मद शोएब खान पुत्र मोहम्मद अनवर अली निवासी 74, आकाशवानी कॉलोनी, आकाशवानी हाइट्स के पास, कोटा, राजस्थान

पावरग्रिड रामगढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड
(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी)
पंजीकृत कार्यालयः बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली 110 016

सूचना

1. उपर्युक्त नामित याचिकाकर्ता ने केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के समक्ष **"फेज-3 भाग ई1 के तहत राजस्थान में आरईजेड (20जीडब्ल्यू) से विद्युत की निकासी हेतु ट्रांसमिशन सिस्टम"** के लिए डीओसीओ से 31.03.2024 तक की अवधि के लिए टैरिफ के निर्धारण हेतु एक याचिका दायर की है।
2. ट्रांसमिशन सिस्टम के लाभार्थी हैं: (क) अजमेर विद्युत वितरण निगम लि. (ख) जयपुर विद्युत वितरण निगम लि. (ग) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लि. (घ) पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ङ) हरियाणा पावर परचेज़ सेंटर (च) जम्मू एंड कश्मीर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (छ) उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लि. (ज) बीएसईएस यमुना पावर लि. (झ) बीएसईएस राजधानी पावर लि. (ञ) टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लि. (त) चंडीगढ़ बिजली विभाग (थ) उत्तरांचल पावर कॉर्पोरेशन लि. (द) उत्तर मध्य रेलवे (ध) नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (न) हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (ट) सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (ठ) फतेहगढ़-3 और 4 ट्रांसमिशन लिमिटेड (ड) ब्यावर ट्रांसमिशन लिमिटेड और फतेहगढ़-3 ब्यावर ट्रांसमिशन लि.
3. ट्रांसफ़ॉर्मर की क्षमता, ट्रांसमिशन सिस्टम के बेज़ की संख्याः नीचे विस्तार से दी गई है
4. परियोजना की अनुमोदित पूंजीगत लागत (लाख रुपये में) – **688.74 करोड़ रुपये**
5. वाणिज्यिक परिचालन की तिथि को पूंजीगत लागत (लाख रुपये में):

परिसंपत्ति	परिसंपत्ति का नाम	परियोजना की अनुमोदित पूंजीगत लागत	
		एफआर	वास्तविक
परिसंपत्ति-1	फतेहगढ़-3 सबस्टेशन पर 1x1500एमवीए, 765/400केवी, आईसीटी-1 के साथ सहायक बेज़	13930.94	13871.03
परिसंपत्ति-2	फतेहगढ़-3 सबस्टेशन पर 330एमवीएआर, 765केवी बस रिएक्टर-2 के साथ सहायक बेज़	5309.84	5247.26
परिसंपत्ति-3	फतेहगढ़-3 सबस्टेशन पर 1x1500एमवीए, 400/220केवी, आईसीटी-8 के साथ सहायक बेज़	4426.60	4389.87
परिसंपत्ति-4	फतेहगढ़-3 सबस्टेशन पर 330एमवीएआर, 765केवी बस रिएक्टर-1 के साथ सहायक बेज़	7046.46	6971.26

प्राधिकरण जिसने पूंजीगत लागत को मंजूरी दी हैः निदेशक मंडल

6. वाणिज्यिक परिचालन की निर्धारित तिथिः 01.02.2025 या चरण-3, भाग-ए1 के तहत राजस्थान में आरईजेड (20जीडब्ल्यू) से विद्युत की निकासी के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली की समतुल्य समय-सीमा, इनमें से जो भी बाद में हो।
7. वाणिज्यिक परिचालन की वास्तविक तिथिः परिसंपत्ति-1: 18.12.2025 (प्रस्तावित), परिसंपत्ति-2: 31.12.2025 (वास्तविक), परिसंपत्ति-3: 31.12.2025 (वास्तविक), परिसंपत्ति-4: 01.01.2026 (वास्तविक)।
8. टैरिफ का विवरण (केवल लागू भाग प्रकाशित करें): (रु. लाख में)

परिसंपत्ति	2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29
परिसंपत्ति-1	0.00	547.01	2153.00	2364.27	2408.85
परिसंपत्ति-2	0.00	177.71	782.17	842.20	851.56
परिसंपत्ति-3	0.00	169.49	738.25	789.35	801.56
परिसंपत्ति-4	0.00	212.45	968.08	1062.14	1075.99

9. टैरिफ निर्धारण के लिए दायर याचिका की एक प्रति वेबसाइट https://apps.powergrid.in/cerc/docs/TBCB-PRTL/2026/03/REZ%20in%20Rajasthan%20(20GW)%20under%20Phase-III%20Part%20E1%20(Petition-2)/FINAL_Petition_PRTL_RTM_P_2.pdf पर उपलब्ध है।
10. याचिका में शामिल टैरिफ के निर्धारण के प्रस्तावों पर यदि कोई सुझाव या आपत्ति हो तो उन्हें कोई भी व्यक्ति लाभार्थी सहित इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर आयोग के ई-फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से दायर कर सकता है और साथ ही याचिकाकर्ता को भी इसकी एक प्रति भेजनी होगी।

स्थानः फतेहगढ़
दिनांकः 30.03.2026
हस्ता./-
श्री राजेश कुमार शर्मा
परियोजना प्रभारी
PG/NOTICE/2026/D360

संक्षिप्त

वार्षिक मेला व जागरण आज से

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम सांगटेडा के प्राचीन पीला जोहड स्थित हनुमान मंदिर में श्री पीले वाले बालाजी के वार्षिक मेले व जागरण का दो दिवसीय आयोजन 6.अप्रैल सोमवार से प्रारम्भ होगा। आयोजक विजयवर्गीय सेठ परिवार (सांगटेडा वाले) ने जानकारी देते हुये बताया कि सोमवार 6 अप्रैल को रात्रि 8 बजे भव्य जागरण का आयोजन होगा। जिसमें श्री बजरंग रामायण मंडल द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी जायेगी। वहीं कार्यक्रम में कुमार शरद, राहुल खत्री, मोनु रोशन, रविंद्र शर्मा (मामा), पं. दीपक शर्मा व अजय शर्मा द्वारा भी प्रस्तुतियां दी जायेगी। मुख्य मेले का आयोजन मंगलवार 7 अप्रैल को होगा। समस्त आयोजन का प्रबंधन श्याम मण्डल, सांगटेडा द्वारा किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि मान्यता के अनुसार पीला जोहड में स्नान करने से पीलिया रोग दूर होता है।

चिकित्सा व रक्तदान शिविर 11 को

निवाई, (निसं)। श्री श्याम धर्मार्थ सेवा संस्थान के तत्वावधान में 11 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे से श्यामा प्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन में विशाल निःशुल्क चिकित्सा एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शहर अध्यक्ष नितिन छाबडा ने बताया कि शिविर में जयपुर एसएमएस अस्पताल के रोबोटिक जोड प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. मुकेश असवाल, जयपुर अपैक्स हॉस्पिटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बी.एम. गोयल, पेट एवं पाचन रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहम्मद रेहान, फेफडा रोग विशेषज्ञ डॉ. मेहुल अठावाल व राजकीय जयपुरिया हॉस्पिटल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज नोगिया परामर्श देंगे। शुभम केयर हॉस्पिटल की डॉ. शैलेश जैन, डॉ. सपना जैन, डॉ. सिमरन कक्कड व डाइटिशियन डॉ. निशा शर्मा द्वारा स्त्री रोग व पोषण परामर्श दिया जाएगा। ब्यूटी आई केयर टीम द्वारा नेत्र जांच व चश्मा वितरण किया जाएगा। प्रतिष्ठा ब्लड सेंटर टोंक द्वारा रक्तदान संठाहण किया जाएगा। संस्थान के अध्यक्ष दिलीप इसरानी, रवि अग्रवाल, वंश प्रदीप पारीक एवं अविनाश पारीक ने लोगों को शिविर में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर शिविर का लाभ लेने का आ ान किया है।

अन्नू चौधरी के 12 में 95.40 प्रतिशत अंक

शाहपुरा, (निसं)। श्री समर्पण कैरियर इंस्टिट्यूट्स शाहपुरा जयपुर की छात्रा अन्नू चौधरी / राजकुमार लील ने जो कि हाथ-पैर से दिव्यांग होने के बाद भी बोर्ड परीक्षा 2026 कला वर्ग से 95.40प्रतिशत अंक प्राप्त किए। होनहार बालिका के पिता राजकुमार लील मिस्त्री है और माता गृहिणी है। अन्नू चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता - पिता एवं विद्यालय प्रबंधन को दिया। विद्यालय के मुकेश कुमार जाट ने बताया कि अन्नू चौधरी ने हिन्दी साहित्य, भूगोल व अनिवार्य अंग्रेजी में सौ-सौ अंक प्राप्त किये। अन्नू ने बताया कि उस प्रेरित करने में संस्था के कैलाश चन्द्र, रामनिवास, राजेंद्र प्रसाद एवं रामस्वरूप का योगदान रहा। अन्नू का लक्ष्य आगे चलकर शिक्षिका बनने का है।प्रजापति समाज का अंगूठी रस्म कार्यक्रम आयोजित

विवाह सम्मेलन के लिए 11 जोड़े तय

शाहपुरा, (निसं)। त्रिवेणीधाम में रविवार को श्रीयादे प्रजापति सामूहिक विवाह समिति के तत्वावधान एवं प्रहलादास महाराज के सान्निध्य में युवक युवती परिचय एवं अंगूठी रस्म कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में धर्मपाल ठेकेदार मावण्डा खुर्द एवं मनोहरपुर की पूर्व चेयरमैन सुनीता प्रजापत अतिथि रही। वक्ताओं ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन से समाज में समानता का भाव बनता है और कमजोर व्यक्ति को ऊपर उठने का संबल मिलता है। ऐसे आयोजनों को बढ़ावा मिलना चाहिए। समिति अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण खेजरोली ने बताया कि 25 अप्रेल को समिति द्वारा 13वां सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए 11 जोडे तय किए गए। एक दूसरे को पहनाई सगाई की अंगूठी कार्यक्रम के दौरान सामूहिक विवाह के लिए पंजीकृत 11 जोडों ने एक दूसरे को चांदी की अंगूठी पहनाकर सगाई की रस्म निभाई। इस दौरान वर वधु को शादी के कपडे भी प्रदान किए गए। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष श्यामसुंदर, जमनलाल, गिरधारीलाल, लीलाराम, शंकरलाल, सूबेसिंह, गोपाल, रघुनाथ, बाबुलाल, मक्खनलाल, रामचंद्र, मूलचंद, भूधरमल ठेकेदार, गणपतलाल, धर्मेंद्र, सोहनलाल, नाथूराम, जगदीश प्रसाद, मुकेश कुमार, बसंतीलाल सहित कई लोगों ने अतिथियों एवं भामाशाहों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

श्यामाका में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का हुआ अनावरण

'अंबेडकर के तीन मूल मंत्र शिक्षित बनो, संगठित रहो व संघर्ष करो-आज भी मार्गदर्शक हैं'

- नेता-प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित अनेक नेताओं ने कार्यक्रम में शिरकत की
- महिलाएं समाज और परिवार की आधारशिला हैं, इसलिए उन्हें शिक्षा और संस्कारों के प्रसार में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए : बैरवा

खैरथल तिजारा के गांव श्यामाका में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण हुआ। इस दौरान उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित अनेक मौजूद रहे।

खैरथल। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती गांव श्यामाका में उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित नेताओं ने रविवार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में शिरकत कर बाबासाहेब की प्रतिमा का अनावरण कर सभा को सम्बोधित किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने अपने संबोधन में कहा यह दिन समाज के लिए गौरव और प्रेरणा का प्रतीक है। हमें केवल प्रतिमा स्थापित करने तक सीमित न रहकर बाबा साहब के विचारों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने ने कहा महिलाएं समाज और परिवार की आधारशिला हैं, इसलिए उन्हें शिक्षा और संस्कारों के प्रसार में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।उन्होंने कहा बाबासाहेब के तीन मूल मंत्र-शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो-आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। समाज के प्रत्येक बच्चे को शिक्षित बनाना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने ने सामाजिक एकता को मजबूत करने और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने का आव्हान किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे सोशल मीडिया में समय व्यर्थ न कर अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें और समाज व देश के विकास में अपना योगदान दें।

उप मुख्यमंत्री बैरवा ने इस दौरान ग्राम के विकास को लेकर महत्वपूर्ण घोषणाएं करते ग्राम श्यामाका में कार्यक्रम स्थल पर बनी धर्मशाला में शौचालय, बाथरूम, बाउंड्री वॉल एवं सीसी सड़क निर्माण के लिए लगभग 35 लाख रुपये के विकास कार्यों की घोषणा की। साथ ही सांसद कोटे से 15 लाख रुपये की पुस्तकालय निर्माण की घोषणा भी की। प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा डॉ बाबासाहेब की प्रतिमा का अनावरण हमारे लिए गौरव की बात है। यह कार्यक्रम केवल प्रतिमा अनावरण नहीं बल्कि बाबा साहब के विचारों को आत्मसात कर जन जन तक पहुंचाने का व्यापक अभियान है और निश्चित तौर पर यह गांव बाबा साहब के आदर्शों पर चलकर सामाजिक चेतना के केंद्र के रूप में स्थापित होगा।उन्होंने ने कहा बाबासाहेब न केवल संविधान देकर हमारे अधिकारों को सुरक्षित किया बल्कि शिक्षा का महत्व भी समाज को बताया, वह मानवता के सच्चे पुजारी थे, उनके प्रयासों से ही देश में विश्व के सर्वश्रेष्ठ संविधान का निर्माण हो सका। उन्होंने उनके विचारों को आज के दौर में भी प्रासंगिक बताते हुए कहा कि उनका जीवन संघर्ष,शिक्षा और समानता का प्रतीक है। शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो उनका यह वक्तव्य वर्तमान में आत्मसात करने की आवश्यकता है।

माया सुवालका बनी अलवर जिले की सहप्रभारी

- माया सुवालका को सह प्रभारी बनाने पर कार्यकर्ताओं व समर्थकों में उत्साह

देवली, (निसं)। प्रदेश कांठोस कमेटी ने संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से राजस्थान के जिलों में नई नियुक्तियां निकालकर पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके तहत राजस्थान कांठोस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने देवली शहर निवासी माया सुवालका को राजस्थान के अलवर जिले का सह प्रभारी नियुक्त किया है। माया सुवालका को अलवर जिले का सह प्रभारी बनाए जाने से पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थकों में भारी उत्साह बना हुआ है। इस अवसर पर माया सुवालका को बधाई देने का तांता लगा हुआ है। तो वही राजस्थान प्रदेश कांठोस कमेटी ने माया सुवालका को एक और जिम्मेदारी देने पर विश्वास जताया है। इस पर कांठोस की महिला नेता माया सुवालका ने भरोसा दिलाया कि वह पार्टी संगठन को मजबूत बनाए रखने के लिए हमेशा समर्पित रहेगी एवं पार्टी संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने मे प्रयास करती रहेगी। और पार्टी संगठन मे समय-समय पर अपना योगदान देती रहेगी।

उल्लेखनीय है कि देवली उनियारा विधानसभा क्षेत्र की निवासी कांठोसी नेता माया सुवालका वर्तमान में प्रदेश कांठोस कमेटी के प्रदेश सचिव पद रहते हुए पार्टी संगठन में काम कर रही है। तो वही माया सुवालका राजस्थान राज्य वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड राजस्थान सरकार की पूर्व सदस्य भी रह चुकी है। इसी के साथ राजस्थान हैहय वंशी कलाल महासभा राजस्थान की प्रदेश महिला अध्यक्ष पद पर भी नियुक्त है। वहीं अखिल भारतीय सर्वगीय जयसवाल कलाल महासभा संगठन में राष्ट्रीय महिला महासचिव पद पर भी बनी हुई है। माया सुवालका पूर्व में राजस्थान कांठोस कमेटी शिक्षा प्रकोष्ठ की महासचिव पद पर भी रह चुकी है।

नालियों की सफाई नहीं होने से आम रास्तों पर भरा गंदा पानी

- स्कूली बच्चों व राहगीरों को आवागमन में हो रही परेशानी

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के डाबला रोड स्थित वार्ड नं. 13 की चंद्रदास एवं काशीपुरम कॉलोनी में नालियों में कचरा जमा होने एवं जलदाय विभाग द्वारा पानी की लाईन डालते समय नालियों के टूटने से नालियां अव्यवस्थित हो जाने के कारण सड़क पर चारों तरफ गन्दा पानी जमा हो रहा हैं। जिससे स्कूल में आने जाने वाले बच्चों व स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा हैं।

कस्बे के डाबला रोड स्थित वार्ड नं. 13 की चंद्रदास व काशीपुरम कॉलोनी में नालियों में जमा कचरा।

समाजसेवी रणजीत सैनी ने बताया कि इस सम्बंध में कई बार नगर परिषद के अधिकारियों को भी अवगत करवाया जा चुका हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई हैं। वहीं उक्त क्षेत्र में नाले की सफाई हुये लगभग 03 वर्ष से भी ज्यादा समय हो गया हैं। जिससे नाला ओवरफ्लो हो रहा है एवं गन्दा पानी सड़क पर चारों तरफ फैल रहा हैं। आमजन को गन्दे पानी के कीचड से होकर गुजरना पड रहा हैं। जिससे कई बार स्कूल जाते समय छोटे-छोटे बच्चे गन्दे पानी में गिर कर चोटिल हो चुके हैं, कई जगहों पर नालियों का गन्दा पानी खाली प्लॉट में जा रहा है, जिससे मच्छर व मक्खियां पनपने से आसपास बिमारियां फैलने का डर बना हुआ हैं। स्थानीय निवासियों ने शीघ्र उक्त समस्या के समाधान की मांग की।

स्मृति समारोह आयोजित

विराटनगर, (निसं)। ग्राम कोठी नारायणपुर (जिरावली), तहसील राजगढ़, जिला अलवर में आयोजित ठा. रघुवीरसिंह जावली स्मृति समारोह रविवार को श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रत्ना कुमारी शाहपुरा का का उद्बोधन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उन्होंने अपने ओजस्वी और विचारोत्तेजक भाषण में ठा. रघुवीरसिंह जावली के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि महान व्यक्ति केवल अपने जीवन से नहीं, बल्कि अपने विचारों और कर्मों से पीढ़ियों को दिशा देते हैं। रत्ना कुमारी जी ने ठाकुर साहब के जीवन को वीरता, त्याग, राष्ट्रभक्ति और समाज सेवा का अद्वितीय उदाहरण बताते हुए उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अलवर राज्य में गृहमंत्री एवं विकास मंत्री के रूप में रहते हुए उन्होंने शिक्षा के प्रसार हेतु गाँव-गाँव विद्यालयों की स्थापना और छात्रावासों का निर्माण कर समाज को नई दिशा दी। अपने संबोधन में रानी साहिबा ने वर्तमान समय की चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला और युवाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करने का आव्हान किया।

लोहे की कीलों पर दंडवत यात्रा

पावटा, (निसं)। आस्था और भक्ति की मिसाल पेश करते हुए नितेश सोनी ने एक बार फिर कठिन साधना का मार्ग अपनाया है। अलवर से 19 मार्च को रवाना होकर वे लगभग 160 किलोमीटर लंबी दंडवत यात्रा करते हुए विराटनगर विधानसभा क्षेत्र पहुंच चुके हैं। उनका अंतिम गंतव्य खाटू श्याम जी मंदिर है।

इस यात्रा की सबसे खास बात यह है कि नितेश लोहे की नुकीली कीलों से बने लकडी के फट्टे पर लेटकर दंडवत करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। यह कठिन और अद्भुत यात्रा वे करीब डेढ़ महीने में पूरी करेंगे। बताया जा रहा है कि यह उनकी दूसरी ऐसी दंडवत यात्रा है, जो उनकी अटूट आस्था को दर्शाती है। यात्रा के दौरान उनके परिवारजन और मित्र भी पैदल साथ चल रहे हैं, जो उनका हौसला बढ़ा रहे हैं। नितेश का कहना है कि यह उनकी श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है, और उन्हें इस कठिन तपस्या में किसी प्रकार की पीड़ा महसूस नहीं होती। रास्ते में जहां-जहां से यह यात्रा गुजर रही है।

शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

फुलेरा, (निसं)। हिन्दू नववर्ष आयोजन समिति के तत्वावधान में रविवार को श्रीराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य भगवा शोभायात्रा निकाली गई।

आयोजन समिति के संयोजक विजय कटारिया ने बताया कि शोभायात्रा श्रीराम नगर स्थित बालाजी की बगीची से मुख्य अतिथि जिला संघ चालक दिनेश शर्मा, औमशिवप्रताप सिंह महेशवास, प्रचारक बुद्धिप्रकाश के सानिध्य में विभिन्न आकर्षक झांकियों के साथ प्रारंभ हुई, जो कि बिचून रोड, पुराना फुलेरा, पुराना बस स्टैंड, बालाजी बाईपास, हलवाई बाजार होते हुए गणगौरी बाजार पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान समिति के संरक्षक धनराज शर्मा, दीपेश सैनी, अनिल बंसल, भागचंद ककरालिया, कोषाध्यक्ष पुनित धवन, मनीष शर्मा सहित अन्य लोगों ने व्यवस्था व शोभायात्रा को सुचारू बनाए रखने में सहयोग प्रदान किया। शोभायात्रा के दौरान पूरा फुलेरा भगवामय नजर आया। जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा एवं बच्चे शामिल हुए, जिससे पूरा मार्ग भगवान श्रीराम के जयघोषों से गूंज उठा। भगवा शोभायात्रा के दौरान नगरपालिका भवन के पास पूर्व विधायक निर्मल कुमावत एवं मंडल अध्यक्ष प्रणव कयाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया, इसी प्रकार मार्ग में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक व अन्य संगठनों की ओर से पुष्पवर्षा व जलपान की व्यवस्था की। शोभायात्रा का समापन गणगौरी बाजार में साधु-संतों के सम्मान के साथ किया गया।

'माता-पिता का आदर किए बिना कोई भी संतान तरक्की नहीं कर सकती'

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को हनुमान जी की तस्वीर भेंट की

- राठौड़ ने पराग पोद्दार फैमिली की ओर से आयोजित सवामणि कार्यक्रम में शिरकत की

सांभरझील, (निसं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ व महासचिव भूपेंद्र सैनी शनिवार शाम 7 बजे देवयानी तीर्थ स्थल स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में सांभर के पराग पोद्दार फैमिली की ओर से आयोजित सवामणि कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे। धार्मिक कार्यक्रम के दौरान उनके साथ भाजपा के प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को भक्ति भाव के लिए प्रेरित करें क्योंकि भगवान में आस्था रखें बिना कुछ भी संभव नहीं है। जब हम मंदिर जाते हैं और प्रतिमा का दर्शन करते हैं तो सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। सकारात्मक ऊर्जा सकारात्मक सोच को प्रबल करती है, इससे हम सकारात्मक कार्य करने शुरू करने लग जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि युवा पीढ़ी को सनातन धर्म की रक्षा के लिए कदम उठाने की जरूरत है, साथ ही यह भी कहा कि माता-पिता का आदर किए बिना कोई भी संतान तरक्की नहीं कर सकती है। उन्होंने अपने सांभर के पुराने जुड़ाव की अनेक यादे ताजा की और पुराने चेहरों से मिलकर उन्होंने उनसे चर्चा कर उनकी हाल जाने। पोद्दार परिवार के पराग पोद्दार, निधि पोद्दार की तरफ से उनका भव्य स्वागत किया गया।

पराग पोद्दार फैमिली ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ व महासचिव भूपेंद्र सैनी का स्वागत किया।

उन्होंने संकट मोचन हनुमान जी की तस्वीर भेंट की। संकट मोचन हनुमान मंदिर समिति, श्याम रंगीला ट्रस्ट परिवार, मंदिर के लिए भूमि दान करने वाले सैनी परिवार की तरफ से भी दोनों पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। इस मौके पर निर्मल कुमावत, अनिल गट्टानी, जितेंद्र डांगरा, सत्यनारायण गोयल, नवल किशोर कयाल, संजय तोषनीवाल, सैकडो लोगों की मौजूदगी रही। इससे पहले प्रतीक्षा अध्यक्ष मदन राठौड, महामंत्री भूपेंद्र सैनी ने संकट मोचन हनुमान मंदिर में प्रतिमा के दर्शन किए तथा उनसे प्रदेश की खुशहाली के लिए अरदास लगाई।

इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने श्याम रंगीला ट्रस्ट परिवार के अध्यक्ष पराग पोद्दार के अनुरोध पर नवनिर्मित श्याम मंदिर में पहुंचे तथा बाबा के दर्शन कर मंदिर की भव्यता को देखकर अभिभूत हुए। पराग पोद्दार ने मदन राठौड को बताया कि ट्रस्ट की तरफ से उन्होंने उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को नवनिर्मित श्याम मंदिर को पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर डालने हेतु एक अभ्यावेदन पेश किया हुआ है पर अपेक्षित कार्रवाई का अनुरोध किया तो प्रदेश अध्यक्ष राठौर ने उन्हें सकारात्मक कार्रवाई करवाने हेतु भरोसा दिलाया। श्याम रंगीला परिवार की तरफ से उन्हें बाबा श्याम की तस्वीर भेंट की गई।

सार-समाचार

भजन संध्या आयोजित

देवली, (निसं)। शहर के निकटवर्ती ऊंचा ग्राम में स्थित गुरुकुल शिक्षण संस्थान के द्वारा भजन संध्या आयोजित की गई। रसमय भजन संध्या में प्रभु लीला तक जमकर इत्र सुमन पुष्प वर्षा होती रही। गुरुकुल स्कूल के डायरेक्टर योगेश सोनी वाइस प्रिंसिपल शिल्पा सोनी ने जानकारी में बताया कि विद्यालय के नवनिर्मित भवन उपलक्ष में विधि विधान पूर्वक पाठ पूजा हवन एवं तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वेश्वर निकुंज नायक श्री ठाकुर जी के 20 वे पाटोत्सव पर भजन संध्या भी आयोजित की गई। भजन संध्या में भजन गायिका भावना माहेश्वरी,,,गायक गोविंद राव ने ठाकुर जी के भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां पेश की। जिसमें, मैं तो नंद बाबा के घर जाऊंगी,,फूलों में सज रहे हैं श्री वृंदावन बिहारी,,,मेरी विनती यही है राधा रानी,, बन्ना म्हारा चारभुजा रो नाथ बन्नी म्हारी तुलसां लाडली, अपनी पायल का घुंघरू बना लो मुझे, अधरं मथुरं नयनं मधुरं मधुराधिपतेरखिलं मधुरं,इत्यादि भजनों के रस मे श्रद्धालु एवं श्रोता झूम उठे। इस अवसर पर पंडाल में मौजूद श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी के दिव्य दर्शन का आनंद उठाया। ठाकुर जी का 20 वां पाटोत्सव भजन संध्या कार्यक्रम मे पूर्व पालिका अध्यक्ष कैलाश चंद सोनी, पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम सोनी, अशोक माहेश्वरी, बेनी प्रसाद टाक, रॉबिन भक्त, दिलीप सोनी,महेश सोनी,लालजी सोनी,डॉक्टर सरिता मीना,डॉ मनाली गुप्ता, नेहा लाठी,संजना सेठी,वर्षा सोनी,सुशीला टांक,नीलम मनचंदा,स्मिता शर्मा,,मीनू मालू,इंद्रा सोनी,,शुभा मालू,सोनू चौधरी,मोनिका सुराना,रेखा मुंदडा,रिंकू मंगल, मधु बिलोची, सहित दर्जनों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत सिरोही के आयुष्मान केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में व्याप्त अव्यवस्थाओं और कर्मचारियों की कमी को लेकर ग्रामीणों चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग जयपुर के निदेशक को पत्र भेजकर उक्त समस्याओं का शीघ्र निराकरण करवाने की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि अस्पताल में वर्तमान में कोई डॉक्टर नियुक्त नहीं है और पूरी व्यवस्था केवल एक महिला कंपाउंडर के भरोसे चल रही है, जिसके कारण मरीजों को न तो परामर्श मिल रहा है और न ही दवाइयां। पत्र में आरोप लगाया कि एक नर्स की नियुक्ति कागजों में सिरोही में दर्शा रखी है, जबकि वह निवाई ऑफिस में कार्य करती है और केवल हस्ताक्षर करने के लिए सिरोही आती है। इसी प्रकार एक अन्य कंपाउंडर को मालपुरा डेपुटेशन पर लगा दिया गया है, जिससे स्थानीय चिकित्सा व्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने बताया कि चुराड़ा का अस्पताल पिछले तीन वर्षों से केवल कागजों में संचालित है और वहां की नर्स को भी सिरोही में लगा दिया गया है, जिससे चुराड़ा के ठाामीण इलाज के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। ठाामीणों ने ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी पर लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रशासन की अनदेखी के कारण क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था ठप्प हो रही है। ग्रामीणों ने विभाग से मांग की है कि सिरोही अस्पताल में तुरंत डॉक्टर की नियुक्ति की जाए और अन्य कर्मचारियों का डेपुटेशन निरस्त कर उन्हें मूल पदों पर वापस भेजा जाए। साथ ही चुराड़ा की नर्स को पुनः वहीं तैनात करने की मांग की है ताकि ठाामीणों को समय पर उपचार मिल सके। पत्र भेजने वालों में केदार, रामराय, सिताराम, गजानंद, रामलाल, रामकरण, विष्णु, सतराज, रामलालजी, मदन किशोर, कैलाश, रामचंद्र, हनुमान व मदन सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

कुम्हार महापंचायत के पोस्टर का विमोचन

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के जोबनेर रोड स्थित श्रीदक्ष विकास सेवा समिति फुलेरा के कार्यालय में किशनगढ़ में 16 मई को आयोजित होने वाली कुम्हार महापंचायत को लेकर पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर कुम्हार समाज के युवा समाजसेवी नारायण प्रजापति (नागौर) ने फुलेरा क्षेत्र के समाज बंधुओं से मुलाकात कर महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि समाज की एकता और जागरूकता का परिचय देते हुए इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष नंदकिशोर खटोड़ सहित कानाराम प्रजापति, चिरंजीलाल प्रजापति, जुगल किशोर प्रजापति, विनोद कुमार प्रजापत, प्रभुलाल प्रजापत, ओमप्रकाश प्रजापत, शंकरलाल प्रजापति, भिंवराज प्रजापति, किशनलाल प्रजापति, रामलाल प्रजापत सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त में लिप्त आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए जिला स्पेशल टीम ने कोतवाली थाना क्षेत्र के कुम्हारों की चौकी इलाके में छापा मारकर स्मैक की खरीद-फरोख्त करते एक आरोपी के कब्जे से एक लाख रुपए की स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। कार्यवाही के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से करीब 6 ग्राम स्मैक बरामद हुई है, जिसकी बाजार कीमत लगभग एक लाख रुपए बताई जा रही है। डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि गैस गोदाम के पास धन्नातलाई निवासी आरोपी लंबे समय से स्मैक की खरीद-फरोख्त में लिप्त था, जिसकी मुखबिर की सूचना पर टीम ने कार्यवाही कर उसे मौके से पकड़ लिया, जिसके बाद आरोपी के खिलाफ कोतवाली थाने में एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

वैन में लगी आग, जलकर हुई राख

टोंक, (निसं)। जिले के नासिरदा थाना क्षेत्र में एक घर के बाहर खड़ी एलपीजी किट लगी मारुति वैन में अचानक भीषण आग लग गई। इस दौरान आग को बुझाने के लिए शुरू में तो वैन मालिक समेत कुछ पड़ोसी आए,लेकिन आग आग काबू में नहीं आई तो लोग गैस की टंकी ब्लास्ट होने के डर से दूर हो गए। बाद में करीब आधा घंटा में गैस खत्म होने के बाद लोग वैन के पास आए तथा बाद में नासिरदा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से पानी डालकर आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक वैन जलकर कबाड़ में तब्दील हो गई, पुलिस कार्यवाही के दौरान शुरुआती जांच में वैन में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट को माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार वेन संचालक रामथला निवासी हनुमान कुमावत पुत्र रामबिलास कुमावत की गैस की किल्लत के कारण करीब एक सप्ताह से गाड़ी मकान के बाहर ही खड़ी थी, जिसमें शनिवार शाम को अचानक इसमें आग लग गई। धुंआ और आग की लपटे उठने पर लोगों ने आग बुझाई, वैन के जलने से मालिक को करीब चार लाख रुपए का नुकसान होने की आशंका है।

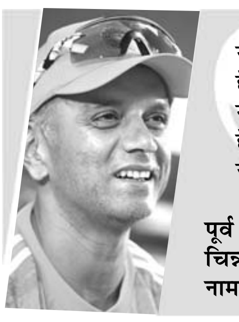

यह मेरे लिए दूसरा घर रहा है। यह वह जगह है जहां हमने शायद अपने घरों से भी ज्यादा समय बिताया है। लेकिन यह वही स्थान भी है जिसने सचमुच मुझे वह सब कुछ दिया है जो मैं आज हूं। - राहुल द्रविड़

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, चिन्नास्वामी स्टेडियम में स्टैंड का नाम द्रविड़ के नाम को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हार्दिक पंड्या

हार्दिक पंड्या बीमार होने के कारण दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच नहीं खेल पाए थे। दिल्ली के खिलाफ मुकाबले में सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी का जिम्मा संभाला था। मुंबई की टीम वह मैच 6 विकेट से हार गई थी। अब सवाल ये है कि टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या की वापसी कब तक होगी? दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान सूर्यकुमार यादव ने बताया था कि हार्दिक पंड्या की तबीयत खराब है और वो अच्छा महसूस नहीं कर रहे हैं। वो मैच खेल पाने के लिए पूरी तरह फिट नहीं थे। हार्दिक पंड्या की तबीयत बहुत ज्यादा खराब नहीं है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत की तरफ से वनडे क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में सचिन तेंदुलकर पहले स्थान पर हैं।

आरसीबी ने सीएसके को 43 रनों से हराया

// टिम डेविड और देवदत्त पडिकल की फिफ्टी //

बेंगलुरू, 5 अप्रेल। आईपीएल 2026 के 11वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने चेन्नई सुपर किंग्स को 43 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया है। सामने निर्धारित 20 ओवरों में पहले बैटिंग करते हुए आरसीबी ने 251 रनों का विशाल लक्ष्य रखा है, जिसके जबाव में सीसएके की टीम 207 रनों पर ऑलआउट हो गई। मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन उनके निर्णय को कोहली एंड कंपनी ने गलत साबित कर दिया। आरसीबी की ओर से टिम डेविड ने 25 गेंदों में 70 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने छक्कों की बारिश कर दी। डेविड ने इस पारी में 8 छक्के और तीन चौके जड़े। कप्तान रजत पाटीदार ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में 48 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी के दौरान सिर्फ 1 चौका लगाया जबकि 6 छक्के जड़े। इससे पहले फिल साल्ट ने 30 गेंदों में 46 रन तीन चौके और 2 छक्कों की मदद से बनाए। देविदत्त पडिकल ने कोहली के आउट होने के बाद 29 गेंदों में 50 रन पूरा किया। उन्होंने पांच चौके और दो छक्के लगाए। कोहली ने आउट होने से पहले 18 गेंदों में 2 चौके और एक छक्के की मदद से 28 रन बनाए। सीएसके की ओर से लगभग सभी गेंदबाज महंगे साबित हुए। जेमी ओवर्टन, शिवम दुबे और अंशुल कंबोज को एक-एक विकेट मिले। बाकी सभी गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए और कोई भी सफलता हाथ नहीं लगी। 251 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 30 रनों के भीतर तीन विकेट खो दिए। संजू सैसमन 9, ऋतुराज गायकवाड़ 7 और आयुष म्हात्रे 1 रन बनाकर चलते बने। हालांकि, इसके बाद सरफराज खान और कार्तिक शर्मा ने पारी को संभालने की कोशिश की। खान ने 24 गेंदों में अर्धशतकीय पारी खेली। लेकिन उसके बाद क्रुणाल पांड्या ने एक ही ओवर में कार्तिक शर्मा और प्रशांत वीर को आउट करके आधी टीम को पेवेलियन भेज दिया। जेमी ओवर्टन ने कुछ हद तक सीएसके की उम्मीदों को जीवित रखा और प्रंशात वीर ने सहयोग किया, लेकिन ये दोनों बल्लेबाज भी क्रमश: 16 गेंदों में 37 और 29 गेंदों में 43 रन बनाए। शिवम दुबे 13 गेंदों में 18 रन ही बना सके। नूर अहमद और मैट हेनरी और अंशुल कंबोज भी कुछ खास नहीं कर सके और पूरी टीम 19.4 ओवर में 207 रनों के स्कोर पर पवेलियन लौट गई। आरसीबी की ओर से भुवनेश्वर कुमार ने 4 ओवर में 41 रन देकर 3 विकेट लिए। जेकब डफी, अभिनंदन सिंह और क्रुणाल पांड्या ने 2-2 विकेट लिए जबकि सुयश शर्मा को एक विकेट हासिल हुआ। रोमारियो शेफर्ड ने 1 ओवर की गेंदबाजी की लेकिन विकेटलेस रहे।

सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर लखनऊ सुपर जाएंट्स ने दर्ज की जीत, ऋषभ की बेहतरीन पारी

हैदराबाद, 5 अप्रेल। आईपीएल 2026 का 10वां लीग मैच सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेला गया। जिसे लखनऊ सुपर जाएंट्स ने 1 गेंद शेष रहते हुए 5 विकेट से अपने नाम किया। ये मुकाबला आखिरी ओवर तक रोमांचक रहा। इस दौरान लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने दमदार अर्धशतकीय पारी खेली। जबकि मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और आवेश खान ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। वहीं टॉस गंवा कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद ने हेनरिक क्लासेन और नितीश कुमार रेड्डी के अर्धशतकों के दम पर 156 रन बनाए। जिसके जवाब में लखनऊ ने 5 विकेट खोकर 19.5 ओवर में 157 रनों का टारगेट चेज कर लिया। इस दौरान पंत ने 68 रन बनाकर नाबाद लौटे।

इस दौरान एडेन मार्करम और मिचेल मार्श की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 37 रन की साझेदारी की। मार्श ने 12 गेंदों पर 14 रन बनाकर आउट हुए वहीं मार्करम ने 27 गेंदों पर 45 रन का योगदान दिया। उन्होंने 6 और 2 छक्के जड़े। आयुष बडोनी 12 रन बनाकर आउट हुए वहीं निकोलस पूरन एन रन बनाकर रनआउट हो गए। पंत ने 50 गेंदों पर नाबाद 68 रन बनाए। उन्होंने चौका जडकर टीम को पहली जीत दिलाई। पंत ने अपनी मैच विनिंग पारी में 9 चौके लगाए।

इससे पहले शमी के करिश्माई स्पैल के बाद हेनरिक क्लासेन और नीतिश कुमार रेड्डी की आक्रामक शतकीय साझेदारी की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 9 विकेट पर 156 रन बनाए। शुरुआती 10 ओवर में 35 रन पर चार विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही हैदराबाद के लिए क्लासेन और नीतिश रेड्डी ने आक्रमण ही सर्वश्रेष्ठ बचाव की रणनीति पर अमल किया। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 63 गेंदों में 116 रन की रिकॉर्ड साझेदारी के दौरान सात छक्के जड़े। दोनों के जल्दी-जल्दी आउट होते ही लखनऊ ने मैच पर फिर से पकड़ बना ली और मेजबान टीम को 160 रन से नीचे रोकने में सफलता हासिल की।

लगातार 150 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करना चाहते है विजयकुमार

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी गेंदबाजी में विविधता लाने के साथ लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करना चाहते हैं। दो मैच में पांच विकेट लेकर वैशाख ने पिछले सत्र के पांच मैच में लिए गए चार विकेट के मुकाबले इस सत्र में कहीं ज्यादा बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ अपने आईपीएल सफर की शुरुआत की थी जिसके बाद वह पंजाब किंग्स में शामिल हो गए।

कर्नाटक के रहने वाले 29 वर्षीय वैशाख ने इस सत्र में अपनी 'वाइड यॉर्कर' और 'स्लो बाउंसर्स' से सभी को प्रभावित किया है। चेन्नई में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने शानदार फॉर्म में चल रहे आयुष म्हात्रे और सरफराज खान को आउट करके विपक्षी टीम को पांच विकेट पर 209 रन पर रोक दिया था जिसे उनकी टीम ने आसानी से हासिल कर लिया।

पंजाब किंग्स वैशाख का इस्तेमाल मैच के तीन चरणों में कर रही है और यह तेज गेंदबाज इस चुनौती का भरपूर आनंद ले रहा है। आज के दौर में जब हर चीज का वीडियो विश्लेषण उपलब्ध है तो वैशाख का मानना है कि अपनी गेंदबाजी के कौशल में लगातार सुधार करते रहने के अलावा सफलता पाने का कोई और रास्ता नहीं है।

सनराइजर्स हैदराबाद ने रचा इतिहास

हैदराबाद, 5 अप्रेल। लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज भले ही कमाल नहीं कर पाए हो लेकिन फिर भी टीम ने इतिहास रच दिया। दरअसल, इस मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने 30 रनों के अंदर 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद भी सनराइजर्स हैदराबाद ने 156 रन बना दिए। इसके साथ ही हैदराबाद के नाम एक बड़ा रिकॉर्ड हो गया है। आईपीएल के इतिहास में 30 रनों के अंदर 4 विकेट गिरने के बाद इतना बड़ा रिकॉर्ड बनाने वाली हैदराबाद पहली टीम बन गई है। इससे पहले आईपीएल में 30 रनों के अंदर 4 विकेट गंवाने के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड गुजरात टाइटंस के नाम था। गुजरात ने आईपीएल 2023 में 29 रनों पर 4 विकेट गंवाने के बाद 154 रन बना दिए थे। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद ने 26 रनों पर चार विकेट गंवाने के बाद 156 रन बना दिए, जो आईपीएल में 30 रनों के अंदर चार विकेट गंवाने के बाद किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। एसआरएच ने पावरप्ले यानी शुरुआती 6 ओवर में सिर्फ 22 रन बनाए थे। 10 ओवर में टीम का स्कोर 35 रन था। ऐसा लग रहा था कि हैदराबाद की टीम 100 तक भी नहीं पहुंच पाएगी लेकिन हेनरिक क्लासेन और नितीश कुमार रेड्डी की जोड़ी ने पांचवें विकेट के लिए 116 रनों की साझेदारी की और इतिहास रच दिया। क्लासेन ने 41 गेंद में 62 रन तो रेड्डी ने 33 गेंद में 56 रन बनाए।

18 साल की पायल ने वर्ल्ड चैम्पियन शीतल को हराया

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज में भारत ने 7 गोल्ड, 5 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज सहित कुल 16 मेडल जीतकर टेबल में शीर्ष स्थान हासिल किया है। वर्ल्ड नंबर-1 और वर्ल्ड चैम्पियन शीतल देवी उलटफेर का शिकार हो गई हैं। महिला कंपाउंड फाइनल में 18 वर्षीय पायल नाग ने शीतल को 139-136 से हराकर गोल्ड अपने नाम किया। यह एक साल के भीतर शीतल पर पायल की दूसरी जीत है। इससे पहले, उन्होंने जनवरी 2025 में भी शीतल को हराया था। पायल ने करियर में पहली बार सीनियर कैटेगरी में इंटरनेशनल गोल्ड जीता। 2015 में ओडिशा के बलांगीर जिले के एक ईंट भट्टे में बिजली के तार की चपेट में आने से पायल ने अपने दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा दिए। उस समय पायल की उम्र सिर्फ 8 साल थी।

रोहित शर्मा ने तोड़ा धोनी का महारिकॉर्ड, सबसे ज्यादा सिक्स लगाने का बनाया कीर्तिमान

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग में रोहित शर्मा ने एक खास कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। छक्के लगाने के मामले में रोहित ने एमएस धोनी को पछाड़ दिया है। वह अब आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। साथ ही वो किसी एक आईपीएल टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने ये कारनामा दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में किया।

रोहित शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में 26 गेंद खेलकर 35 रन बनाए। इस पारी में उनके बल्ले से 5 चौके और एक छक्का भी निकला। बस एक सिक्स लगाते ही उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में एमएस धोनी को पछाड़ दिया है।

मुंबई बनाम दिल्ली मैच से पहले रोहित शर्मा और एमएस धोनी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 50-50 सिक्स लगाए थे। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में एक छक्का लगाते ही रोहित किसी एक आईपीएल टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। अब रोहित ने दिल्ली टीम के खिलाफ 51 छक्के लगाए हैं। जबकि धोनी ने 50 सिक्स लगाए हैं।

रोहित ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना पसंद रहा है। दिल्ली उन 2 टीमों में से एक है जिसके खिलाफ रोहित ने 1000 से ज्यादा आईपीएल रन बनाए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 38 मैचों में रोहित ने अब तक 1092 रन बना लिए हैं। रोहित शर्मा एक और खास कीर्तिमान रचने से केवल 11 रन दूर हैं। वो मुंबई इंडियंस के लिए 5,989 रन बना चुके हैं। वो पहले ही मुंबई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज होने का रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में भूचाल, मीटिंग के बाद 3 डायरेक्टर्स ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में उथल-पुथल मची हुई है। शनिवार को ढाका में बोर्ड की एक लंबी मीटिंग चली जिसके बाद बीसीबी के तीन डायरेक्टर्स ने इस्तीफा दे दिया। फैयाजुर रहमान ने मीटिंग के बाद बोर्ड को अपने फैसले के बारे में बताया जबकि शानियान तनीम और मेहराब आलम चौधरी ने भी कुछ ही देर बाद ऐसा ही किया। इसके साथ ही बीसीबी चुनावों के 6 महीने से भी कम समय में इस्तीफा देने वाले बोर्ड डायरेक्टर्स की कुल संख्या 6 हो गई है।वहीं इससे पहले इसी साल जनवरी में व्यक्तिगत कारणों के चलते सबसे पहले इश्तियाक सादिक ने इस्तीफा दिया था। पिछले महीने, मीडिया चेयरमैन के पद से हटाए जाने के कुछ दिनों बाद अमजद हुसैन ने बोर्ड को अपना नोटिस भेजा था। यासिर मोहम्मद फैसल, जो सरकार द्वारा नामित बीसीबी डायरेक्टर थे, उन्होंने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। जिसके बाद शनिवार को उन तीन अन्य डायरेक्टरों ने भी इस्तीफा दिया।

हालांकि, ये स्पष्ट नहीं है कि अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम की अध्यक्षता में हुई बैठक में आखिर ऐसा क्या हुआ था, जिसके चलते फैयाजुर, तनीम और चौधरी को ये फैसला लेना पड़ा। मीटिंग के बाद नए मीडिया चेयरमैन मोहम्मद मोखदेदुल कमाल ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि उन्हें फैयाजुर के इस्तीफे के बारे में खबरों से पता चला। प्रेस ब्रीफिंग होने के बाद दो लोगों ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि हमने बोर्ड में इस पर चर्चा नहीं की है। जिन लोगों ने इस्तीफा दिया, उन्होंने अपने फैसले के लिए निजी कारणों का हवाला दिया है। ये उनका निजी फैसला है।

भारतीय निशानेबाज ग्रेनाडा विश्वकप में अपनी छाप छोड़ने को तैयार

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। भारतीय पिस्टल और राइफल निशानेबाज सोमवार से होने वाले सत्र के शुरुआती आईएसएसएफ विश्व कप में पिछले साल के अपने दबदबे वाले प्रदर्शन को जारी रखने के संकल्प के साथ उतरेंगे। भारतीय पिस्टल और राइफल निशानेबाजों के लिए विश्व कप का पिछला सत्र शानदार रहा था, जहां उन्होंने लगभग हर प्रतियोगिता में दमदार प्रदर्शन करते हुए नए मानदंड स्थापित किए। मोरक्को में आयोजित शॉटगन विश्व कप में निराशाजनक शुरुआत के बाद भारतीय निशानेबाजों का सारा ध्यान पिस्टल और राइफल स्पर्धाओं पर केंद्रित है।

भारत का पिस्टल और राइफल से जुड़ी स्पर्धाओं में पारंपरिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। टीम नए सिरे से जीत की मानसिकता के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक होगी, जिसे ओलंपियन रिदम सांगवान, अंजुम मौदगिल और मेहुली घोष सहित देश के कुछ बेहतरीन निशानेबाजों की उपस्थिति से बल मिलेगा। टीम को हालांकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और विश्व चैंपियन सम्राट राणा के अनुभव की कमी खलेगी, क्योंकि वे दल का हिस्सा नहीं हैं।

राष्ट्रीय महासंघ की रोटेशन नीति के तहत राष्ट्रीय टीम के सभी सदस्यों को हुनर दिखाने का मौका सुनिश्चित करने के लिए अनुभवी पिस्टल निशानेबाज भाकर, सुरुचि इंदर सिंह और सम्राट राणा सहित अन्य खिलाड़ी मई में म्यूनिख में होने वाले पिस्टल और राइफल विश्व कप में भाग लेंगे। सत्र के शुरुआती विश्व कप में भाग लेने वाली टीम में हालांकि सितारों की कोई कमी नहीं है।

इनमें पिस्टल निशानेबाज संगवान पिछले दो वर्षों में विश्व कप में पदक से चूकने के सिलसिले को पीछे छोड़ने के साथ एशियाई खेलों में चयन के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने के उद्देश्य से पोडियम पर जगह बनाने के लिए उत्सुक होंगी। अनुभवी राइफल निशानेबाज अंजुम और मेहुली भी पिछले निराशाजनक प्रदर्शन के बाद नए सत्र में उतर रही हैं और इस महत्वपूर्ण वर्ष में एक मजबूत छाप छोड़ने के लिए उत्सुक होंगी।

आर्सेल को लगा डबल झटका, लीग कप के बाद अब एफए कप से भी टीम हुई बाहर

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। आर्सेनल को एफए कप में करारा झटका लगा है। दूसरी श्रेणी की टीम साउथैम्पटन ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में आर्सेनल को 2-1 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया है। मौजूद जानकारी के अनुसार मुकाबले की शुरुआत में ही साउथैम्पटन ने बढ़त बना ली थी, जब पहले हाफ में रॉस स्टीवर्ट ने गोल किया। इसके बाद आर्सेनल ने वापसी की कोशिश की और दूसरे हाफ में विक्टर ग्योकेरेस ने बराबरी का गोल दागा, लेकिन टीम इस लय को बरकरार नहीं रख पाई है। गौरतलब है कि मुकाबले के आखिरी समय में शेया चार्ल्स ने शानदार गोल कर साउथैम्पटन को जीत दिला दी है। इस हार के साथ ही आर्सेनल की खिताब जीतने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

आर्सेनल के कोच मिकेल आर्टेटा ने मैच के बाद निराशा जताते हुए कहा कि टीम ने रक्षात्मक गलतियां कीं, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा है। बता दें कि टीम के कुछ अहम खिलाड़ी चोट के कारण इस मुकाबले में नहीं खेल पाए, जिससे संतुलन बिगड़ा हुआ नजर आया है। मौजूद जानकारी के अनुसार इंग्लैंड के प्रमुख खिलाड़ी और ब्राजील के डिफेंडर की गैरमौजूदगी और चोट ने भी टीम की रणनीति को प्रभावित किया है। आर्टेटा ने कहा कि टीम को अब मुश्किल हालात में खुद को साबित करना होगा और मजबूत वापसी करनी होगी। आर्सेनल हाल ही में लीग कप फाइनल भी हार चुका है, जिससे टीम का लगातार दूसरा बड़ा टूर्नामेंट हाथ से निकल गया है।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारत की वैशाली और दिव्या की जीत से खिताब की उम्मीदें बढ़ी

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। शतरंज की दुनिया में इस वक्त मुकाबला काफी दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया, जहां भारतीय खिलाड़ियों के लिए छठा दौर मिलाजुला रहा। बता दें कि 2026 महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारत की आर वैशाली और दिव्या देशमुख ने शानदार वापसी करते हुए अपनी दावेदारी को फिर मजबूत किया, जबकि पुरुष वर्ग में आर प्रज्ञानानंदा की राह थोड़ी मुश्किल होती नजर आ रही है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, वैशाली ने कतेरीना लाग्नो के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाया। काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने शुरुआत में संतुलन बनाए रखा, लेकिन मध्य खेल में प्रतिद्वंद्वी की गलतियों का पूरा फायदा उठाया। खासकर 29वीं और 38वीं चाल पर लाग्नो की चूक मैच का टर्निंग पॉइंट बनी और वैशाली ने अंत तक बढ़त बनाए रखते हुए जीत दर्ज की।

वहीं दूसरी ओर, दिव्या देशमुख का मुकाबला भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा। उन्होंने बिबिसारा असाउबायेवा के खिलाफ खेलते हुए एक समय खुद भी गलती की, लेकिन प्रतिद्वंद्वी उस दबाव को संभाल नहीं सकीं। गौरतलब है कि अंत में दिव्या ने स्थिति को संभालते हुए 46 चालों में मुकाबला अपने नाम किया।

बताया जा रहा है कि इस दौर के बाद महिला वर्ग में स्थिति काफी रोमांचक हो गई है, जहां पांच खिलाड़ी एक अंक के अंतर पर बनी हुई हैं। इसमें वैशाली और दिव्या भी शामिल हैं, जिससे भारतीय उम्मीदें अब भी मजबूत बनी हुई हैं। हालांकि पुरुष वर्ग में आर प्रज्ञानानंदा को निराशा हाथ लगी है। उन्होंने दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में से एक हिकारू नाकामुरा के खिलाफ ड्रॉ खेला। बता दें कि काले मोहरों से ड्रॉ करना आसान नहीं होता, लेकिन मौजूदा अंक तालिका को देखते हुए यह परिणाम उनके लिए ज्यादा फायदेमंद साबित नहीं हुआ है।

वेटरन टेबल टेनिस में जयपुर का दबदबा, दीपक सहित कई खिलाड़ी बने चैम्पियन

जयपुर, 5 अप्रैल। राजस्थान वेटरन टेबल टेनिस प्रतियोगिता का समापन शानदार मुकाबलों के साथ हुआ, जिसमें जयपुर के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किए। मेंस सिंगल्स 40 में ममतेश वैष्णव (जयपुर) ने खिताब जीता, जबकि अमल भारती (जयपुर) उपविजेता रहे। मेंस सिंगल्स 45 में सचित गुप्ता (जयपुर) विजेता एवं विजय पंचोली (जयपुर) उपविजेता रहे। मेंस सिंगल्स 50 में दीपक कपूर (जयपुर) ने बाजी मारी, जबकि कुलदीप यादव (जयपुर) दूसरे स्थान पर रहे। मेंस सिंगल्स 55 में भव्य दीपक शर्मा (जयपुर) विजेता एवं राजीव गुप्ता (जयपुर) उपविजेता रहे। वुमेंस सिंगल्स में मनीषा जैन (जयपुर) ने खिताब अपने नाम किया, जबकि निर्मला चौधरी (बाड़मेर) उपविजेता रहीं। मेंस डबल्स 45 में सचित गुप्ता (जयपुर) एवं आशीष (जयपुर) की जोड़ी विजेता रही, जबकि सुनील (जयपुर) व प्रतिक शर्मा (जयपुर) उपविजेता रहे। समापन समारोह में टेबल टेनिस के भीष्म पितामह धनराज चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी राजीव गुप्ता एवं चीफ रेफरी संजीब पारुई के अनुसार प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने खेल भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया तथा ऐसे आयोजनों से राज्य में टेबल टेनिस को बढ़ावा मिलेगा। अंत में राजस्थान वेटरन टेबल टेनिस कमेटी के चेयरमैन अजय ओझा एवं कनवीनर दीपांग दास ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जयपुर टीम घोषित, मनीष को मिली कप्तानी

जयपुर, 5 अप्रैल। राजस्थान फुटबॉल संघ के निर्देशन में तथा जिला फुटबॉल संघ, चित्तौड़गढ़ के संयुक्त तत्वाधान में 6 अप्रैल से शुरू होने वाली अंडर-20 स्टेट फुटबॉल चैंपियनशिप 2026 के लिए जयपुर टीम की घोषणा कर दी गई है। कोच सतीश जांगिड़ व हितेश शर्मा ने बताया कि टीम का चयन 2 अप्रैल को चौगान स्टेडियम में आयोजित ट्रायल के आधार पर किया गया। चयनित टीम आज जयपुर से चित्तौड़गढ़ के लिए रवाना हो गई है। टीम 6 अप्रैल को डूंगरपुर के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। **टीम :** मनीष (कप्तान), दिव्यांशु (उपकप्तान), शिवम कुमार (गोलकीपर), रिशित (गोलकीपर), सागर पारीक, तनिष्क, मेधांश, साहबराज, अशोक सैनी, रिषभ सिंह, भव्य, कृतज्ञ सिंह, कृष्णा काछवा मोहित, रुद्रांश श्याम सिंह।

महिला ए डिवीजन लीग : चंबल स्पोर्ट्स विजेता, जयपुर क्रिकेट एकेडमी उपविजेता रही

जयपुर, 5 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा एल वी फार्मा द्वारा प्रायोजित महिला ए डिवीजन लीग में आज खेले गए अंतिम मैच में चंबल स्पोर्ट्स ने राजस्थान यूथ को 6 विकेट से हराकर चैम्पियनशिप जीती। के एल सैनी स्टेडियम पर राजस्थान यूथ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नीतू शर्मा के 30 रन, कृतक गुलाब के 62 रन, स्नेहा उबना के नाबाद 102 रन (112 गेंद, 12 चौके), प्रियांशी चौधरी के 22 रन व फ़ौरा गुर्जर के 16 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट पर 263 रन बनाए। चंबल स्पोर्ट्स के लिए अर्चना योगी ने 38 पर 2, अंशी ने 48 पर 2, सोनम सैनी, डिम्पल शेखावत, खुशी जैन व रितिका भाटी ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में चंबल स्पोर्ट्स की टीम ने सी जे भाटी के 97 रन, निशा गुर्जर के नाबाद 76 रन, अंशी के 25 रन व डिम्पल शेखावत के 36 रनो से 45.3 ओवर में 4 विकेट पर 266 रन बनाकर मैच जीत लिया। राजस्थान यूथ के लिए आरती चौधरी, माहिरा खान, स्नेहा उबना व सौंदर्या चांदना ने एक - एक विकेट लिया।

मैच के बस प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व रणजी कप्तान राहुल कांवट, पूर्व रणजी कप्तान पी कृष्ण कुमार, तदर्थ समिति के कन्वीनर राजेश कुमार ताम्बी, सदस्य आनंद सिंह राठौड़ व महेश सैनी ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व व्यक्तिगत पुरस्कार तथा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को प्रतिसिपेशन सर्टिफिकेट प्रदान किए। इस अवसर पर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ी, प्रतियोगिता के कन्वीनर ओम शर्मा, तपेश कौशिक, सलीम खान, रफीक जोया, सहित अनेक व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ बैटर नीतू शर्मा (370 रन, राजस्थान यूथ), सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज सिद्धि शर्मा (12 विकेट, जयपुर क्रिकेट एकेडमी), सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक निवेदिता काव्या (जयपुर क्रिकेट एकेडमी) तथा प्लेयर ऑफ दि सीरीज अंशी चौधरी (284 रन व 9 विकेट, चंबल स्पोर्ट्स) रहे। चंबल स्पोर्ट्स की टीम लीग के सभी मैचों में जीत दर्ज कर चैंपियन बनी।

राज्य के लिए वर्षा के जल को भविष्य के लिए सहेजता एकमात्र उपाय है- भजनलाल

मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 से हजारों गाँवों के लाखों परिवार को राहत पहुँची

जयपुर, 5 अप्रेल। भौगोलिक दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान में कम वर्षा, अनियमित मानसून, भूजल के अत्यधिक दोहन और मरुस्थलीय क्षेत्र की अधिकता के कारण जल संसाधनों की कम उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में वर्षा के जल को व्यर्थ नहीं बहने देना और उसे भविष्य के लिए सहेजना ही एकमात्र उपाय है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पुनर्जीवित कर चलाए जा रहे 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' के जरिए हजारों गांवों के लाखों परिवारों को राहत पहुंचाई जा रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य जल संकट से प्रभावित सभी गांवों को चरणबद्ध तरीके से कवर कर जल के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट 2024-25 में घोषित इस अभियान के लिए कुल 11 हजार 200 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया, जिससे 20 हजार गांवों में 5 लाख वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स बनाए जाने का लक्ष्य था।

उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में 337 पंचायत समितियों में एक लाख से अधिक कार्य करवाने का लक्ष्य रखा गया। जिसके विरुद्ध 2 हजार 880 करोड़ रुपए के 1 लाख 4 हजार से अधिक कार्यों का अनुमोदन किया जा चुका है। इनमें से 1 हजार 48 करोड़ से अधिक के 45 हजार से ज्यादा कार्यों की स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं। वहीं, बजट 2026-27 में इस अभियान के तृतीय चरण के तहत 2 हजार 500 करोड़ रुपए की लागत से 5 हजार गांवों में 1 लाख 10 हजार कार्य करवाने की घोषणा की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जल स्वावलंबन अभियान 2.0 में जल भागीदारी के लिए ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका तय की गई है। कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए ग्राम स्तर पर निगरानी समितियों का गठन किया है।**

जनकल्याण के लिए चलाए जा रहे 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' में जनभागीदारी के लिए ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका तय की गई है। कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए ग्राम स्तर पर निगरानी समितियों का गठन किया है। स्वयंसेवी संगठनों के साथ सीएसआर के तहत निजी कंपनियों का सहयोग भी लिया जा रहा है, जिससे सरकारी खर्च में भी कमी आई है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा, योजना को प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों जैसे जीआईएस आधारित मैपिंग, ड्रोन सर्वे, जल संरचनाओं के डिजिटल रिकॉर्ड का उपयोग किया जा रहा है, जिससे योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और सतत निगरानी सुनिश्चित हुई है।

होर्मुज़ स्ट्रेट पर ओमान-ईरान कर रहे वार्ता

मस्कट/तेहरान, 05 अप्रैल। ओमान और ईरान के बीच रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर महत्वपूर्ण वार्ता हुई है। इस बैठक में दोनों देशों ने समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही, सुरक्षा और संभावित नियंत्रण व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की। ओमान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को हुई इस बैठक में विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों ने कई प्रस्ताव पेश किए, जिन पर आगे विचार किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक,

■ **सूत्रों का कहना है कि ईरान क्षेत्र में संप्रभुता को मान्यता दिलाना चाहता है, वहीं ओमान होर्मुज़ स्ट्रेट की सुरक्षा सुनिश्चित कर रास्ता खुलवाना चाहता है।**

ईरान इस क्षेत्र में अपनी संप्रभुता को मान्यता दिलाने और जहाजों की आवाजाही पर अधिक नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में प्रयासरत है। वहीं, ओमान संतुलन बनाए रखते हुए समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने की भूमिका निभा रहा है।

अमेरिका ने लापता पायलट को ईरान से सुरक्षित बाहर निकाला

ईरान के पहाड़ों में फंसे पायलट को निकालने के लिए घातक हथियारों से लैस दर्जनों विमान भेजे गए थे

वॉशिंगटन, 05 अप्रैल। पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष के बीच, अमेरिकी एफ-15ई जेट के लापता पायलट को अमेरिका ने जटिल बचाव अभियान को अंजाम देते हुए ईरान की जमीन से सुरक्षित निकाल लिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इसकी पुष्टि करते हुए इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी बचाव अभियान बताया।

■ **ट्रंप ने कहा कि यह अमेरिकी सेना के इतिहास में सबसे साहसिक बचाव अभियानों में से एक है। इससे एक दिन पहले एक अन्य पायलट को भी सुरक्षित बाहर निकाला गया था।**

राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, "हमने उन्हें सुरक्षित निकाल लिया! पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने इतिहास के सबसे साहसी बचाव अभियानों में से एक को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हमारे अद्भुत क्रू मेम्बर अधिकारी, जो एक सम्मानित कर्नल हैं, अब पूरी तरह सुरक्षित हैं।"

राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि यह बहादुर सैन्य अधिकारी ईरान के खतरनाक पहाड़ों में फंसा हुआ था और दुश्मन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। हालांकि वह अकेला नहीं था, क्योंकि उसके कमांडर-इन-चीफ, रक्षा मंत्री, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष और साथी योद्धा चौबीसों घंटे उसके ठिकाने पर नजर रखे हुए थे और उसके बचाव की योजना बना रहे थे।

राष्ट्रपति के निर्देश पर, अमेरिकी सेना ने इस अधिकारी को वापस लाने के लिए दुनिया के सबसे घातक हथियारों से लैस दर्जनों विमानों को भेजा। अधिकारी को कुछ चोटें आईं हैं, लेकिन वह जल्द ही पूरी तरह ठीक हो जाएंगे।

यह उल्लेखनीय बचाव अभियान एक ऐसे समय में आया है, जब एक दिन पहले ही एक अन्य बहादुर अमेरिकी पायलट को भी सफलतापूर्वक बचाया गया था। राष्ट्रपति ने बताया कि इस दूसरे बचाव अभियान की पुष्टि इसलिए नहीं की गई थी, ताकि दूसरे अभियान में कोई खतरा न हो। यह पहली बार है, जब सैन्य इतिहास में दो अमेरिकी पायलटों को अलग-अलग, दुश्मन के इलाके में गहराई से बचाया गया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने दृढ़ता से कहा "हम किसी भी अमेरिकी सैनिक को पीछे नहीं छोड़ेंगे!" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बिना किसी एक भी अमेरिकी सैनिक के मारे जाने या घायल होने के, इन दोनों बचाव अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम देना इस बात का प्रमाण है कि हमने ईरानी आसमान पर पूर्ण हवाई प्रभुत्व और श्रेष्ठता हासिल कर ली है।

दिल्ली में टॉय कार "बम ब्लास्ट" करने की साजिश का परदा फाश

मुंबई पुलिस और दिल्ली पुलिस के "ज्वांइट ऑपरेशन" में दो जैस आंतकवादियों को पकड़ा

नई दिल्ली, 05 अप्रैल। मुंबई पुलिस और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सैल ने मिलकर बड़ा ज्वाइंट ऑपरेशन किया है। उन्होंने मोसाब अहमद उर्फ कलाम और मोहम्मद हमाद कालरा को पकड़ लिया है। ये दोनों संदिग्ध आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए हैं। दोनों को हिरासत में लिया गया है। ये दोनों दिल्ली में टॉय कार से ब्लास्ट की प्लानिंग कर रहे थे।

■ **अहमद उर्फ कलाम और मोहम्मद हमाद कालरा नाम के दो आतंकियों को "ज्वांइट ऑपरेशन" के दौरान कुर्ला और कड़बली से हिरासत में लिया।**

महाराष्ट्र एटीएस और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के ज्वाइंट ऑपरेशन में कुर्ला और कडवली से दोनों संदिग्धों, मोसाब और हमाद, को हिरासत में लिया गया है। इन दोनों को आगे की कार्रवाई के लिए दिल्ली लाया जा रहा है। दिल्ली लाकर इनको कोर्ट में पेश करके रिमांड ली जाएगी और फिर दोनों से पूछताछ की जाएगी।

राहत की बात ये है कि आतंक की बड़ी साजिश को नाकामयाब कर दिया गया है। मोसाब और हमाद, दिल्ली को एक बार फिर दहलाने की साजिश रच रहे थे। दोनों ऑनलाइन माध्यम से रेडिक्लाइज हुए थे। आरोप के मुताबिक, ये जैश के कहने पर भारत में काम कर रहे थे।

मिली जानकारी के अनुसार, मोसाब और हमाद के पास से कुछ संवेदनशील चीजें भी पुलिस टीम ने बरामद की हैं। जांच एजेंसियों को यह आशंका है कि आरोपियों का ब्रेनवॉश हो चुका है। इस मामले में आगे की जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सैल करेगी। मुंबई में पुलिस दोनों को हैंडओवर कर चुकी है।

पवन खेड़ा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बेबुनियाद हमले केवल उनके कमज़ोर होते जनाधार को ही उजागर करते हैं। मैं उनके द्वारा लगाए गए हर आरोप को पूरी तरह से खारिज करता हूं। ये दुर्भावनापूर्ण, मनगढ़ंत और राजनीतिक रूप से प्रेरित झूठ हैं, जिनका मकसद असम की जनता को गुमराह करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि मेरी पत्नी और मैं अगले 48 घंटों के भीतर पवन खेड़ा के खिलाफ आपराधिक और दीवानी, दोनों तरह के मानहानि के मुकदमे दायर करेंगे। उनके इन गैर-जिम्मेदाराना और मानहानिकारक बयानों के लिए उन्हें पूरी तरह से जवाबदेह ठहराया जाएगा।

मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। एक बार जब अदालत में सच्चाई साबित हो जाएगी, तो पवन खेड़ा को अपने कृत्यों का परिणाम भुगतना पड़ेगा, और कानून अपना काम करेगा।

राघव चड्ढा ने आप नेताओं को करारा जवाब दिया

नई दिल्ली, 05 अप्रैल। राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और राघव चड्ढा के बीच बहस तेज हो गई है। सोशल मीडिया के जरिए दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। अब राघव चड्ढा ने एक नया वीडियो जारी किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि यह एक छोटा सा ट्रेलर है... पिक्चर अभी बाकी है।

■ **उन्होंने कहा, संजय सिंह, आतिशी व सौरभ भारद्वाज द्वारा लगाए आरोप सुनियोजित हमला हैं।**

राघव चड्ढा ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर कहा कि जो लोग मुझ पर आरोप लगा रहे हैं, उनके हर झूठ को बेनकाब किया जाएगा, मैं घायल हूं, इसलिए घातक हूं। आप नेता संजय सिंह, आतिशी और सौरभ भारद्वाज जैसे वरिष्ठ नेताओं द्वारा "डरपोक" आदि का आरोप लगाने को चड्ढा ने सुनियोजित हमला करार दिया।

उन्होंने 2:40 मिनट के वीडियो संदेश में कहा कि जो लोग उन पर आरोप लगा रहे हैं, वे सभी एक ही भाषा बोल रहे हैं, जो उन्हें लिखकर दी गई है। चड्ढा ने पूछा कि संसद में आम आदमी के मुद्दे उठाना क्या गुनाह है? आप नेताओं के विपक्षी वाकआउट में शामिल न होने के आरोपों को चुनौती देते हुए, उन्होंने कहा कि सदन में सभी गतिविधि रिकार्ड होती हैं, सीसीटीवी फुटेज सामने लाए जाएं, झूठ बेनकाब हो जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त से जुड़े एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं करने के आरोप को भी उन्होंने खारिज किया। राज्यसभा में पार्टी के 10 सांसद हैं, जिनमें से छह या सात सांसदों ने खुद ही इस याचिका पर साइन नहीं किए।

उन्होंने कहा, डर की वजह से संसद में बेकार के मुद्दे उठाने का आरोप लगाने वालों को मैं बताना चाहता हूं कि मैं संसद में चीखने चिल्लाने, गाली देने या माइक तोड़ने नहीं गया। मैं वहां जनता के मुद्दे उठाने गया हूं। मैंने कौन सा मुद्दा नहीं उठाया।

उन्होंने कहा कि मैंने जीएसटी से लेकर पानी तक, पंजाब के पानी से लेकर दिल्ली की हवा तक की बात की है। बेरोजगारी से लेकर महंगाई तक के मुद्दे उठाए। मेरा ट्रैक रिकार्ड उठाकर देख लीजिए। मैं संसद में जनता के मुद्दे उठाने के लिए गया हूं।

पायलट को बचाने आए कई अमेरिकी विमान नष्ट किए- ईरान

तेहरान, 05 अप्रैल। ईरान की धरती से अमेरिकी पायलट को सुरक्षित निकाले जाने के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावों पर ईरान ने कहा है कि पायलट बचाव अभियान के दौरान कई अमेरिकी विमानों को नष्ट कर दिया गया। ईरान इंटरनेशनल ने ईरानी सैन्य एवं सुरक्षा एजेंसियों का हवाला देते हुए अपनी रिपोर्ट में कहा कि दक्षिणी इस्फ़हान प्रांत में फंसे अपने एक पायलट को बचाने के लिए किए गए अमेरिकी अभियान के दौरान "दुश्मन के कई विमान" नष्ट कर दिए गए। ईरान की समाचार एजेंसी तसनीम के अनुसार, खातम अल-अनबिया केन्द्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि जिन विमानों को निशाना बनाया गया, उनमें एक अमेरिकी सी-130 सैन्य परिवहन विमान और दो ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर शामिल थे। तसनीम ने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के हवाले से यह भी कहा कि गार्ड्स, जमीनी बलों, पुलिस और अन्य इकाइयों के संयुक्त अभियान में "दुश्मन के विमान नष्ट कर दिए गए। गौरतलब है कि अमेरिकी एयरफोर्स का एफ-15 ईगल जेट शुक्रवार को ईरान के दक्षिणी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

केन्द्र ने राज्य सरकारों से आँधी-बारिश से फसलों की क्षति का आंकलन मांगा

शिवराज सिंह एक-दो दिन में राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ वास्तविक स्थिति पर चर्चा करेंगे

नई दिल्ली, 05 अप्रैल। देश के कई हिस्सों में बेमौसम आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से रबी की फसलों को हुए नुकसान पर केन्द्र सरकार सक्रिय हो गई है। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्थिति का संज्ञान लेते हुए मंत्रालय को व्यापक समीक्षा और राज्यों से समन्वय के निर्देश दिए हैं।

■ **बेमौसम बारिश से उत्तर भारत और मध्य भारत के किसानों को बहुत नुकसान हुआ है। बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा व महाराष्ट्र में गेहूँ की खड़ी फसल सबसे ज्यादा प्रभावित हुई।**

कृषि मंत्रालय ने अधिकारियों से कहा है कि प्रभावित राज्यों से तुरंत संपर्क कर जमीनी स्तर पर फसल क्षति का आकलन किया जाए। इस मुद्दे पर शिवराज एक-दो दिनों में विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ बैठक कर नुकसान की वास्तविक स्थिति पर चर्चा भी करेंगे।

बेमौसम बारिश ने खासकर उत्तर भारत और मध्य भारत के किसानों को झटका दिया है। बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र में गेहूं की खड़ी फसल सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। कई जगहों पर फसल पककर तैयार थी, लेकिन ओलावृष्टि और तेज हवाओं ने उसे गिरा दिया। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में हजारों हेक्टेयर फसल खराब होने की खबर है, जिससे बड़ी संख्या में किसान प्रभावित हुए हैं। पंजाब और हरियाणा में समस्या और गंभीर है। यहां खेतों में पानी भरने से कटाई का काम ठप पड़ गया है। मशीनों का संचालन मुश्किल हो गया है। इससे मंडियों तक अनाज पहुंचने में भी देरी की आशंका है।

मौसम विभाग के अनुसार, मौसम की यह स्थिति पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बनी है। भारत मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि सात से दस अप्रैल के बीच उत्तर-पश्चिम भारत में एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे बारिश, आंधी और ओलावृष्टि की नई लहर आ सकती है।

'नासिक कुंभ पर, 35000 करोड़ रूपए खर्च करेगी सरकार'

मुंबई, 05 अप्रैल। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने रविवार को नासिक में कहा कि राज्य सरकार नासिक सिंहस्थ कुंभ मेला 2026 पर 35,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

मुख्यमंत्री फडणवीस आज नासिक में आयोजित अखिल भारतीय संत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस साल का कुंभ भव्य और दिव्य होगा। यह कहते हुए मुख्यमंत्री ने 35,000 करोड़ रुपये के कामों का रोडमैप पेश किया। त्र्यंबकेश्वर शहर में भगवान श्री राम और सभी संतों-महंतों का स्वागत करते हुए उन्होंने सनातन संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए सडक़, रेल और एयरपोर्ट की सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि गोदावरी नदी को साफ रखने के लिए पक्के उपाय किए जाएंगे और त्र्यंबकेश्वर में साल भर पानी बहता रहे, इसके लिए भी काम चल रहा है। वारकरी परंपरा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि संतों के विचारों से मन पवित्र होता है, इसीलिए कुंभ मेला ज़रूरी है।

श्रीगंगानगर बॉर्डर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तस्करों ने ड्रोन से बॉर्डर पार कर यह खेप भारतीय क्षेत्र में ड्रॉप की थी। सुरक्षा बलों को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर तुरंत ब्लॉकेड लगाकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। रात के अंधेरे में ड्रोन की आवाज सुनाई दी और उसके बाद पैकेट्स गिरते देखे गए। तलाशी में 12 किलो हेरोइन बरामद हुई, जो छोटे-छोटे पैकेट्स में पैक थी। मौके से दो युवकों को पकड़ा गया, जो इस खेप को उठाने पहुंचे थे। दोनों युवक पंजाब के रहने वाले बताए जा रहे हैं। उनसे पूछताछ में सामने आया कि यह हेरोइन पाकिस्तान से भेजी गई थी और पंजाब में सप्लाई की जानी थी। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 60 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस का कहना है कि अगर यह खेप बाजार तक पहुंचती तो नशे का बड़ा नेटवर्क फैल सकता था।

असम के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के नाम भी जुड़े हैं। इस कंपनी का बजट 3,467 करोड़ अमेरिकी डॉलर है और इसमें परिवार के सदस्यों के बीच लगभग 52,000 करोड़ रुपये के हिस्से का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने से पहले दो दिन तक उनका सत्यापन किया है। उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस पूरे मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर जांच कराने की मांग की।

आयात स्त्रोतों में विविधता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मार्गों की पहुंच बनाए रखी गई, जिससे गंभीर आपूर्ति व्यवधान की संभावना कम हुई।

इसका नतीजा स्पष्ट था, लागत बढ़ी, लेकिन आपूर्ति की निरंतरता बनी रही। घरेलू संरक्षण ने मजबूती बढ़ाई, एलपीजी उत्पादन में 28 प्रतिशत वृद्धि हुई, जबकि पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन लगभग 2.9 लाख बढ़ाए गए, जिससे आंशिक रूप से एलपीजी की मांग कम हुई। रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, जो लगभग 74 दिनों की खपत को कवर करता है, ने अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान की।

हालांकि, आपूर्ति सुरक्षित होने के बावजूद, वैश्विक मूल्य वृद्धि अवश्य हुई। यहीं पर सबसे निर्णायक हस्तक्षेप हुआ। भारत की दूसरी और संभवत: अधिक महत्वपूर्ण नीति प्रतिक्रिया थी वैश्विक मूल्य झटकों को घरेलू खुदरा कीमतों से अलग करना, राजकोषीय अवशोषण और प्रशासनिक नियंत्रणों के संयोजन के माध्यम से।

विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक मूल्य झटकों को पूरी तरह से पास-थ्रू किया जाता, तो अंतरराष्ट्रीय एलपीजी के बढ़ते मानकों के कारण वृद्धि काफी अधिक होती। वास्तविकता में, कीमतों में केवल लगभग 60 (लगभग 7 प्रतिशत) की वृद्धि हुई। इस अंतर को परतों वाले अवशोषण ढांचे के माध्यम से भरा गया। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने लगभग 40,000 करोड़ रूपए के अंडर-रिकवरी को वहन किया, जबकि सरकार ने लगभग 30,000 करोड़ रूपए का मुआवजा दिया। उज्ज्वला योजना के तहत लक्षित सब्सिडी ने कमजोर परिवारों को सुरक्षित रखा। परिणामस्वरूप, अधिकांश मूल्य झटका सार्वजनिक क्षेत्र के बैलेंस शीट द्वारा ऊपर से अवशोषित किया गया, बजाय इसके कि इसे उपभोक्ताओं तक पहुँचाया गया।

पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में स्थिरता और अधिक स्पष्ट रही। सरकार ने दोनों ईंधनों पर उत्पाद शुल्क में 10 प्रति लीटर की कटौती की, डीज़ल शुल्क लगभग शून्य कर दिया, और निर्यात शुल्क लगाया ताकि आपूर्ति घरेलू बाजार की ओर मोड़ी जा सके। परिणामस्वरूप, वैश्विक कच्चे तेल की उच्च कीमतों के बावजूद खुदरा कीमतें अपेक्षाकृत स्थिर रहीं।

रूस ने यूक्रेन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हो गई। इसके अलावा, 19 अन्य लोग घायल हुए, जिनमें एक 14 साल की लड़की भी है। इस हमले में बाज़ार के स्टॉल और एक दुकान को नुकसान पहुंचा। ये हमले तब हुए, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ बातचीत के लिए इस्तांबुल गए हुए थे। वे पूर्वी ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों के आध्यात्मिक गुरु एक्यूमेनिकल पैट्रिआर्क बार्थोलोम्यू से भी मुलाक़ात करेंगे। राष्ट्रीय पुलिस ने बताया कि रूस की सीमा से सटे सुमी शहर में हुए एक हमले में 11 लोग घायल हो गए, जिनमें एक 15 साल का किशोर भी शामिल है। इस हमले में रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया गया, और घरों, कारों तथा उपयोगिता नेटवर्क को नुकसान पहुंचा। राज्य आपातकालीन सेवा ने बताया कि राजधानी कीव में हुए एक ड्रोन हमले के कारण तीन मंज़िला दफ़्तर और गोदाम वाली एक इमारत की पहली मंज़िल पर आग लग गई। इसमें किसी के हताहत होने की कोई ख़बर नहीं है।

बरेलीः तेज रफ्तार बोलेरो टैंकर में घुसी, 5 की मौत

बरेली, 05 अप्रैल। यूपी के बरेली जिले के सीबीगंज थाना क्षेत्र के परधोली के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार बोलेरो, सड़क किनारे खड़े टैंकर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए हैं। वहीं हादसे के बाद शवों को निकालने के लिए बोलेरो को काटना पड़ा। फिलहाल पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं इस मामले में घायलों का प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, बरेली के थाना सीबीगंज क्षेत्र के परधोली के पास लखनऊ की ओर से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े टैंकर में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बोलेरो की रफ्तार बहुत तेज थी। ड्राइवर गाड़ी पर कंट्रोल नहीं रख सका और सीधे एक टैंकर में जा टकराया।

सरकार चाहती है, संसद में महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटें बढ़ाई जाएं - मोदी

कूच बिहार की चुनाव सभा में आई भीड़ को उन्होंने रिकॉर्डतोड़ भीड़ बताया

कोलकाता, 05 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कूचबिहार में उमड़ा यह जनसैलाब नए बंगाल और भाजपा सरकार के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर कड़ा प्रहार किया और महिलाओं के लिए अपनी सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा, वे पहले भी इस मैदान पर आए हैं, लेकिन आज की भीड़ ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह उत्साह एक उज्ज्वल भविष्य और नए बंगाल के निर्माण का संकेत है।

■ **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बंगाल की महिलाओं से आग्रह किया कि वे सभी राजनीतिक दलों पर दबाव बनाएं ताकि संसद में यह कानून बिना रूकावट पास कराया जा सके।**

पीएम मोदी ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार ने अब तक 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाया है। अब देश के बड़े फैसलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का कानून बनाया है।

उन्होंने जानकारी दी कि 2029 के लोकसभा चुनाव से ही बहनों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाए, इसके लिए सरकार ने 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि माताओं और बहनों का यह अधिकार 40 साल से अटका हुआ था, जिसे अब और टालना सही नहीं है।

कूचबिहार से प्रधानमंत्री ने देश के सभी राज्यों को एक और बड़ा भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में अच्छा काम किया है, उन्हें सीटों के मामले में कोई नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। सभी राज्यों की भागीदारी और उनके अधिकार पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। सरकार चाहती है कि संसद में इस बात पर पक्की मुहर लगे कि महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटें बढ़ाई जाएं, ताकि राज्यों को इसका बड़ा फायदा मिल सके।

महिला आरक्षण बिल पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह किसी एक पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे देश का विषय है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे राजनीति से ऊपर उठकर महिलाओं के अधिकारों के लिए एक साथ आएं। उन्होंने बंगाल की महिलाओं से भी आग्रह किया कि वे सभी राजनीतिक दलों पर दबाव बनाएं, ताकि संसद में इस कानून को बिना किसी रुकावट के पास कराया जा सके। पीएम मोदी ने कहा कि सभी दलों को खुले मन से इस ऐतिहासिक बदलाव का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि महिलाओं को उनका हक दिलाने के लिए सकारात्मक भूमिका निभाना हर दल की जिम्मेदारी है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908